# सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित



मूल्य ₹ 2.00

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776

• दुमका • शनिवार • 21 मार्च 2026 • वर्ष 05 • अंक 29 • पृष्ठ 12


## डॉ. जयशंकर ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री से की बात

**एजेंसी, नई दिल्ली** । पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री सीनेटर पेनी वोंग से बातचीत करके अपने-अपने विचार साझा किये। डॉ जयशंकर ने 'एक्स' पर लिखा, "मुझे अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष से बात करके बहुत खुशी हुई। हमने पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष पर अपने आकलन साझा किए। साथ ही हमने हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की।" इसके अलावा डॉ जयशंकर ने आज ही अन्य देशों के उच्च अधिकारियों से भी मुलाकात की। इजराइल-अमेरिका के हमलों के बाद से ईरान का खाड़ी देशों से भी संघर्ष जारी है। इसके कारण ईरान से गैस की आपूर्ति समय पर न होने से अन्य देशों में स्थिति चिंताजनक है और ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं।

## सरहुल पूजा को लेकर केंद्रीय सरना समिति ने हेमंत सोरेन को दिया आमंत्रण

**रांची।** केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने आज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास पहुंच कर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने आगामी सरहुल पूजा के अवसर पर मुख्यमंत्री को विधिवत आमंत्रण दिया। मुलाकात के दौरान सरहुल पूजा की तैयारियों, इसकी पारंपरिक महत्ता और आयोजन को भव्य एवं सांस्कृतिक स्वरूप में संपन्न कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। केन्द्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने बताया कि सरहुल आदिवासी समाज का प्रमुख पर्व है, जिसे प्रकृति पूजा और परंपराओं के साथ मनाया जाता है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी सरहुल पूजा के महत्व को स्वीकार करते हुए आयोजन के सफल संचालन के लिए शुभकामनाएं दीं और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। समिति की ओर से उम्मीद जताई गई कि इस वर्ष का सरहुल पर्व पहले से अधिक उत्साह और परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा।

## ईरान ने अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान को बनाया निशाना, इजराइल की रिफाइनरी पर की बमबारी

एजेंसी, तेहरान/तेल अवीव

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच छिड़ा युद्ध 21वें दिन और व्यापक हो गया। इस जंग में संभवतः पहली बार अमेरिका की सैन्य क्षमता को तगड़ी चोट लगी है। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान (फाइटर जेट) को नुकसान पहुंचाया है। इसके अलावा इजराइल की रिफाइनरी पर ईरान ने बमबारी कर उसे उड़ाने की कोशिश की है। ईरान ने अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट पर हमले का वीडियो भी जारी किया है। सीएनएन, अल जजीरा और अन्य कुछ देशों के संचार माध्यमों की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एफ-35 पर हमले का वीडियो फुटेज तो जारी किया है, लेकिन इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। यह जरूर है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया कि एक एफ-35 जेट को ईरान के ऊपर मिशन के दौरान इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। विमान को मिडिल-ईस्ट के किसी देश में उतारा गया है। कमांड के प्रवक्ता कैप्टन टिम हॉकिन्स के मुताबिक, विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है और पायलट सुरक्षित है। घटना की जांच जारी है। हालांकि अमेरिका ने सीधे तौर पर ईरानी हमले की पुष्टि नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, एफ-35 दुनिया के सबसे एडवांस लड़ाकू विमानों में गिना जाता है और इसकी कीमत 100 मिलियन डॉलर से अधिक होती है। ईरान ने कहा है कि उसने इजराइली हमलों का जवाब देते हुए तेल अवीव में रिफाइनरी पर जोरदार बमबारी की है। इस बीच कतर एनर्जी ने कहा कि ईरानी हमलों की वजह से कतर की लिक्विफाइड नेचुरल गैस एक्सपोर्ट क्षमता का 17 प्रतिशत हिस्सा ठप हो गया है। इससे सालाना राजस्व में अनुमानित 20 अरब डॉलर का नुकसान हुआ है और यूरोप तथा एशिया को होने वाली आपूर्ति पर खतरा मंडरा रहा है।

## झारखंड में आंधी-ओलावृष्टि और वज्रपात की चेतावनी, आपदा प्रबंधन-प्रशासन हाई अलर्ट पर

**रांची।** मौसम विभाग की ओर से झारखंड के विभिन्न जिलों में तेज आंधी, ओलावृष्टि और वज्रपात की आशंका जताए जाने के बाद राज्य में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। संभावित आपदा को देखते हुए राज्य के आपदा प्रबंधन मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने विभाग को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। मंत्री इरफान अंसारी ने शुक्रवार को सभी उपायुक्तों और विभागीय अधिकारियों को सतर्क रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं, ताकि किसी भी तरह की जनहानि से बचा जा सके। डॉ. इरफान अंसारी ने जिलों में त्वरित प्रतिक्रिया दल (क्विक रिस्पॉन्स टीम) को सक्रिय रखने, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता बनाए रखने और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया है।

# पूर्व मंत्री योगेंद्र साव 3 साल के लिए कांग्रेस से निष्कासित

**रांची।** रांची में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी की अनुशासन समिति ने बड़ा कदम उठाया है। संगठनात्मक अनुशासन को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए पूर्व मंत्री योगेंद्र साव को पार्टी से 3 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। इस फैसले की जानकारी प्रदेश मीडिया विभागीय सतीश पॉल मुंजानी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी। समिति के मुताबिक, योगेंद्र साव लगातार सोशल मीडिया के जरिए गठबंधन सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे थे। हाल ही में उन्होंने फेसबुक लाइव के दौरान भी सरकार को लेकर कई बयान दिए, जिसे पार्टी ने गंभीरता से लिया। कांग्रेस ने साफ कहा कि इस तरह की सार्वजनिक बयानबाजी पार्टी की छवि के खिलाफ है। खासकर तब, जब राज्य की गठबंधन सरकार में कांग्रेस खुद शामिल है। ऐसे में पार्टी के खिलाफ या सरकार को घेरने वाले बयान संगठनात्मक मर्यादा के खिलाफ माने गए। अनुशासन समिति ने इसे पार्टी के नियमों का उल्लंघन माना। खास तौर पर अनुशासनात्मक नियमों की धारा 04 (क), (ख) और (ड़) के तहत यह कार्रवाई की गई।

## तमिलनाडु में चार-कोणीय चुनावी मुकाबला तय, विजय ने अकेले लड़ने का किया ऐलान

**एजेंसी, चेन्नई** । तमिलनाडु की राजनीति में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तस्वीर अब लगभग साफ हो गई है। राज्य में चार-कोणीय मुकाबला तय माना जा रहा है, जिससे चुनावी संघर्ष और भी दिलचस्प हो गया है। राज्य में 2019 से मजबूत स्थिति में रहे द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, वाम दल, विदुथलाई चिरुथैगल कच्ची, मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और मनिथनेया मक्कल कच्ची जैसे दल शामिल हैं। हाल ही में कमल हासन की मक्कल नीधि मय्यम और देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कड़गम भी इस गठबंधन में जुड़ गए हैं। दूसरी ओर, अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन किया है। इस गठबंधन में अनबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पट्टाली मक्कल कच्ची, टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम और जी.के. वासन की तमिल मनीला कांग्रेस भी शामिल हैं। इस बीच अभिनेता से नेता बने विजय की तमिलगा वेत्रि कझगम को लेकर कई अटकलें चल रही थीं। कांग्रेस के साथ उनके संभावित गठबंधन की चर्चाएं तेज थीं और यहां तक कहा गया कि राहुल गांधी से उनकी बातचीत भी हुई है।

# रांची यूनिवर्सिटी के लॉ कॉलेज में नामांकन पर हाई कोर्ट की रोक

एजेंसी, रांची

रांची विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित लॉ कॉलेज इंस्टिट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज में अगले सत्र से नामांकन पर झारखंड उच्च न्यायालय ने अगले आदेश तक रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति आनंदा सेन की अदालत ने पारित किया। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत के समक्ष यह तथ्य आया कि संस्थान में बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के नियमों के अनुरूप बुनियादी सुविधाओं की कमी है। इनमें लाइब्रेरी, योग्य प्रिंसिपल और कोर फैकल्टी का अभाव प्रमुख रूप से शामिल है। इस संबंध में अंबेश कुमार चौबे और अन्य की ओर से याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि संस्थान की लापरवाही के कारण 418 विद्यार्थियों का भविष्य संकट में पड़ गया है। बीसीआई ने अक्टूबर 2025 में संस्थान को ईमेल के माध्यम से निर्देश दिया था कि छह माह के भीतर सभी कमियों को दूर किया जाए, अन्यथा आगे की संबद्धता नहीं दी जाएगी। बावजूद इसके संस्थान ने आवश्यक सुधार नहीं किए। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अनूप कुमार अग्रवाल ने अदालत में पक्ष रखा। बताया गया कि यह संस्थान सरकार के निर्देश के तहत स्व-वित्त पोषित है।

## बिहार के आठ जिलों में आंधी-पानी की चेतावनी

**एजेंसी, पटना** : राजधानी पटना समेत बिहार के पूर्वोत्तर जिलों में अगले 24 घंटो के दौरान आंधी-पानी की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान प्रदेश के आठ शहरों मधुबनी, सुपौल, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, भागलपुर एवं बांका जिले के एक या दो स्थानों पर गरज-तड़क के साथ आंधी-पानी की चेतावनी जारी की गई है। साथ ही कुछ स्थानों पर ओला गिरने को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। अगले 48 घंटे के दौरान तापमान में दो से चार डिग्री गिरावट के आसार हैं। ज्यादातर भागों में हवा की गति 30-40 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है।

# मुख्यमंत्री नीतीश की 5वें चरण की समृद्धि यात्रा 23 मार्च से, 08 जिलों का करेंगे दौरा

एजेंसी, पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चार चरणों में चली समृद्धि यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गई है। इस बीच राज्य सरकार ने उनके पांचवें और अंतिम चरण की यात्रा का शेड्यूल भी जारी कर दिया है। बिहार सरकार के मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से जारी कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री 23 मार्च से 26 मार्च तक चार दिनों में आठ जिलों का दौरा करेंगे और विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा करेंगे। यात्रा की शुरुआत 23 मार्च से होगी, जब मुख्यमंत्री जहानाबाद और अरवल जिले का दौरा करेंगे। यहां वे विकास कार्यों की समीक्षा के साथ कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। इसके बाद 24 मार्च को वे कैमूर और रोहतास जाएंगे। वहीं 25 मार्च को मुख्यमंत्री बक्सर और भोजपुर में समृद्धि यात्रा के तहत कार्यक्रमों में भाग लेंगे। यात्रा का अंतिम दिन 26 मार्च को होगा, जब मुख्यमंत्री अपने गृह जिला नालंदा का दौरा करेंगे। इसके बाद पटना में उनकी समृद्धि यात्रा का समापन हो जाएगा। इस दौरान मुख्यमंत्री विभिन्न विकास परियोजनाओं का जायजा लेंगे और नई योजनाओं का शुभारंभ और शिलान्यास करेंगे।

# राष्ट्रपति मुर्मु ने प्रेमानंद महाराज से की भेंट, लिया आशीर्वाद

**मथुरा।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है, जब उसके नागरिक स्वस्थ हों। आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्च स्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रपति मुर्मु शुक्रवार को वृंदावन स्थित रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम अस्पताल में नवनिर्मित 'नंद किशोर सोमानी ऑन्कोलॉजी ब्लॉक' (कैंसर चिकित्सा केंद्र) के उद्घाटन के बाद लोगों को संबोधित कर रही थीं। इससे पहले सेवाश्रम अस्पताल में पहुंचने पर राष्ट्रपति मुर्मु का उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम के सचिव सुप्रकाश आनंद एवं सह सचिव कालीकृष्णानंद ने उन्हें बुके देकर स्वागत किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि एक सशक्त और 'आत्मनिर्भर' भारत तभी संभव है, जब उसके नागरिक स्वस्थ हों। आज कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। इस बीमारी का समय पर पता चलना और उच्च स्तरीय उपचार मरीज की जान बचाने में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ परिवारों के लिए आर्थिक परिस्थितियों के कारण इस बीमारी का इलाज मुश्किल या लगभग असंभव सा लगता है। ऐसे समय में जनसेवा की भावना से काम करने वाले संगठन समाज कल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जागरूकता अभियानों और समय पर जांच की सुविधाएं उपलब्ध कराकर कैंसर की रोकथाम और उसके प्रभावी इलाज पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। आज, भारत अपने स्वास्थ्य सेवा ढांचे को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार यह प्रयास कर रहा है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल हर नागरिक तक पहुंचे। मुर्मू ने कहा कि आयुष्मान भारत जैसी ऐतिहासिक योजनाओं के माध्यम से लाखों नागरिकों को किफायती और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। कैंसर का इलाज भी आयुष्मान भारत योजना के दायरे में आता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में नये एम्स और मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हो रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत, स्वास्थ्य सेवाओं को प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि हो रही है। टेलीमेडिसिन और ई-स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से, लोग अब अपने घर बैठे ही विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श कर सकते हैं। मुर्मू ने कहा कि सेवा भावना से प्रेरित चिकित्सा संस्थान समाज में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे न केवल बीमारियों का इलाज करते हैं, बल्कि मरीजों और उनके परिवारों के जीवन में आशा, आत्मविश्वास और सम्मान भी जगाते हैं। उन्होंने कहा कि रामकृष्ण मिशन ने यह साबित कर दिया है कि आधुनिक विज्ञान और मानवीय करुणा का मेल मानवता के कल्याण के लिए असाधारण कार्य कर सकता है।

**सशक्त और आत्मनिर्भर भारत तभी संभव है, जब उसके नागरिक स्वस्थ हों: राष्ट्रपति**

## धामी मंत्रिमंडल का विस्तार, पांच विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

**एजेंसी, देहरादून** । उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व वाले मंत्रिमंडल का शुक्रवार को विस्तार किया गया। इस दौरान पांच विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। लोकभवन में प्रातः लगभग 10:30 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से. नि.) ने नवनियुक्त मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वालों में राजपुर (देहरादून) से खजान दास, रुद्रप्रयाग से भरत सिंह चौधरी, हरिद्वार से मदन कौशिक, रुड़की से प्रदीप बत्रा और भीमताल (नैनीताल) से राम सिंह कैड़ा शामिल हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में वरिष्ठता एवं क्षेत्रीय संतुलन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न जिलों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर सभी नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि वे जनहित एवं विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य करें। समारोह में मंत्री, विधायक, मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

# असम चुनावः सीट बंटवारे पर कांग्रेस के जवाब का इंतजार कर रहा झामुमो, 31 सीटों पर प्रत्याशी देने की तैयारी

**रांची, एजेंसी।** झारखंड की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने असम विधानसभा चुनाव को लेकर फिलहाल वेट एंड वाच की स्थिति में है। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि वह सीट बंटवारे के मुद्दे पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से अंतिम जवाब का इंतजार कर रही है, जिसके बाद ही उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी।

कांग्रेस के साथ बातचीत सकारात्मक दिशा में है, लेकिन अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। हाल ही में असम कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गौरव गोगोई और प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह पार्टी झामुमो अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले थे, जिसमें संभावित सीटों और रणनीति पर चर्चा हुई।

जानकारी के अनुसार पार्टी ने जानबूझकर उम्मीदवारों की सूची जारी नहीं की है। झामुमो का मानना है कि गठबंधन की राजनीति में समन्वय बेहद अहम होता है और बिना सहमति के उम्मीदवारों की घोषणा करना राजनीतिक तौर पर उचित नहीं होगा।

झामुमो का असम चुनाव में सक्रिय होना महज

औपचारिकता नहीं, बल्कि पूर्वोत्तर में अपनी राजनीतिक उपस्थिति दर्ज कराने की एक दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है। झारखंड के बाहर अपनी पहचान बनाने की कोशिश में पार्टी आदिवासी और श्रमिक वर्ग के मुद्दों को केंद्र में रखकर चुनावी मैदान में उतरना चाहती है।

असम के कई इलाकों में झारखंड से गए श्रमिकों और आदिवासी समुदायों की उपस्थिति को देखते हुए पार्टी को संभावनाएं नजर आ रही हैं। यही वजह है कि झामुमो कांग्रेस के साथ तालमेल बनाकर चुनाव लड़ने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

हालांकि, सीट बंटवारे को लेकर दोनों दलों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है। झामुमो की तैयारी 31 सीटों पर है। कांग्रेस जहां राज्य में अपनी पारंपरिक उपस्थिति के आधार पर अधिक सीटों की दावेदारी कर सकती है, वहीं झामुमो सीमित सीटों पर ही सही, लेकिन प्रभावी लड़ाई चाहती है।

अगर समय रहते सहमति नहीं बनी तो इसका असर दोनों दलों की चुनावी तैयारी पर पड़ सकता है। ऐसे में बातचीत का जल्द निष्कर्ष निकलना जरूरी है।

असम विधानसभा चुनाव झामुमो के लिए केवल विस्तार का अवसर नहीं, बल्कि गठबंधन राजनीति में उसकी भूमिका की भी परीक्षा साबित हो सकता है। झारखंड में कांग्रेस के साथ सरकार चला रहा झामुमो यह संदेश देना चाहता है कि वह अन्य राज्यों में भी सहयोगी दल के रूप में भरोसेमंद साझेदार बन सकती है। अब नजरें कांग्रेस के अंतिम रुख पर टिकी हैं।

जैसे ही सीट बंटवारे पर सहमति बनती है, झामुमो अपनी चुनावी रणनीति को सार्वजनिक कर सकती है। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि पार्टी असम की राजनीति में कितनी गंभीरता से अपनी दावेदारी पेश करने जा रही है।

# गिरिडीह की मेयर पहुंची निगम ऑफिस, कर्मियों से किया सीधा संवाद

**गिरिडीह, एजेंसी।** गिरिडीह की नव निर्वाचित महापौर प्रमिला मेहरा ने पहली बार नगर निगम कार्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने निगम के अधिकारियों, कर्मचारियों और विशेष रूप से सफाई कर्मियों से मुलाकात कर शहर की सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। महापौर ने कर्मियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याएं सुनीं और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। उन्होंने साफ-सफाई को लेकर जमीनी स्थिति समझने के लिए कर्मचारियों से सीधे संवाद किया।

**समस्याओं के समाधान का दिया भरोसा:** बैठक के दौरान सफाई कर्मियों ने अपनी लंबित समस्याओं को महापौर के सामने रखा। इस पर महापौर प्रमिला मेहरा ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि निगम कर्मियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा, ताकि वे बेहतर तरीके से अपनी जिम्मेदारियां निभा सकें। अधिकारियों को भी निर्देश दिया गया कि वे नियमित रूप से व्यवस्था की मॉनिटरिंग करें।

महापौर ने आगामी ईद, चैती छठ और रामनवमी को देखते हुए नगर निगम क्षेत्र के सभी 36 वार्डों में विशेष सफाई अभियान चलाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पर्व-त्योहारों के दौरान शहर में स्वच्छता बनाए रखना बेहद जरूरी है, ताकि लोगों को साफ और सुरक्षित वातावरण मिल सके। इसके लिए सभी कर्मियों को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है।

**लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी:** महापौर ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी कर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। इस मौके पर उप नगर आयुक्त प्रशांत कुमार लायक, अर्बन प्लानर मंजूर आलम, सिटी मैनेजर अभिषेक कुमार समेत कई अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### हिंदू देवी देवता और पर्व त्योहार का अपमान कर रहे सीएम, आदित्य साहू का आरोप- राहुल गांधी की राह पर चल रहे हेमंत

**रांची, एजेंसी।** भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा विधानसभा में हिंदू देवी देवताओं, पर्व त्योहारों पर की गई टिप्पणी आपत्तिजनक है। गुरुवार को प्रेस वक्तव्य जारी कर आदित्य साहू ने कहा कि हजारों वर्षों से सनातन संस्कृति विरोधियों ने हमले किए लेकिन उसे मिटाने में सफल नहीं हो सके।

उन्होंने कहा भारत साधु संतों, मठ मंदिरों,यज्ञ हवन पूजा विधानों का देश है जिसपर गुलामी के दौर में भी राष्ट्रविरोधी ताकतों ने हमले किए और आजादी के बाद अब कांग्रेस पार्टी और उसके सहयोगी दलों ने इसकी जिम्मेवारी ले ली है। झारखंड भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल से भी सरकार पर हमला किया है।

कांग्रेस पार्टी ने राम के अस्तित्व को नकार दिया, भगवा आतंक का नारा गढ़ा, त्रिशूल को आतंकवाद से जोड़ा। तुष्टिकरण की चाहत में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी अब राहुल गांधी के नक्शे कदम पर चल रहे।

साहू ने कहा कि बुधवार को विधानसभा में बजट सत्र के अंतिम दिन हेमंत सोरेन ने जिस प्रकार हिन्दू देवी देवताओं का मजाक बनाया, पूजा पद्धति का उपहास उड़ाया वह अत्यंत निंदनीय है, दुर्भाग्यपूर्ण है। किसी भी धर्म, सम्प्रदाय का उपहास उड़ाना सत्ता को शोभा नहीं देता।

साहू कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी समय-समय पर सपरिवार पूजा पाठ करते हैं। लेकिन वोट बैंक और तुष्टीकरण की मानसिकता, सत्ता की लालच ने उन्हें दोहरा चरित्र का नेता बना दिया। उनकी भाषा बदल दी।

उन्होंने कहा कि हिम्मत है तो मुख्यमंत्री अन्य धर्मों की मान्यताओं, उनके पूजा पद्धतियों को अपमानित करके देख लें। कभी मूर्ति का आकार छोटा करने, कभी रामनवमी का झंडा छोटा करने, कभी डीजे नहीं बजाने का आदेश निर्गत कर हेमंत सरकार ने पहले ही अपनी हिंदू विरोधी मानसिकता को उजागर कर दिया है।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी सहित प्रदेश के अन्य भाजपा नेता भी बजट सत्र के अंतिम दिन विधानसभा में हेमंत के वक्तव्य को मुद्दा बना कर झामुमो व प्रदेश सरकार पर आक्रामक दिख रहे हैं। वहीं जेएएम समर्थक इसे निर्रथ मुद्दा बता रहे हैं। उनका कहना है, हेमंत राज्य के विकास में निरंतर कार्यरत है।

### रांची-लोहरदगा रूट की तमाम ट्रेनें मार्च के अंत तक पटरी पर लौटेंगी, कोयल पर ब्रिज की मरम्मत अंतिम चरण में

**रांची, एजेंसी।** रांची और लोहरदगा के बीच ट्रेन से सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। ढाई महीने से प्रभावित रांची-लोहरदगा रेलखंड पर मार्च माह के अंत तक ट्रेनों का परिचालन फिर से सामान्य होने की उम्मीद है। भारतीय रेल ने कोयल नदी पर बने रेलवे पुल की मरम्मत का काम तेज कर दिया है और इसे अंतिम चरण में बताया जा रहा है। पुल के पिलरों में दरार आने के कारण रेलवे ने सुरक्षा के मद्देनजर इस रूट पर ट्रेनों का परिचालन लोहरदगा और टोरी तक रोक दिया था। इसके बाद कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जा रहा है, जिससे यात्रियों को अतिरिक्त दूरी और समय का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार लोहरदगा और ईरगांव रेलवे स्टेशन के बीच स्थित कोयल नदी रेलवे पुल के पिलरों में दरार पाई गई थी। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने तत्काल इस मार्ग पर ट्रेनों का परिचालन रोक दिया।

मरम्मत कार्य के दौरान पुल के पिलर संख्या चार और छह के बीच पहले जहां 12 मीटर का गार्डर था, वहां अब 24 मीटर का स्टील गार्डर लगाया गया है।

साथ ही पिलर संख्या पांच को हटा दिया गया है, ताकि पुल पर पड़ने वाले भार को बेहतर तरीके से संभाला जा सके। रेलवे के अनुसार स्टील गार्डर हल्का होने के कारण संरचना पर अतिरिक्त दबाव नहीं पड़ेगा। बाद में पिलर को स्थायी रूप से तैयार कर लिया जाएगा। इनमें मुख्य रूप से नई दिल्ली-रांची राजधानी एक्सप्रेस, रांची-नई दिल्ली राजधानी, चोपन-रांची एक्सप्रेस, सासाराम-रांची एक्सप्रेस तथा अजमेर-सांतरागाछी एक्सप्रेस शामिल हैं। इन ट्रेनों को निर्धारित मार्ग के स्थान पर बरकाकाना और अन्य स्टेशनों से होकर चलाया जा रहा है।

# झारखंड होमगार्ड को मिलेगा 70 करोड़ का बूस्ट, हजारीबाग में बनेगा 450 बेड का महिला बैरक और परेड ग्राउंड

**रांची, एजेंसी।** राज्य सरकार गृह रक्षा वाहिनी के सुदृढ़ीकरण को लेकर आने वाले समय में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू करने जा रही है। जर्जर भवनों, अधिकारियों व गृह रक्षकों के रहने आदि की व्यवस्था के लिए सरकार की कई योजनाएं प्रस्तावित है।

करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से राज्य सरकार गृह रक्षा वाहिनी का सुदृढ़ीकरण करने जा रही है। हजारीबाग में गृह रक्षकों के प्रशिक्षण केंद्र में 450 बेड का महिला बैरक बनेगा और वहां परेड ग्राउंड का भी निर्माण होगा। तैयारियां पूरी है। योजनाएं धरातल पर उतारने की तैयारी है।

मिली जानकारी के अनुसार पांच जिले साहिबगंज, लोहरदगा, रामगढ़, जमशेदपुर व पाकुड़ जिले में जिला समादेष्टा आवास एवं यूएस क्वार्टर का निर्माण होना है। इसके अलावा जमशेदपुर, लोहरदगा में प्रशासनिक भवन बनाया जाना है।

इसके अलावा विभिन्न गृह रक्षा वाहिनी कार्यालय में

आवासीय, गैर आवासीय भवनों, बैरक, मैगजीन भवन, गेस्ट हाउस आदि की मरम्मति का कार्य होगा।

राज्य में गृह रक्षक वर्तमान में बुनियादी सुविधाओं की समस्या झेल रहे हैं। खासकर महिला गृह रक्षकों के आवासन व अन्य सुविधाओं का अभाव है, जिसे देखते हुए ही यह व्यवस्था की जा रही है। अब गृह रक्षकों पर सरकार का पूरा ध्यान भी है। उन्हें काम भी दिया जा रहा है। राज्य सरकार के संस्थाओं में निजी सुरक्षा एजेंसी के स्थान पर गृह रक्षकों की तैनाती कर उन्हें काम दिया जा रहा है, ताकि उन्हें काम मिलेगा तो उस अनुरूप उन्हें मानदेय भी मिलेगा।

इतना ही नहीं, राज्य में यातायात व्यवस्था संभालने के लिए सिपाहियों की कमी के चलते यातायात सिपाही के स्थान पर गृह रक्षकों को तैनात किया गया है।

राज्य में होने वाले सभी पर्व, त्योहार, चुनाव आदि में भ गृह रक्षकों की तैनाती की जा रही है। हाल में राज्य में नगर निकाय चुनाव व होली आदि के दौरान राज्य में गृह रक्षकों को तैनात किया गया था। अब राज्य सरकार भी चाहती है कि राज्य में विधि व्यवस्था ड्यूटी में केंद्रीय बलों की आवश्यकता न पड़े।

इसके पीछे उद्देश्य यही है कि केंद्रीय बल पर जो खर्च आएगा, उससे कम खर्च में गृह रक्षकों से काम हो सकेगा। इससे यह होगा कि राज्य की विधि व्यवस्था को भी संभाला जा सकेगा और गृह रक्षकों को काम मिलेगा तो उसके बदले उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। यही वजह है कि उनकी बुनियादी सुविधाओं के प्रति सरकार ने पूर्व की तुलना में अधिक ध्यान देना शुरू कर दिया है।

## धनबाद में दो दुकानें जलकर राखःलाखों का नुकसान

**धनबाद, एजेंसी।** धनबाद जिले के तेतुलमारी थाना क्षेत्र के सुभाष चौक के पास देर रात आग लगने से दो दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गईं। यह घटना रात करीब 2 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग सबसे पहले एक चाय और सब्जी की दुकान में लगी। देखते ही देखते आग तेजी से फैल गई और पास की पंचर दुकान को भी अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और धुआं देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया।

**जनप्रतिनिधियों की मदद से पानी के टैंकर बुलाए गए :** घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। जनप्रतिनिधियों की मदद से पानी के टैंकर बुलाए गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक दोनों दुकानों का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। इस घटना में लगभग 3 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है। राहत की बात यह रही कि इसमें कोई जनहानि नहीं हुई।

फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चला है, लेकिन प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। पीड़ित दुकानदारों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

# पाकुड़ के मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र में तीसरी बार चोरी

### ताला तोड़कर हजारों के बर्तन चुराए, केंद्र में रोज 300 लोगों का बनता है खाना

**पाकुड़, एजेंसी।** पाकुड़ नगर थाना क्षेत्र के मालपहाड़ी रोड स्थित मुख्यमंत्री दाल भात योजना केंद्र में तीसरी बार चोरी की घटना सामने आई है। शुक्रवार सुबह अज्ञात चोरों ने केंद्र का ताला तोड़कर लगभग 20 से 30 हजार रुपए मूल्य के बर्तन चुरा लिए। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

केंद्र की संचालिका टुकु सरकार को शुक्रवार सुबह केंद्र खोलने पर चोरी का पता चला। चोरों ने मुख्य दरवाजे के ताले तोड़कर अंदर रखे खाना बनाने के डेग, खाने की थालियां, कल्छुल, कड़ाही, चम्मच और ग्लास सहित अन्य बर्तन चुरा लिए। चोरी की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। यह केंद्र राज्य सरकार द्वारा गरीबों को मात्र 5 रुपए में भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित किया जाता है। स्थानीय लोगों ने गरीबों के लिए संचालित होने वाले इस केंद्र में बार-बार हो रही चोरी की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

**पहले भी दो बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं:** संचालिका टुकु सरकार ने बताया कि यह तीसरी बार है, जब केंद्र में चोरी हुई है। इससे पहले भी दो बार ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। इस बार लगभग 20 से 30 हजार रुपए मूल्य के बर्तन चोरी हुए हैं।

टुकु सरकार के अनुसार, केंद्र में प्रतिदिन लगभग 300 लोगों को भोजन कराया जाता है। चोरी की घटना के बाद केंद्र का संचालन जारी रखना काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है। संचालिका ने यह भी बताया कि जिस भवन में केंद्र संचालित है, वह काफी जर्जर अवस्था में है। इस संबंध में प्रशासन को कई बार लिखित जानकारी दी गई है, लेकिन भवन की मरम्मत अभी तक नहीं हो पाई है। इस केंद्र की निगरानी आपूर्ति विभाग द्वारा की जाती है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, स्थानीय लोगों ने नगर थाना क्षेत्र में लगातार हो रही छोटी-मोटी चोरी की घटनाओं पर अपनी चिंता व्यक्त की है।

# 25 को चलेगी रांची-आनंद विहार टर्मिनल अतिरिक्त स्पेशल ट्रेन, गोरखपुर स्पेशल सहित कई ट्रेनें रद

**रांची, एजेंसी।** ट्रेनों में अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए 02887/02888 रांची - आनंद विहार टर्मिनल - रांची अतिरिक्त होली स्पेशल का परिचालन होगा। 02887 रांची - आनंद विहार टर्मिनल अतिरिक्त होली स्पेशल 25 मार्च को रांची से प्रस्थान करेगी।

ट्रेन का रांची प्रस्थान 16:25 बजे, मेसरा आगमन 16:48 बजे प्रस्थान 16:50 बजे, बरकाकाना आगमन 17:42 बजे प्रस्थान 17:45 बजे, टोरी आगमन 19:43 बजे प्रस्थान 19:45 बजे, गढ़वा रोड आगमन 22:45 बजे प्रस्थान 22:50 बजे, चुनार आगमन 03:30 बजे प्रस्थान 03:35 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) आगमन 08:40 बजे प्रस्थान 08:45 बजे एवं आनंद विहार टर्मिनल आगमन 18:00 बजे होगा।

ट्रेन का आनंद विहार टर्मिनल प्रस्थान 19:30 बजे, गोविंदपुरी (कानपुर) आगमन 02:30 बजे प्रस्थान 02:35 बजे, चुनार आगमन 07:50 बजे प्रस्थान 07:55 बजे, गढ़वा रोड आगमन 14:00 बजे प्रस्थान 14:05 बजे, टोरी आगमन 15:58 बजे प्रस्थान 16:00 बजे, बरकाकाना आगमन 17:30 बजे प्रस्थान 17:33 बजे, मेसरा आगमन 18:28 बजे प्रस्थान 18:30 बजे एवं रांची आगमन 19:10 बजे होगा।

इस ट्रेन में एसएलआरडी के 02 कोच, सामान्य श्रेणी के 02 कोच, द्वितीय श्रेणी स्लीपर के 16 कोच, वातानुकूलित 3-टियर का 01 कोच एवं वातानुकूलित 2-टियर का 01 कोच, कुल 22 कोच होंगे।

तकनीकी बाधाओं के कारण रांची रेल मंडल से परिचालित कुछ स्पेशल ट्रेनें रद रहेंगी। 08105 रांची - झंझारपुर होली स्पेशल 23 मार्च एवं 30 मार्च को, 08106 झंझारपुर - रांची होली स्पेशल 24 मार्च एवं 31 मार्च को, 08629 रांची - गोरखपुर होली स्पेशल 23 मार्च एवं 30 मार्च को और 08630 गोरखपुर - रांची होली स्पेशल 25 मार्च एवं एक अप्रैल को रद रहेगी।

## झारखंड पात्रता परीक्षा अब 26 अप्रैल को, सहायक प्राध्यापक नियुक्ति का मार्ग प्रशस्त

**रांची, एजेंसी।** राज्य के विश्वविद्यालयों व कालेजों में सहायक प्राध्यापक की नियुक्ति के लिए अर्हता तय करने को लेकर आयोजित होनेवाली झारखंड पात्रता परीक्षा (जेट) अब 26 अप्रैल को होगी।

झारखंड लोक सेवा आयोग ने पूर्व में इस परीक्षा की संभावित तिथि 29 मार्च घोषित की थी, लेकिन यह परीक्षा इस तिथि को नहीं हो सकेगी। आयोग ने संबंधित जिलों के उपायुक्तों को इसकी जानकारी देते हुए नए सिरे से केंद्रों की सूची मांगी है।

आयोग के उपसचिव ने उपायुक्तों को अपरिहार्य कारणों से 29 मार्च की होनेवाली परीक्षा स्थगित किए जाने तथा अब यह परीक्षा 26 अप्रैल को आयोजित किए जाने की जानकारी देते हुए पत्र भेजा है। हालांकि आयोग की ओर से इसकी जानकारी अभी तक अपनी वेबसाइट के माध्यम से अभ्यर्थियों को नहीं दी गई है। बताते चलें कि इसी परीक्षा के माध्यम से इस बार पीएचडी में भी नामांकन होना है। यह परीक्षा विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक बनने के साथ–साथ पीएचडी में नामांकन के लिए भी महत्वपूर्ण है।

# सरहुल 2026: 'केकड़ा पकड़ाई' और 'जल रखाई' के साथ प्रकृति पर्व का आगाज, भक्ति के रंग में डूबी रांची

**रांची, एजेंसी।** झारखंड के सबसे बड़े प्रकृति पर्व 'सरहुल' की शुरुआत आज यानी शुक्रवार से हो रही है। राजधानी रांची सहित पूरे प्रदेश में उत्सव का माहौल है। चैत्र शुक्ल पक्ष की द्वितीया को होने वाली परंपराओं के साथ आज शाम सरना स्थलों पर विशेष अनुष्ठान किए जाएंगे।

सिरमटोली सरना स्थलः यहां विशेष तैयारी की गई है। पूरे परिसर की सफाई कर उसे पारंपरिक पेंटिंग और लोक नृत्यों की कलाकृतियों से सजाया गया है। प्रमुख मार्गः हातमा कचहरी रोड से लेकर सुजाता चौक और सिरमटोली तक का मार्ग दूधिया रोशनी में नहाया हुआ है।

स्वागत मंचः अल्बर्ट एक्का चौक पर

विभिन्न 'खोड़हा दलों' के स्वागत के लिए भव्य स्टेज बनाए गए हैं, जहाँ पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धालुओं का अभिनंदन किया जाएगा। सरहुल का मुख्य आकर्षण शनिवार को निकलने वाली भव्य शोभायात्रा होगी। राजधानी के 298 विभिन्न सरना स्थलों से श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में नाचते-गाते मुख्य शोभायात्रा में शामिल होंगे। खोड़हा दलों की थाप और मांदर की गूंज से पूरा शहर गुंजायमान रहेगा।

राजधानी रांची में 20 से 22 मार्च तक प्रकृति 2026 अखिल भारतीय बसंत कला शिविर का आयोजन किया जाएगा। वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड की ओर से आयोजित यह तीन दिवसीय कार्यक्रम जैप परिसर स्थित शौर्य सभागार में होगा। इसमें देशभर के कलाकार शामिल होकर अपनी कला के माध्यम से प्रकृति संरक्षण का संदेश देंगे। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम बैक टू नेचर : प्रकृति की ओर लौटें, रखी गई है। इसका उद्देश्य लोगों को प्रकृति के महत्व से जोड़ना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कलाकार जंगल, जल, जैव विविधता जैसे विषयों को अपनी कृतियों में उकेरेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण लाइव पेंटिंग होगा, जिसमें विभिन्न राज्यों से आए कलाकार मौके पर ही चित्र बनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। यह पहल कला के माध्यम से लोगों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में अहम मानी जा रही है। यह शिविर वर्ल्ड स्पैरो डे, इंटरनेशनल डे आफ फारेस्ट्स और वर्ल्ड वाटर डे के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है, जिससे इसका महत्व और बढ़ गया है। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों के साथ संयुक्त वन प्रबंधन समिति के सदस्यों को भी सम्मानित किया जाएगा, जो जमीनी स्तर पर पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रहे हैं।

# दुर्गम पोखरिया पहाड़ पर पहुँचा प्रशासनः उपायुक्त हेमंत सती ने सुनी 36 परिवारों की पीड़ा, अप्रैल तक हर घर बिजली-पानी का लक्ष्य

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/बोरियो।** ज़िले के सबसे सुदूरवर्ती और दुर्गम क्षेत्रों में शुमार पोखरिया पहाड़ की तस्वीर अब बदलने वाली है। शुक्रवार को उपायुक्त हेमंत सती के नेतृत्व में जिला प्रशासन की पूरी टीम पहाड़ों की ऊंचाइयों को पार कर ग्रामीणों के द्वार पहुँची। यहाँ आयोजित विशेष जनता दरबार में उपायुक्त ने न केवल 36 परिवारों की समस्याओं को सुना, बल्कि सड़क, बिजली, पानी और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए समय-सीमा (Deadlines) भी निर्धारित कर दी। जनता दरबार की शुरुआत एक अनूठी पहल से हुई।

उपायुक्त हेमंत सती स्वयं पोखरिया पहाड़ पर निवास कर रहे सभी 36 परिवारों के घरों तक पहुँचे। उन्होंने ग्रामीणों के साथ बैठकर उनकी दैनिक चुनौतियों को समझा और सरकारी योजनाओं की जमीनी हकीकत जानी। ग्रामीणों ने सड़क की जर्जर स्थिति, पीने के पानी की किल्लत और अंधेरे में कटती रातों का दर्द साझा किया।

**बुनियादी ढांचे पर बड़ा फैसलाः सड़क और पानी की राह हुई आसान**

1. **सड़क निर्माणः** गांव तक पहुँचने वाले 8 किलोमीटर लंबे जर्जर रास्ते को दुरुस्त करने के लिए उपायुक्त ने तत्काल प्राक्कलन (Estimate) तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में इसकी स्वीकृति मिल जाएगी।

2. **पेयजल संकट का समाधानः** पोखरिया के पास स्थित प्राकृतिक झरने को जल स्रोत के रूप में इस्तेमाल कर जल टंकी बनाई जाएगी। उपायुक्त ने अप्रैल माह तक हर घर में नल से शुद्ध जल पहुँचाने का लक्ष्य तय किया है।

**बिजली और शिक्षाः अप्रैल के अंत तक रोशन होगा हर घर**

**बिजलीः** 'मूजी (Muji) योजना' के तहत गांव के सभी 36 घरों को विद्युत कनेक्शन दिया जाएगा। उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अप्रैल के अंत तक कोई भी घर अंधेरे में न रहे।

**शिक्षा का कायाकल्पः** उत्क्रमित मध्य विद्यालय पोखरिया के जर्जर भवन को देखकर उपायुक्त ने गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने पुरानी इमारत को ध्वस्त कर वहां आधुनिक स्कूल भवन, शौचालय और किचन शेड के निर्माण का आदेश दिया।

**युवाओं और महिलाओं के भविष्य को संवारने के लिए उपायुक्त ने ठोस योजना पेश कीः**

**युवाओं के लिए रोजगारः** JSLPS और कौशल विकास विभाग के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित कर सीधे जॉब प्लेसमेंट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए मौके पर ही बायोडाटा और आधार कार्ड एकत्र किए गए।

महिलाओं के लिए स्वरोजगारः लघु कुटीर उद्योग विभाग की टीम महिलाओं को बांस शिल्प एवं हस्तशिल्प का प्रशिक्षण देगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

जनता दरबार में केवल आश्वासन नहीं मिला, बल्कि काम भी हुए। विभिन्न विभागों ने स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को सेवा प्रदान कीः

आयुष्मान कार्ड, पीवीटीजी (PVTG) पेंशन और मनरेगा जॉब कार्ड का वितरण।

बिरसा हरित ग्राम योजना, राजस्व और कृषि विभाग द्वारा योजनाओं की जानकारी।

जन्म प्रमाण पत्र हेतु ऑन-द-स्पॉट आवेदन।

कार्यक्रम के अंत में उपायुक्त ने भावुक अपील करते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य केवल योजनाएं बनाना नहीं, बल्कि दुर्गम क्षेत्रों में बैठे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचकर उसकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। जिला प्रशासन पोखरिया पहाड़ के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।" इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी (SDM) अमर जॉन आईन्द, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता, बोरियो बीओ सहित जिला प्रशासन के तमाम वरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

# राजमहल में 'खाकी' का पहराः ईद और रामनवमी को लेकर SDO-SDPO के नेतृत्व में फ्लैग मार्च, उपद्रवियों को सख्त चेतावनी

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/राजमहल।** आगामी ईद-उल-फितर और रामनवमी के पावन त्यौहारों को देखते हुए राजमहल अनुमंडल प्रशासन पूरी तरह 'अलर्ट मोड' पर है। क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार को SDO सदानंद महतो और SDPO विमलेश कुमार त्रिपाठी के संयुक्त नेतृत्व में पुलिस बल ने शहरी और ग्रामीण इलाकों में भव्य फ्लैग मार्च निकाला। प्रशासन का यह फ्लैग मार्च राजमहल अनुमंडल के विभिन्न संवेदनशील और प्रमुख क्षेत्रों से होकर गुजरा। शहरी क्षेत्र में पुलिस की टीम नया बाजार मोड़, शरण पार्क, गांधी चौक, स्वामी विवेकानंद चौक, तीनपहाड़ मोड़ और फुलवरिया चौक तक पहुंची। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में भी सुरक्षा का अहसास कराने के लिए पुलिस ने लखीपुर, मनसिंहा, जामनगर और मंगलहाट जैसे इलाकों

में मार्च किया। भारी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी ने आम जनता को सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

मीडिया से बातचीत के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी (SDO) सदानंद महतो ने स्पष्ट किया कि इस फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों के मन से भय को दूर करना है। उन्होंने कहाः "हम चाहते हैं कि सभी नागरिक बिना किसी डर के, भयमुक्त वातावरण में अपने त्यौहार मनाएं। लेकिन, उत्सव के दौरान यदि कोई असामाजिक तत्व खलल डालने या शांति भंग करने की कोशिश करेगा, तो प्रशासन उसके खिलाफ अत्यंत सख्त कार्रवाई करेगा। हमारी पैनी नजर हर गतिविधि पर है।" वहीं, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) विमलेश कुमार त्रिपाठी ने पुलिस की तैयारियों पर संतोष व्यक्त करते हुए क्षेत्रवासियों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस बल हर स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह मुस्तैद है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे आपसी भाईचारे के साथ त्यौहार मनाएं और सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से फैलने वाली किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। किसी भी संदिग्ध सूचना की जानकारी तुरंत पुलिस को देने की बात उन्होंने कही। इस फ्लैग मार्च में राजमहल प्रभाग के पुलिस इंस्पेक्टर राजीव रंजन, प्रभारी थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और भारी संख्या में पुलिस बल के जवान शामिल थे। जवानों की अनुशासित कदमताल ने यह संदेश दे दिया है कि राजमहल में कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने की किसी को अनुमति नहीं दी जाएगी। राजमहल प्रशासन की इस सक्रियता से आम नागरिकों में विश्वास बढ़ा है। प्रशासन की ओर से शांति समितियों की बैठकों और सोशल मीडिया की निगरानी जैसे अन्य सुरक्षात्मक कदम भी उठाए जा रहे हैं ताकि त्यौहारों का आनंद भाईचारे के साथ लिया जा सके।

# आध्यात्मिक आभा से सराबोर हुआ कोटालपोखरः जीवनपुर दुर्गा मंदिर से निकली भव्य कलश यात्रा, जयकारों से गूँजा इलाका

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/कोटालपोखर।** वासंतिक (चैत्र) नवरात्रि के पावन अवसर पर साहिबगंज जिले के कोटालपोखर क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। नवरात्रि के प्रथम दिन जीवनपुर दुर्गा मंदिर से एक भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक रंग में सराबोर कर दिया। कलश यात्रा का शुभारंभ जीवनपुर दुर्गा मंदिर प्रांगण से हुआ। यहाँ पंडितों के सानिध्य में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की गई, जिसके पश्चात बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, विशेषकर कन्याओं और महिलाओं ने कलश में पवित्र जल भरा। गाजे-बाजे और 'जय माता दी' के गगनभेदी जयकारों के साथ यह यात्रा शांति मोड़, रेलवे फाटक, झरना मंडप, गांधी मोहल्ला और जीवनपुर के विभिन्न मार्गों से होकर

गुजरी। श्रद्धालुओं की लंबी कतार और सिर पर मंगल कलश धारण किए महिलाओं ने दृश्य को अत्यंत मनोरम बना दिया।

पूरे क्षेत्र का परिभ्रमण करने के उपरांत कलश यात्रा पुनः मंदिर प्रांगण पहुँची, जहाँ मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना की गई। मंदिर समिति के सदस्यों ने बताया कि हर वर्ष रामनवमी के अवसर पर इस भव्य आयोजन की परंपरा रही है। उन्होंने जानकारी दी किः

नवरात्रि के नौ दिनों तक माँ दुर्गा की विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठान किए जाएंगे।

दशमी के दिन भव्य रामनवमी जुलूस निकाला जाएगा, जिसकी तैयारियां अभी से शुरू कर दी गई हैं।

इस आयोजन ने कोटालपोखर में न केवल धार्मिक आस्था को प्रगाढ़ किया, बल्कि सामाजिक एकता की भी एक मिसाल पेश की। स्थानीय श्रद्धालुओं ने बताया कि यह यात्रा उनके लिए एक पवित्र अनुभव है, जो उन्हें अपनी जड़ों और सांस्कृतिक परंपराओं से जोड़ती है। आयोजन की सफलता में स्थानीय युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की सक्रिय भूमिका रही। आयोजन की सफलता पर मंदिर समिति के सदस्यों ने खुशी जाहिर करते हुए सभी श्रद्धालुओं और स्थानीय प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति का कहना है कि यह आयोजन उनकी उम्मीदों से कहीं अधिक सफल रहा और वे इस गौरवशाली परंपरा को भविष्य में और भी भव्य रूप देने के लिए संकल्पित हैं। कोटालपोखर की इस कलश यात्रा ने यह सिद्ध कर दिया कि धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने और नई ऊर्जा का संचार करने का सशक्त माध्यम हैं। अब पूरे नौ दिनों तक क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल बना रहेगा।

# राजमहल को 'नॉर्थ ईस्ट' से जोड़ने की उठी मांगः 15709 मालदा-NJP इंटरसिटी के विस्तार से पर्यटन और विकास को मिलेगी नई रफ़्तार

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/राजमहल।** ऐतिहासिक धरोहरों की नगरी राजमहल और तीनपहाड़ क्षेत्र के रेल यात्रियों के लिए उत्तर-पूर्व (North East) की यात्रा आज भी एक बड़ी चुनौती बनी हुई है। क्षेत्र की जनता और पर्यटन प्रेमियों ने अब रेल मंत्रालय से एक महत्वपूर्ण मांग की है ट्रेन संख्या 15709 मालदा-न्यू जलपाईगुड़ी (NJP) इंटरसिटी एक्सप्रेस का विस्तार राजमहल तक किया जाए। राजमहल अपनी प्राचीन ऐतिहासिक विरासतों और यहाँ से प्रवाहित होने वाली पवित्र उत्तर वाहिनी गंगा के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहाँ न केवल विभिन्न राज्यों, बल्कि विदेशी सैलानियों का भी साल भर आवागमन लगा रहता है। वहीं दूसरी ओर, न्यू जलपाईगुड़ी (NJP) दार्जिलिंग और गंगटोक जैसे वैश्विक पर्यटन स्थलों का मुख्य द्वार है। यदि इस ट्रेन का विस्तार राजमहल तक होता है, तो दो बड़े पर्यटन क्षेत्रों

के बीच सीधा संपर्क स्थापित होगा, जिससे रेलवे के राजस्व और स्थानीय अर्थव्यवस्था में भारी वृद्धि होगी। राजमहल क्षेत्र से मात्र 13 किलोमीटर दूर स्थित तीनपहाड़ जंक्शन की स्थिति वर्तमान में यह है कि मालदा से सुबह की एक इंटरसिटी निकलने के बाद अगले 10 घंटों तक कोई भी ट्रेन उपलब्ध नहीं है। शाम में एक मालदा लोकल और रात में फरक्का एक्सप्रेस ही एकमात्र सहारा बचती है। विशेष रूप से बाढ़ के समय जब सड़क मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं, तब इस ट्रेन की कमी लोगों को और भी ज्यादा खलती है। वर्तमान में ट्रेन संख्या 15709 मालदा से दोपहर 2:30 बजे खुलती है। यदि इसे राजमहल से चलाया जाए, तो यह तीनपहाड़, बड़हरवा और फरक्का होते हुए मालदा पहुँचेगी और वहां से अपने निर्धारित मार्ग समसी, भालूका, कुमेदपुर, बारसोई और किशनगंज होते हुए न्यू जलपाईगुड़ी तक जाएगी। इस विस्तार से साहिबगंज जिले के एक बड़े हिस्से को सीधे नॉर्थ ईस्ट से जुड़ने का मौका मिलेगा। न्यू जलपाईगुड़ी सामरिक दृष्टि से सेना के जवानों के आवागमन का भी बड़ा केंद्र है। राजमहल और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा सेना में कार्यरत हैं। इस ट्रेन के विस्तार से सैनिकों और उनके परिवारों को भी यात्रा में बड़ी राहत मिलेगी। राजमहल की जनता का कहना है कि अगर रेलवे इस ट्रेन का विस्तार न्यू जलपाईगुड़ी से राजमहल तक कर देता है, तो यह इस ऐतिहासिक क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। स्थानीय नागरिकों ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों और रेल प्रशासन से इस दिशा में अविलंब पहल करने का आग्रह किया है।

# श्री परशुराम अखाड़ा ने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों का किया अभिनंदन; उपहार में दी 'श्रीमद्भगवद्गीता'

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज।** झारखंड नगर निकाय चुनाव के परिणाम आने के बाद नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को सम्मानित करने का सिलसिला जारी है। इसी कड़ी में, साहिबगंज जिला से पाकुड़ प्रवास पर आए श्री परशुराम अखाड़ा के युवा संयोजक अंकित पाण्डेय के नेतृत्व में एक भव्य सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पाकुड़ शहर के मालपहाड़ी रोड स्थित ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष व पूर्व दारोगा भगीरथ तिवारी के कार्यालय में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अखाड़ा के युवा संयोजक अंकित पाण्डेय द्वारा पाकुड़ ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष भगीरथ तिवारी को अंगवस्त्र और 'श्रीमद्भगवद्गीता' भेंट कर किया गया। इस दौरान समाज के वरिष्ठों का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त किया गया। सम्मान समारोह में पाकुड़ और साहिबगंज (बरहरवा) जिले के विभिन्न नगर निकायों से जीत दर्ज करने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया। सम्मानित होने

वाले प्रतिनिधियों में मुख्य रूप से शामिल थेः

पूनम देवीः वार्ड नंबर 7, पाकुड़ नगर परिषद।

अनिकेत गोस्वामीः वार्ड नंबर 8, पाकुड़ नगर परिषद।

अमित भारतीः वार्ड नंबर 3, बरहरवा नगर पंचायत।

इन सभी जनप्रतिनिधियों को अंगवस्त्र और पवित्र ग्रंथ श्रीमद्भगवद्गीता देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, पाकुड़ नगर परिषद के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष राणा ओझा की जीत पर भी हर्ष व्यक्त किया गया।

सम्मान के साथ-साथ श्री परशुराम अखाड़ा की ओर से आगामी 19 अप्रैल को साहिबगंज शहर में आयोजित होने वाले भव्य भगवान परशुराम जन्मोत्सव सह शोभायात्रा में शामिल होने के लिए सभी नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध जनों को विधिवत निमंत्रण दिया गया। इस अवसर पर समाज के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से ब्राह्मण महासभा के उपाध्यक्ष मनीष चौबे, गौरव उपाध्याय, परमानंद उपाध्याय सहित अन्य सदस्य एवं स्थानीय नागरिक शामिल थे। श्री परशुराम अखाड़ा द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह ने न केवल जनप्रतिनिधियों का उत्साहवर्धन किया, बल्कि समाज में एकता और धार्मिक मूल्यों के प्रति समर्पण का संदेश भी दिया। नवनिर्वाचित पार्षदों ने समाज सेवा के अपने संकल्प को और सुदृढ़ करने की बात कही।

# कांग्रेस का बूथ सशक्तिकरण अभियानः राजमहल ब्लॉक के 125 BLA-2 फॉर्म जमा, संगठन की मजबूती पर जिलाध्यक्ष के आवास पर हुई अहम बैठक

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/राजमहल।** आगामी चुनावी चुनौतियों को देखते हुए और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को जमीनी स्तर पर पारदर्शी व सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से राजमहल कांग्रेस ने अपनी कमर कस ली है। इसी कड़ी में संगठन की मजबूती और बूथों के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राजमहल प्रखंड के 125 BLA-2 फॉर्म सफलतापूर्वक निर्वाची पदाधिकारी के कार्यालय में जमा किए गए। इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया को अमलीजामा पहनाने के लिए जिला कांग्रेस अध्यक्ष बरकतुल्लाह खान के आवास पर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य एजेंडा BLA-2 फॉर्मों की गहन समीक्षा, सत्यापन और बूथ-वार आंकड़ों का सटीक मिलान करना था। जिलाध्यक्ष की मौजूदगी में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने प्रत्येक फॉर्म की बारीकी से जांच की ताकि निर्वाचन प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की त्रुटि न रहे। बैठक में राजमहल कांग्रेस अध्यक्ष श्री देवेन्द्र

प्रसाद ठाकुर और उपाध्यक्ष मोहम्मद सिफरान अख्तर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने अत्यंत सजगता के साथ प्रत्येक बूथ से प्राप्त आंकड़ों का मिलान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बूथ स्तर पर संगठन की सक्रियता ही किसी भी चुनाव में जीत की पहली सीढ़ी होती है। नेताओं के इस समर्पित प्रयास से पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा गया। समीक्षा और सत्यापन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद राजमहल प्रखंड के कुल 125 BLA-2 फॉर्म साहिबगंज स्थित निर्वाची पदाधिकारी (Election Officer) के कार्यालय में जमा किए गए। यह कदम न केवल पार्टी की मजबूत तैयारी को दर्शाता है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि कांग्रेस आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह से व्यवस्थित और योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही है। पार्टी नेताओं ने इस पहल को कांग्रेस परिवार की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि संगठन का प्रत्येक सिपाही आज बूथ स्तर पर लोकतंत्र की रक्षा के लिए तैयार है। यह प्रयास चुनावी तैयारियों के साथ-साथ पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुँचाने और लोकतांत्रिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावशाली बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राजमहल कांग्रेस द्वारा BLA-2 फॉर्मों का समय पर और सटीक जमा होना यह साबित करता है कि पार्टी चुनावी रण में उतरने से पहले अपने संगठनात्मक ढांचे को अभेद्य बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

# राजमहल में रबी गेहूं फसल कटनी प्रयोग का आगाजः सैदपुर पंचायत में बेहतर पैदावार की उम्मीद, किसानों के चेहरे खिले

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/राजमहल।** रबी सीजन की मुख्य फसल गेहूं अब पूरी तरह पककर तैयार हो चुकी है और खेतों में सुनहरी चमक बिखेर रही है। किसानों की मेहनत का सही आकलन करने और फसल उत्पादन का सरकारी रिकॉर्ड तैयार करने के उद्देश्य से राजमहल प्रखंड में 'फसल कटनी प्रयोग' (Crop Cutting Experiment) का विधिवत शुभारंभ कर दिया गया है। इस वर्ष रबी गेहूं की फसल कटनी प्रयोग की शुरुआत राजमहल के ग्राम पंचायत सैदपुर के डेढगामा शोभापुर से की गई। जनसेवक सह प्रभारी कल्याण पदाधिकारी कैलाश वर्मा के नेतृत्व में चुनिंदा खेतों में फसल की कटाई कर उत्पादन का जायजा लिया गया। सरकार की इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य बीज बोने से लेकर भंडारण तक फसल पर पैनी नजर रखना है, ताकि प्राकृतिक आपदा या अन्य किसी परिस्थिति

में किसानों को होने वाले नुकसान का सही आकलन कर उन्हें उचित लाभ पहुँचाया जा सके।

प्रयोग के उपरांत जनसेवक कैलाश वर्मा ने बताया कि इस बार सैदपुर पंचायत में गेहूं का उत्पादन सामान्य से बेहतर रहने की संभावना है। उन्होंने विशेष रूप से गौर किया किः

जो किसान केवल वर्षा पर निर्भर न रहकर स्वयं के संसाधनों से समय पर सिंचाई (Timely Irrigation) की है, उनकी फसल काफी उन्नत और दानेदार है।

अनुमानित तौर पर इस बार 20 से 30 क्विंटल प्रति एकड़ तक गेहूं की पैदावार मिल सकती है।

कैलाश वर्मा ने स्पष्ट किया कि वर्तमान में यह केवल प्रारंभिक प्रयोग है। जब पूरे राजमहल प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में फसल कटनी प्रयोग संपन्न हो जाएगा, तभी जिले के कुल उत्पादन का सटीक और आधिकारिक आकलन किया जा सकेगा। यह प्रक्रिया फसल बीमा के दावों और सरकारी न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) पर खरीद की योजना बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस महत्वपूर्ण कृषि गतिविधि के दौरान बीमा कर्मी आशीष साहा, स्थानीय किसान राजेंद्र कुमार पंडित, धनंजय मंडल, गोपाल पंडित सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के अन्य प्रगतिशील किसान मौजूद थे। किसानों ने फसल की गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया है। राजमहल में गेहूं की फसल की कटाई अब जोर पकड़ने वाली है। प्रशासन की इस सक्रियता से किसानों में यह भरोसा जागा है कि उनकी उपज का सही डेटा सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज होगा, जिससे भविष्य में उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आसानी होगी।

## संक्षिप्त समाचार

### अज्ञात बोलेरो वाहन के धक्का से छतिग्रस्त हुआ नेता जी सुभाष चौक का गोलम्बर

**हिरणपुर (पाकुड़ )।** थाना क्षेत्र के निकट सुभाष चौक स्थित गोलम्बर में गुरुवार रात करीब 8 बजे एक अज्ञात बोलेरो वाहन के धक्का मारने से छतिग्रस्त हो गई है।जानकारी के अनुसार स्कार्पियो पाकुड़ से दुमका जाने के क्रम में अनियंत्रित होकर सुभाष चन्द्र बोस प्रतिमा के गोलम्बर को जाकर धक्का मार दिया।जिससे गोलम्बर की छतिग्रस्त हो गई।वही चालक ओर वाहन में सवार व्यक्ति की कोई हताहत नही हुई।स्कार्पियो दुमका की ओर प्रस्थान कर गए।

### लाभुकों को खाद्यान्न वितरण करना सर्वोच्च प्राथमिकता : जिला आपूर्ति पदाधिकारी

**पाकुड़।** जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवनियुक्त प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं नव प्रतिनियुक्त प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधकों ने भाग लिया। जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभुकों को समय पर एवं निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया।

### ईद रामनवमी और सरहुल को लेकर निकाली गई फ्लैग मार्च

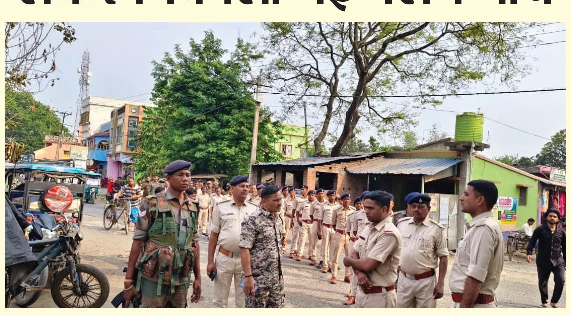

**महेशपुर (पाकुड़ )।** ईद, रामनवमी और सरहुल त्योहारों को लेकर महेशपुर पुलिस ने शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला। यह मार्च महेशपुर थाना से भगत सिंह चौक, मुस्लिम टोला, अंबेडकर चौक तक निकाला गया। एसडीपीओ विजय कुमार के नेतृत्व में थाना प्रभारी रवि शर्मा, इंस्पेक्टर और कई पुलिस अधिकारी और सिपाहियों ने हिस्सा लिया। फ्लैग मार्च का उद्देश्य लोगों में सुरक्षा की भावना पैदा करना और त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखना है।इस मौके पर एसडीपीओ विजय कुमार ने कहा कि पुलिस प्रशासन त्योहारों के दौरान शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे त्योहारों के दौरान शांति और सौहार्द बनाए रखें और पुलिस का सहयोग करें।

### ईद व रामनवमी को लेकर निकाली गई फ्लेग मार्च

आज फ्लैग मार्च भी निकला था

**हिरणपुर (पाकुड़)।** ईद व रामनवमी पर्व को लेकर शुक्रवार को हिरणपुर थाना क्षेत्र में फ्लैगमार्च निकाली गई।इस फ्लेग मार्च में बीडीओ टुडू दिलीप , अंचलाधकारी मनोज कुमार , थाना प्रभारी विनय कुमार सहित सभी पुलिस पदाधिकारी व जवानों ने भाग लिया। फ्लैगमार्च हिरणपुर बाजार की परिक्रमा करते हुये रानीपुर , गोपालपुर , डांगापाड़ा , मोहनपुर , तोड़ाई आदि जगहों में पहुंचा। जहां लोगो से अपील करते हुए कहा कि पर्व को शांति व आपसी भाईचारे के साथ मनाये। पूजा में उपद्रवी तत्वों पर नकेल कसी जाएगी।

### योन शोषण मामले में आरोपी गिरफ्तार

**पाकुड़।** नगर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर यौन शोषण और गर्भपात कराने के गंभीर आरोप में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है, प्राप्त जानकारी के अनुसार, 20 मार्च 2026 को पाकुड़ नगर थाना में कांड संख्या 53/26 दर्ज किया गया। मामले में आरोपी पलटन किस्कू (पिता–प्रधान किस्कू), निवासी ग्राम पीपरजोड़ी, थाना मालपहाड़ी (ओपी), जिला पाकुड़ के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की विभिन्न धाराओं 69, 64(1), 351(2), 89, 115(2), 117(2) एवं 126(4) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने शादी का झांसा देकर पीड़िता के साथ लगातार यौन शोषण किया और बाद में गर्भपात कराने का भी आरोप है। शिकायत दर्ज होते ही पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### मुख्यमंत्री दाल भात केंद्र में हुई तीसरी बार चोरी

**पाकुड़।** नगर थाना क्षेत्र के मालपहाड़ी रोड स्थित मुख्यमंत्री दाल भात योजना केंद्र में चोरी की घटना सामने आई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अज्ञात चोरों ने केंद्र का ताला तोड़कर लगभग 20 से 30 हजार रुपए मूल्य के बर्तन चुरा लिए। केंद्र की संचालिका टुकु सरकार ने बताया कि शुक्रवार सुबह केंद्र खोलने गया तो देखा कि चोरों ने मुख्य दरवाजे के ताले तोड़कर अंदर रखे डेग, खाने की थालियां, कल्छुल, कड़ाही, चम्मच और ग्लास सहित अन्य बर्तन लेकर भाग गए हैं । केंद्र राज्य सरकार द्वारा गरीबों को 5 रुपए में भोजन उपलब्ध कराया जाता है। चोरी की घटनाओं का यह तीसरी बार है। स्थानीय लोगों ने केंद्र में बार-बार हो रही चोरी की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है।संचालिका टुकु सरकार ने बताया कि इस बार लगभग 20 से 30 हजार रुपए मूल्य के बर्तन चोरी हुए हैं।चोरी की घटना के बाद केंद्र का संचालन जारी रखना काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है। इस केंद्र की निगरानी आपूर्ति विभाग द्वारा की जाती है।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

# अलविदा जुम्मा पर मस्जिदों में उमड़ी भीड़ पढ़ी नमाज , अमन-चैन की मांगी दुआ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**पाकुड़।** शुक्रवार को रमजान माह के पवित्र महीने के अंतिम और आखिरी जुम्मा यानी अलविदा जुम्मा के मौके पर जिला मुख्यालय सहित प्रखंडो व ग्रामीणों क्षेत्रों के विभिन्न मस्जिदों में विशेष नमाज़ अकीदत और एहतराम के साथ अदा की गई। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक मस्जिदों में नमाजियों की भारी भीड़ देखी गई। जिला मुख्यालय के हाटपाड़ा जामे मस्जिद, बड़ी अलीगंज मस्जिद, हरिणडांगा बाजार स्थित बड़ी मस्जिद व बांगणपाड़ा जामे मस्जिद आदि में अंतिम जुम्मा की नमाज अदा की गई। दूसरी ओर हिरणपुर क्षेत्र के हाथकाठी सुन्नी मस्जिद और बड़ी मस्जिद सहित अन्य मस्जिदों में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज़ अदा कर देश में अमन, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआ मांगी। पूरे जिले में नमाज़ के दौरान शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा।रमजान का महीना इस्लाम में बेहद पवित्र और रहमतों से भरा माना जाता है। मान्यता है कि इसी महीने में पाक किताब कुरान शरीफ नाज़िल हुई थी। रमजान के महीने में रोजेदार पूरे महीने रोजा रखते हैं और इबादत करते हैं। अच्छे कार्यों में हाथ बाटाते ही है। चांद का दीदार होने के बाद अगले दिन ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाता है। जिले के महेशपुर प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में इस्लाम धर्म को मानने वाले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने (रोजेदारन) रोजे के 30 वे दिन पांचें व आखिरी जुमें की नमाज अदा की तथा रोजा रखा। प्रखंड मुख्यालय स्थित जामे मस्जिद कें इमाम अबुल बसरनेबराया कि रमजान का पर्व मुस्लिम समुदाय के लिए पवित्र पर्व होता है। रमजान रहमत, इबादत और नेकी का मुकद्दस महीना होताहैं। माह-ए-रमजान में गारीबों की मदद जकात व फितरा के रुप में निभाया जाता है। उन्होंने कहा कि जकात फर्ज है तो फितरा वाजिब है। इमाम अबुल बसर नेबतार्या कि सबसे पहले आसपा्स के लोगों का ख्याल रखें अगर आपकेसमाज में कोर्ई गरीब या जररतमंद है।इस साल शनिवार को ईद मनाए जाने की संभावना जताई जा रही है।ईद के दिन नमाज़ अदा करने के बाद लोग एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते हैं । घर-घर जाकर मिलने-जुलने और मीठी सेवइयां खाने की परंपरा भी निभाई जाती है।

## भागवत कथा ज्ञान यज्ञ को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**महेशपुर (पाकुड़ )।** प्रखंड के रोला ग्राम पंचायत अंतर्गत ग्राम राधाबल्लमपुर में मां दुर्गा और मां काली की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित किया गया है। इस समारोह के तहत सात दिवसीय श्री मदभागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है, जिसका शुभारंभ 20 मार्च 2026 से 26 मार्च 2026 तक संध्या 6 बजे से रात 10 बजे तक होगा।इस समारोह में 108 कन्या व महिलाओं ने कलश यात्रा निकालकर ग्राम के नगर भ्रमण किया और काली मंदिर प्रांगण में आकर पूजन अर्चना किया। कथावाचक श्री संतोष चौबे जी के द्वारा भागवत कथा का वाचन किया जाएगा।इस समारोह का आयोजन मुख्य आयोजक पूर्णी देवी, ताराचंद रविदास, राजकुमार रविदास, पप्पू रविदास, सपन साहा, धर्मेंद्र साहा, प्रदीप साहा, मोहनलाल साहा, सुनील रविदास, दीपक रविदास और ग्रामीणों के सहयोग से किया जा रहा है।

# बस से टकराकर बिजली तार टूटा बड़ा हादसा टला, बिजली बाधित

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**हिरणपुर (पाकुड़ )।** प्रखंड मुख्यालय में एक यात्री बस के संपर्क में आने से बिजली का तार टूट गया, जिससे पूरे इलाके में घंटों अंधेरा छाया रहा।सुभाष चौक के पास उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक यात्री बस बिजली के झूलते तार से टकरा गई। हादसे में तार टूटकर गिर गया, जिससे प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई।जानकारी के मुताबिक 'रग्बी' नामक यह बस रांची से राजमहल जा रही थी। घटना के तुरंत बाद बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया और सभी लोग एहतियातन नीचे उतर गए। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह एक बड़ा हादसा बन सकता था, लेकिन राहत की बात यह रही कि टूटे हुए तार में बह रही बिजली बस तक नहीं पहुंची। यदि करंट बस में फैल जाता, तो गंभीर जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता था।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सड़क के ऊपर से गुजर रहा बिजली का तार काफी नीचे लटक रहा था। बस की ऊंचाई के कारण वह तार में उलझ गया और झटके से टूटकर नीचे गिर पड़ा। घटना के बाद इलाके में बिजली गुल हो गई, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय निवासियों ने तुरंत बिजली विभाग को सूचना दी और ढीले तारों को दुरुस्त करने की मांग की।इस घटना ने एक बार फिर विद्युत विभाग की लापरवाही को उजागर कर दिया है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते तारों की मरम्मत नहीं की गई, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं जानलेवा साबित हो सकती हैं।

## अपर समाहर्ता ने बैंकों को लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**पाकुड़ ।** शुकवार अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय साख समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025–26 की वार्षिक ऋण योजना, तृतीय तिमाही की प्रगति, ऋण-जमा अनुपात सहित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए जिले को कुल 1596 करोड़ रुपये का ऋण लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध तृतीय तिमाही में 782.90 करोड़ रुपये की उपलब्धि प्राप्त हुई है। वहीं जिले का सीडी रेशियो 62.76 प्रतिशत दर्ज किया गया। जो की राज्य में तीसरे स्थान पर है | इसअवसर पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरी ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में बैंकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।उन्होंने सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिया कि लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें। योग्य किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना बैंकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। अपर समाहर्ता ने कहा कि सभी बैंक संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें।बैठक में विशेष कार्य पदाधिकारी, त्रिभुवन कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री अमित कुमार सिंह समेत विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे.

# झूलेलाल जयंती पर सिंधी समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा ,सिंधी नववर्ष का जोरदार स्वागत

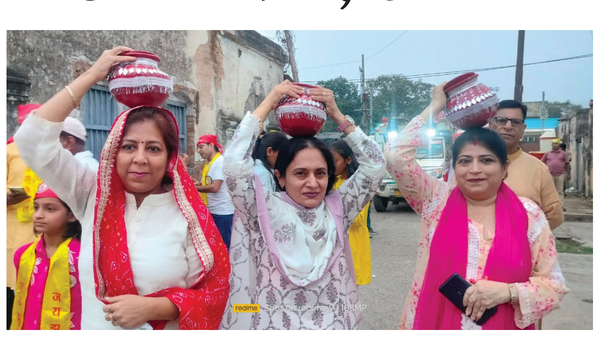

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**पाकुड़ ।** सिंधी समाज के आराध्य देव भगवान झूलेलाल की जयंती एवं सिंधी नववर्ष 'चेटीचंड' के अवसर पर शहर में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का अद्भुत संगम देखने को मिला। सेठ हिरदूमल गुरुद्वारे में आयोजित समारोह में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी और दिनभर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विशेष भजन-कीर्तन और शब्द वाणी से हुई, जिससे पूरा गुरुद्वारा भक्तिमय माहौल में डूब गया। श्रद्धालुओं ने माथा टेककर भगवान झूलेलाल से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की तथा एक-दूसरे को नववर्ष की बधाई दी। इस दौरान डांडिया नृत्य और विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाम को भगवान झूलेलाल के जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा सेठ हिरदूमल गुरुद्वारे से शुरू होकर माता मंदिर और जैन मंदिर होते हुए नगर भ्रमण पर निकली। पूरे रास्ते श्रद्धालु भक्ति गीतों और कीर्तन के साथ झूमते नजर आए। नगर भ्रमण के बाद शोभायात्रा पुनः गुरुद्वारे पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्य विनोद तीर्थानी ने बताया कि भगवान झूलेलाल सिंधी समुदाय के आराध्य देव हैं, जिन्हें जल देवता वरुण का अवतार माना जाता है। उन्होंने 'ईश्वर एक है' का संदेश देकर समाज में एकता, प्रेम और सद्भाव का मार्ग दिखाया। उन्होंने बताया कि चेटीचंड का पर्व सिंधी नववर्ष का प्रतीक है, जो हर वर्ष चैत्र शुक्ल द्वितीया को पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। कार्यक्रम में संजय खत्री, दिनेश लखमणि, किशोर लखमानी, विनोद तीर्थानी, प्रेमचंद गंगवानी, गौतम बिजलानी, राहुल बेलानी सहित सिंधी समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे आयोजन और भी आकर्षक बन गया।

## आयुष जांच शिविर में 76 लोगों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण, निःशुल्क दवा वितरण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**पाकुड़ :** जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से आयुष विभाग, पाकुड़ द्वारा विभिन्न प्रखंडों में आयुष जांच शिविर का आयोजन किया गया। इन शिविरों में कुल 76 लाभुकों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक दवाइयाँ निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। यह शिविर लिट्टीपाड़ा प्रखंड के रामपुर, हिरणपुर प्रखंड के करनडंगा तथा पाकुड़िया प्रखंड के चौकीसाल में आयोजित किए गए, जहां ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। शिविर में उपस्थित चिकित्सक डॉ अशोक मेहता, डॉ लवकुश यादव, डॉ बीरेंद्र कुमार विश्वकर्मा ने बताया कि जांच शिविर के दौरान रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ एवं गठिया रोग तथा बच्चों से संबंधित विभिन्न रोगों का निःशुल्क परीक्षण किया गया। इसके साथ ही लाभुकों को आवश्यक दवाएं भी मुफ्त में उपलब्ध कराई गईं। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए और उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए इसे जनहित में उपयोगी कदम बताया।

# शताब्दी समेत दो एक्सप्रेस ट्रेनों का पाकुड़ में प्रयोगात्मक ठहराव की मिली मंजूरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**पाकुड़।** झामुमो विधायक हेमलाल मुर्मू ने रेलवे उपभोक्ता सलाहकार समिति की बैठक में लगातार पाकुड़ में ट्रोनो के ठहराव की मांग उठाने जाने पर आखिरकार पाकुड़ में दो ट्रेनों के ठहराव पर मंजूरी मिल गई है। बीते 30 जनवरी को क्षेत्रीय रेलवे उपभोक्तासलाहकार समिति की बैठक में लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू और झामुमो के केंद्रीय सचिव पंकज मिश्रा के द्वारा पाकुड़ होकर गुजरने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों की ठहराव की मांग उठाया था।

इस पर अमल करते हुए रेलवे बोर्ड ने पाकुड़ स्टेशन में दो प्रमुख ट्रेनों के ठहराव को मंजूरी दे दी है। यह ठहराव फिलहाल प्रयोगात्मक आधार पर शुरू किया जाएगा। रेल मंत्रालय द्वारा जारी आदेश (03 मार्च 2026) के अनुसार, 12041/12042 हावड-न्यू जलपाईगुड़ी शताब्दी एक्सप्रेस, 22611/22612 एमजीआर सेंट्रल (चेन्नई)-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस,को निर्देश दिया है कि स्टेशन पर टिकट बिक्री की नियमित निगरानी की जाए ताकि आगे इस ठहराव को स्थायी बनाने पर निर्णय लिया जा सके।

साथ ही, इस सुविधा का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा गया है। इस फैसले से पाकुड़ और आसपास के इलाकों के यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में सीधा लाभ मिलेगा। इन ट्रेनों के ठहराव मिलने से कोलकाता, सिलीगुड़ी और चेन्नई जैसे शहरों के लिए यात्रा करने वाली यात्रियों को सुविधा प्राप्त होगी।

# योग प्रशिक्षण से स्वास्थ्य जागरूकता को मिला बढ़ावा

## आयुष विभाग की पहल से जिलेभर में चला अभियान

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**पाकुड़ :** स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयुष विभाग, पाकुड़ द्वारा जिलेभर में योग एवं आयुष चिकित्सा पद्धति को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। स्वस्थ शरीर को सफल जीवन की आधारशिला मानते हुए इस पहल के माध्यम से लोगों को नियमित योगाभ्यास के प्रति प्रेरित किया जा रहा है। आयुर्विद्या कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस पहल का मुख्य उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना, जीवनशैली में सुधार लाना तथा प्राकृतिक उपचार पद्धतियों को बढ़ावा देना है। शुक्रवार को पाकुड़, पाकुड़िया, हिरणपुर, महेशपुर, लिट्टीपाड़ा, अमड़ापाड़ा सहित जिले के 18 स्थानों पर योग प्रशिक्षकों द्वारा नागरिकों को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान योग प्रशिक्षकों ने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शरीर स्वस्थ रहता है, रोग-प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है तथा मानसिक संतुलन बनाए रखने में सहायता मिलती है। साथ ही सकारात्मक सोच का विकास भी होता है, जिससे जीवन में संतुलन और ऊर्जा बनी रहती है। आयुष विभाग के पदाधिकारी ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक समग्र जीवन पद्धति है, जो व्यक्ति के तन और मन दोनों को सशक्त बनाती है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे प्रतिदिन योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करें और स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

# भक्तिमय हुआ हडियालमाटीः गौरहरि मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भव्य कलश यात्रा, गूंजा 'हरे कृष्ण हरे राम' का उद्घोष

सोन वर्षा वाणी

**जामताड़ा/कुंडहित**। जिले के कुंडहित प्रखंड अंतर्गत पालाजोडी पंचायत के हडियालमाटी गांव में शुक्रवार को श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। अवसर था नवनिर्मित गौरहरि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का, जिसकी शुरुआत भव्य कलश यात्रा के साथ की गई। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के प्रथम दिन लगभग 51 कुंवारी कन्याओं ने कलश यात्रा में भाग लिया।

गाजे-बाजे और ढोल-करताल की थाप पर श्रद्धालु 'हरे कृष्ण-हरे राम' का संकीर्तन करते हुए पास की नदी पहुंचे। वहां विद्वान पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नदी की पूजा की गई, जिसके पश्चात कन्याओं ने कलश में पवित्र जल भरा। मंदिर पहुंचने पर विधि-विधान से कलश स्थापना की गई और प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। मंदिर कमेटी और ग्रामीणों ने बताया कि इस पावन अवसर पर गांव में 24 प्रहर (72 घंटे) अखंड हरि नाम संकीर्तन का भी आयोजन किया गया है। संकीर्तन मंडली द्वारा प्रभु के नाम का जाप किए जाने से पूरा गांव आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और सेवा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। इस पुनीत कार्य में शामिल होने के लिए कई गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि पहुंचे। मुख्य अतिथियों में जिला परिषद सदस्य रीना मंडल, पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल, स्थानीय मुखिया गीता पहाड़िया, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष ऑफिसर हैम्ब्रम, विधायक प्रतिनिधि शरम मंडल और पंचायत समिति सदस्य के प्रतिनिधि व समाज सेवक सजल दास शामिल रहे। इनके अलावा हडियालमाटी गांव के 'सोलह आना' ग्रामीण जन और आसपास के गांवों से आए सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित थे। कलश स्थापना और विधिवत पूजा संपन्न होने के बाद मंदिर परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। यहाँ उपस्थित सभी भक्तजनों और आगंतुकों के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। ग्रामीणों ने इस आयोजन को सफल बनाने में बढ़-चढ़कर अपना सहयोग दिया। गौरहरि मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा और हरि नाम संकीर्तन ने हडियालमाटी गांव में सांप्रदायिक सौहार्द और भक्ति की नई मिसाल पेश की है। अगले तीन दिनों तक यहाँ उत्सव का माहौल बना रहेगा।

# केंद्र के खिलाफ सीपीआईएम का हल्ला बोलः कुडहित में नुक्कड़ सभा कर दिल्ली की 'जनाक्रोश रैली' का फूंका बिगुल

सोन वर्षा वाणी

**जामताड़ा/कुंडहित** । आगामी 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली विशाल 'जनाक्रोश रैली' की सफलता के लिए सीपीआईएम (CPIM) ने कमर कस ली है। इसी क्रम में शुक्रवार को जामताड़ा जिला कमेटी द्वारा कुंडहित हटिया में एक प्रभावशाली नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। इस सभा के माध्यम से पार्टी ने केंद्र सरकार की नीतियों को मजदूर, किसान और आम जनता के खिलाफ बताते हुए जन-जागरण अभियान चलाया।सभा को संबोधित करते हुए जिला कमेटी सदस्य चंडी दास पुरी ने मोदी सरकार पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि आज देश का मेहनतकश वर्ग संकट में है।

**मनरेगा पर संकटः** ग्रामीण रोजगार की गारंटी देने वाले

'मनरेगा' को कमजोर कर जनता का हक छीना जा रहा है।

**बिजली और स्मार्ट मीटरः** प्रीपेड सिस्टम और स्मार्ट मीटर लगाकर आम आदमी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की तैयारी है।

**बीज विधेयकः** नए कानून के कारण किसान अपनी जमीन की पैदावार को बिना निबंधन के बीज के रूप में संरक्षित नहीं कर पाएंगे, जिससे खेती पूरी तरह विदेशी कॉरपोरेट घरानों के हाथों में चली जाएगी।

राज्य सचिवालय सदस्य सुरजीत सिन्हा ने अंतरराष्ट्रीय नीतियों पर सरकार को घेरते हुए कहा कि देश की संप्रभुता खतरे में है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत सरकार अमेरिका के दबाव में काम कर रही है। अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौतों के कारण भारतीय किसानों को अपनी फसल का उचित दाम नहीं मिल पाएगा, जिससे वे बर्बादी की कगार पर पहुँच जाएंगे। उन्होंने संसद में विपक्ष की आवाज दबाने और जवाबदेही से बचने के लिए भी सरकार की आलोचना की। सभा की अध्यक्षता जिला कमेटी सचिव सुजीत कुमार माजी ने की, जबकि सुकुमार बाउरी ने मजदूर विरोधी नीतियों पर अपनी बात रखी। वक्ताओं ने उपस्थित जनसमूह से अपील की कि वे दिल्ली में होने वाली रैली को सफल बनाने के लिए एकजुट हों। नुक्कड़ सभा में काफी संख्या में ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने पार्टी की बातों को सुना और दिल्ली रैली को समर्थन देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर लखीराम मुर्मू, लखी सोरेन, घनश्याम गोराई, परिमल मंडल, जादन डोम, गुड्डू बागती, दयामय बागती, बागाल बागदी, हिरुआ कोल सहित भारी संख्या में पार्टी समर्थक और कार्यकर्ता मौजूद थे। सीपीआईएम की इस नुक्कड़ सभा ने स्थानीय स्तर पर राजनीतिक सरगर्मी तेज कर दी है। पार्टी कार्यकर्ताओं का दावा है कि जामताड़ा से बड़ी संख्या में लोग दिल्ली की जनाक्रोश रैली में हिस्सा लेने जाएंगे।

# देवघर खादी महोत्सव 2026 में जूट और लाह उत्पादों की धूम

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

**देवघर** :– खादी महोत्सव 2026 में इस वर्ष बाबा लक्ष्मी नारायण सेवा समिति द्वारा पुराना बस अड्डा के समीप लगाया गया स्टॉल लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। रंग-बिरंगे जूट बैग,आकर्षक जूट थैले और पारंपरिक लाह की चूड़ियों से सजा यह स्टॉल न केवल हस्तशिल्प की सुंदरता को प्रदर्शित कर रहा है, बल्कि स्थानीय संस्कृति और आत्मनिर्भरता की प्रेरक कहानी भी प्रस्तुत कर रहा है। मेले के दौरान देवघर के जिला उपायुक्त अमन प्रीतिश लकड़ा ने स्टॉल का भ्रमण किया और वहां प्रदर्शित उत्पादों का अवलोकन किया। उन्होंने जूट उत्पादों एवं लाह की चूड़ियों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण आजीविका सशक्तिकरण की दिशा में एक

**❑ बाबा लक्ष्मी नारायण सेवा समिति का स्टॉल बना आकर्षण का केंद्र, महिलाओं के सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश**

प्रेरणादायक पहल बताया। गौरतलब है कि बाबा लक्ष्मी नारायण सेवा समिति, NABARD के तत्वावधान में स्वयं सहायता समूह (SHG) से जुड़ी महिलाओं के सहयोग से इन उत्पादों का निर्माण करवा रही है। NABARD के DDM आनंद कुमार द्वारा पिछले 4–5 वर्षों से इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है, जिससे यह पहल लगातार सशक्त हो रही है। समिति के सचिव राजेश रंजन ने बताया कि इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को स्थायी आजीविका प्रदान करना और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों को बढ़ावा देना है। इन उत्पादों की खासियत यह है कि ये किफायती होने के साथ-साथ पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल हैं। प्लास्टिक के विकल्प के रूप में जूट उत्पाद आज के समय में सतत विकास और हरित जीवनशैली की दिशा में अहम भूमिका निभा रहे हैं। खादी महोत्सव 2026 में यह स्टॉल केवल एक बिक्री केंद्र नहीं, बल्कि स्थानीय कला, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरणीय जागरूकता का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया है।

# जामताड़ा में ज्ञान और संस्कृति का महासंगमः उपायुक्त रवि आनंद ने जिला स्तरीय पुस्तक मेला का किया भव्य शुभारंभ

सोन वर्षा वाणी

**जामताड़ा**। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार, 20 मार्च 2026 को सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस (जेबीसी प्लस टू विद्यालय) में जिला स्तरीय पुस्तक मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री रवि आनंद (IAS), आईटीडीए के परियोजना निदेशक श्री जुगनू मिंज और जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री चार्ल्स हेम्ब्रम ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।समारोह को संबोधित करते हुए उपायुक्त श्री रवि आनंद ने शिक्षा और साहित्य के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेले जैसे आयोजन बच्चों में केवल पढ़ने की आदत ही नहीं डालते, बल्कि उनके भीतर

ज्ञान के प्रति जिज्ञासा भी उत्पन्न करते हैं।

**उपायुक्त ने जिले के विद्यार्थियों के लिए दो बड़ी घोषणाएं कीं:**

1. जामतारा के 100 मेधावी छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों द्वारा निःशुल्क कोचिंग और मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

2. जिले में जल्द ही एक अत्याधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ होगा, जिससे छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षण सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। उपायुक्त ने बच्चों से महान समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर के जीवन से प्रेरणा लेने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से कर्माटांड़ स्थित विद्यासागर की कर्मस्थली से जुड़ी पुस्तकों का अध्ययन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, जामतारा की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गान और नृत्य से हुई। इसके बाद जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने लोक नृत्य, संगीत और नाटकों के माध्यम से झारखंड की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का जीवंत प्रदर्शन किया। मेला परिसर में लगी विभिन्न प्रकाशकों की शैक्षणिक और प्रेरणादायक पुस्तकों की स्टॉल्स आकर्षण का केंद्र रहीं।

**कार्यक्रम के दौरान आयोजित संथाली नृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहेः**

**प्रथम स्थानः** पीएम श्री कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नारायणपुर।

**द्वितीय स्थानः** उत्क्रमित उच्च विद्यालय बिंदापाथर, फतेहपुर।

* तृतीय स्थानः कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, नाला।

विजेता टीमों को उपायुक्त और अन्य अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आईटीडीए निदेशक श्री जुगनू मिंज ने छात्रों को पुस्तकों से प्रेम करने की सीख दी, वहीं जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री चार्ल्स हेम्ब्रम ने कहा कि विद्यालयों में पढ़ाई के साथ-साथ ऐसी पाठ्येतर गतिविधियां (Co-curricular activities) बच्चों के बौद्धिक और सर्वांगीण विकास के लिए अनिवार्य हैं। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक श्री विद्यासागर एवं श्री दुर्गेश कुमार दुबे ने किया। समारोह के अंत में एडीपीओ श्रीमती रश्मि एक्का ने सभी अतिथियों, शिक्षकों और छात्र-छात्राओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर जिले के कई वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापक, शिक्षक और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# खाद्यान्न वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु आपूर्ति विभाग की बैठक आयोजित

सोन वर्षा वाणी

**पाकुड़**। जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह की अध्यक्षता में आपूर्ति विभाग से संबंधित एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नवनियुक्त प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं नव प्रतिनियुक्त प्रभारी सहायक गोदाम प्रबंधकों ने भाग लिया। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी अभिषेक कुमार सिंह द्वारा खाद्यान्न वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए इसे और अधिक पारदर्शी एवं सुचारु बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जन वितरण प्रणाली के अंतर्गत लाभुकों को समय पर एवं निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त अन्य आवश्यक सामग्रियों के वितरण को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों

में नियमित निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विभागीय लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया

# शिक्षा नवाचार और गुणवत्ता संवर्धन के लिए रांची में महामंथनः मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने किया प्रतिनिधित्व

सोन वर्षा वाणी

**साहिबगंज/राजमहल।** झारखंड की राजधानी रांची में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार (Innovation) और शिक्षकों के कौशल विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य राज्य स्तरीय अकादमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में साहिबगंज जिले के मॉडल कॉलेज राजमहल के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने विशेष रूप से भाग लिया और संस्थान का मान बढ़ाया। यह महत्वपूर्ण सम्मेलन झारखंड स्टेट फैकल्टी डेवलपमेंट एकेडमी (JSFDA) द्वारा शुक्रवार, 20 मार्च 2026 को रांची के प्रसिद्ध होटल बीएनआर चाणक्य (Hotel BNR Chanakya) में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य भर के लगभग 300 से अधिक प्रख्यात शिक्षाविदों, कुलपतियों, कुलसचिवों और उच्च शिक्षा विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। सम्मेलन में उच्च शिक्षा जगत की कई बड़ी हस्तियों ने शिरकत की और आधुनिक शिक्षा प्रणालियों पर अपने विचार साझा किए। मुख्य रूप से शामिल होने वाले दिग्गजों में:

डॉ. मदन कुलकर्णी (प्रधान

सचिव)

* राहुल कुमार पुरवार (प्रधान सचिव, उच्च शिक्षा)

सुधीर बाड़ा (निदेशक)

सुनील कुमार (IAS)

प्रो. राम कुमार सिंह (कुलपति)

डॉ. अजय खालको एवं डॉ. पीयूष जैसे शिक्षाविद शामिल रहे।

सम्मेलन का मुख्य केंद्र बिंदु शिक्षकों के कौशल विकास, नेतृत्व क्षमता और नवीन शिक्षण पद्धतियों (Innovative Teaching Methods) पर विस्तृत चर्चा करना था। इस मंच पर अपने विचार व्यक्त करते हुए प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा:"इस प्रकार के आयोजनों से न केवल शिक्षकों को नई शैक्षणिक दृष्टि मिलती है, बल्कि शिक्षण संस्थानों के समग्र विकास और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन (Quality Enhancement) में भी यह एक मील का पत्थर साबित होता है।" मॉडल कॉलेज राजमहल के लिए यह अत्यंत गर्व का क्षण है कि उनके प्राचार्य ने इस उच्च स्तरीय मंच पर कॉलेज का प्रतिनिधित्व किया। शिक्षा जगत के विशेषज्ञों का मानना है कि डॉ. सिंह की इस सक्रिय सहभागिता और वहां से प्राप्त अनुभवों से मॉडल कॉलेज को शैक्षणिक गुणवत्ता और प्रबंधन के क्षेत्र में एक नई दिशा प्राप्त होगी। यह सम्मेलन आने वाले समय में झारखंड की उच्च शिक्षा प्रणाली में क्रांतिकारी बदलाव लाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

# अपर समाहर्ता ने डीएलसीसी एवं डीसीसी की बैठक कर बैंकों को लंबित आवेदनों के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

सोन वर्षा वाणी

**पाकुड़**। अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय साख समिति की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2025–26 की वार्षिक ऋण योजना, तृतीय तिमाही की प्रगति, ऋण-जमा अनुपात सहित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान किसान क्रेडिट कार्ड, पीएमईजीपी, पीएमएफएमई, मत्स्य, डेयरी, स्वयं सहायता समूह वित्तपोषण, पीएम स्वनिधि, आरसेटी, एनपीए खातों की स्थिति तथा सीएफएल/ एफएलसी द्वारा आयोजित वित्तीय साक्षरता शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही नीति आयोग के अंतर्गत संचालित पीएमजेडीवाई,पीएमएसबीवाई, पीएमजेजेबीवाई, पीएमएमबीवाई एवं एपीवाई योजनाओं की अद्यतन स्थिति पर भी चर्चा की गई बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025–26 के लिए जिले को कुल 1596 करोड़ रुपये का ऋण लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके विरुद्ध तृतीय तिमाही में 782.90 करोड़ रुपये की उपलब्धि प्राप्त हुई है। वहीं जिले का सीडी रेशियो 62.76 प्रतिशत दर्ज किया गया। जो की राज्य में तीसरे स्थान पर है | इस अवसर पर अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन ने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में बैंकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी बैंक प्रबंधकों को निर्देश दिया कि प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर लंबित आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करें, ताकि कोई भी पात्र लाभुक योजनाओं से वंचित न रह जाए अपर समाहर्ता ने विशेष रूप से किसान क्रेडिट कार्ड ऋण की समीक्षा करते हुए कहा कि योग्य किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध कराना बैंकों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। साथ ही पीएमईजीपी एवं अन्य स्वरोजगार योजनाओं के अंतर्गत लंबित आवेदनों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया

गया। अपर समाहर्ता ने कहा कि सभी बैंक संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें, ताकि सरकारी योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंदों तक समय पर पहुँच सके और जिले का समग्र आर्थिक विकास सुनिश्चित हो बैठक में विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह, सांसद प्रतिनिधि श्याम यादव, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक अमित कुमार सिंह समेत विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित थे

# इस्लामिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है ईद-उल-फितर

**ईद-उल-फितर इस्लाम के सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। पूरे एक महीने तक रोजे रखने के बाद ईद बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। इस पर्व को मीठी ईद के रूप में भी मनाया जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार यह पर्व हर साल 10वें शव्वाल के पहले दिन मनाया जाता है।**

ईद-उल-फितर इस्लामिक धर्म का सबसे महत्वपूर्ण पर्व है। इसे मीठी ईद के रूप में भी जाना जाता है। वहीं, यह दिन रमजान के पवित्र महीने के अंत का भी प्रतीक है। यह इस्लामिक कैलेंडर की पहली तारीख को पड़ता है। इस पवित्र दिन लोग अपना रोजा समाप्त करके ईद मनाते हैं और अल्लाह का शुक्रिया अदा करते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, भव्य दावतें तैयार करते हैं। साथ ही अपने प्रियजनों से मिलने के लिए जाते हैं। कहा जाता है कि इस शुभ अवसर पर दान करने का भी अपना एक खास महत्व है।

## ईद-उल-फितर कैसे मनाएं

- सबसे पहले लोग पवित्र स्नान करते हैं।
- ईद के दिन सुबह नमाज पढ़ना बहुत जरूरी होता है।
- नमाज अदा करने के बाद लोग एक-दूसरे से गले मिलते हैं और ईद मुबारक की शुभकामनाएं देते हैं।
- महिलाएं घरों में ढेर सारे सूखे मेवों से मिठाइयां-सेवइयां बनाती हैं।
- इस अवसर पर लोग नए कपड़े पहनते हैं और नमाज के लिए मस्जिद जाते हैं।
- घर वापस आकर वे उस मीठे पकवान को खाते हैं और रिश्तेदारों और दोस्तों में भी बांटते हैं।
- इस दिन जरूरतमंदों को भोजन कराना उन्हें पैसे और कपड़े देना शुभ माना जाता है।
- इस दिन अल्लाह को खुश करने के लिए एक बुरी आदत का भी त्याग किया जाता है।

# चांद दिखने के हिसाब से ही मुकम्मल की जाती है ईद

इस समय रमजान का पाक महीना चल रहा है। रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना होता है। इसे माह-ए-रमजान भी कहा जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग रमजान के महीने में रोजा रखते हैं। रोजा के दौरान लोग सहरी करने के लिए सुबह सूर्योदय से पहले उठते हैं और शाम को इफ्तार साथ अपना उपवास तोड़ते हैं। यानी इस पूरे महीने में मुसलमान लोग सूरज निकलने से लेकर डूबने तक कुछ भी नहीं खाते पीते हैं। साथ में महीने भर इबादत करते हैं और अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। एक महीने तक रोजा रखने के बाद ईद-उल-फितर यानी ईद मनाई जाती है। पूरे महीने भर रोजा रखने के बाद ईद के इंतजार की खुशी अलग ही होती है। हालांकि ईद मनाने की तारीख चांद दिखने के हिसाब से ही मुकम्मल की जाती है। जिस दिन चांद दिखता है, उस दिन को चांद मुबारक कहा जाता है और ईद मनाई जाती है। सऊदी अरब में सबसे पहले ईद की तारीख का एलान किया जाता है।

## ईद-उल-फितर कब है?

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार ईद 10वें शव्वाल (महीने) की पहली तारीख को मनाई जाती है लेकिन इस्लाम धर्म को मानने वाले लोग अपना त्योहार चांद को देखकर मनाते हैं। ऐसे में ईद का चांद नजर आने के बाद ही ईद-उल-फितर की सही तारीख मुकर्रर की जाएगी। फिलहाल 21 मार्च को ईद का त्योहार मनाए जाने की उम्मीद है।

## ईद-उल-फितर का महत्व

इस्लाम धर्म को मानने वाले लोगों के लिए ईद का त्योहार बेहद खास होता है। ये अल्लाह का शुक्रिया अदा करने का दिन होता है। मुस्लिम समुदाय के लोग खुशी और जश्न के साथ ईद मनाते हैं। ईद-उल-फितर को छोटी ईद और मीठी ईद भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर में रमजान का महीना नौवां महीना होता है। वहीं दसवां महीना शव्वाल है। शव्वाल के पहले दिन दुनिया भर में ईद-उल-फितर यानी ईद मनाई जाती है। शव्वाल का अर्थ है, उपवास तोड़ने का त्योहार। इस दिन एक महीने तक रोजा रखने के बाद लोग उपवास तोड़ते हैं और त्योहार का जश्न मनाते हैं।

## इस तरह मनाते हैं ईद

ईद-उल-फितर के दिन सुबह सबसे पहले नमाज अदा की जाती है। इसके बाद खजूर या कुछ मीठा खा कर रोजा समाप्त किया जाता है। इस दिन लोग नए कपड़े पहनकर मस्जिद में नमाज अदा करने जाते हैं। साथ ही एक दूसरे से गले मिलकर खुशियां जाहिर करते हैं। सभी रिश्तेदार और दोस्त एक दूसरे के घर दावत पर जाते हैं और ईद की मुबारकबाद देते हैं। साथ ही घरों में तरह-तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। इस दिन मीठी सेवइयां खाई जाती हैं और बच्चों को ईदी भी दी जाती है।

## ईद-उल-फितर का इतिहास

मान्यता है कि सबसे पहली ईद सन् 624 ईस्वी में पैगंबर मुहम्मद ने मनाई थी। इस दिन पैगंबर हजरत मुहम्मद साहब ने बद्र के युद्ध में जीत हासिल की थी। इस खुशी में ईद मनाई जाती है। मोहम्मद साहब ने कुरान में दो पवित्र दिन को ईद के लिए निर्धारित किया था। इस तरह से साल में दो बार ईद मनाई जाती है, जिसे ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा के मान से जाना जाता है। इस्लामिक प्रथा के अनुसार ईद की नमाज अदा करने से पहले हर मुस्लिम व्यक्ति को दान देना जरूरी होता है।

## खुदा का इनाम है ईद-उल फितर

रमजान माह की इबादतों और रोजे के बाद जलवा अफरोज हुआ ईद-उल फितर का त्योहार खुदा का इनाम है, मुसर्रतों का आगाज है, खुशखबरी की महक है, खुशियों का गुलदस्ता है, मुस्कुराहटों का मौसम है, रौनक का जश्न है। इसलिए ईद का चांद नजर आते ही माहौल में एक गजब का उल्लास छा जाता है। ईद के दिन सिवइयों या शीर-खुरमे से मुंह मीठा करने के बाद छोटे-बड़े, अपने-पराए, दोस्त-दुश्मन गले मिलते हैं तो चारों तरफ मोहब्बत ही मोहब्बत नजर आती है। एक पवित्र खुशी से दमकते सभी चेहरे इंसानियत का पैगाम माहौल में फैला देते हैं। अल्लाह से दुआएं मांगते व रमजान के रोजे और इबादत की हिम्मत के लिए खुदा का शुक्र अदा करते हाथ हर तरफ दिखाई पड़ते हैं और यह उत्साह बयान करता है कि लो ईद आ गई। कुरआन के अनुसार पैगंबरे इस्लाम ने कहा है कि जब अहले ईमान रमजान के पवित्र महीने के एहतेरामों से फारिग हो जाते हैं और रोजों-नमाजों तथा उसके तमाम कामों को पूरा कर लेते हैं, तो अल्लाह एक दिन अपने उक्त इबादत करने वाले बंदों को बख्शीश व इनाम से नवाजता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं और इसी बख्शीश व इनाम के दिन को ईद-उल फितर का नाम देते हैं। रमजान इस्लामी कैलेंडर का नौवां महीना है। इस पूरे माह में रोजे रखे जाते हैं। इस महीने के खत्म होते ही दसवां माह शव्वाल शुरू होता है। इस माह की पहली चांद रात ईद की चांद रात होती है। इस रात का इंतजार वर्ष भर खास वजह से होता है, क्योंकि इस रात को दिखने वाले चांद से ही इस्लाम के बड़े त्योहार ईद-उल फितर का ऐलान होता है। इस तरह से यह चांद ईद का पैगाम लेकर आता है। इस चांद रात को अल्फा कहा जाता है। रमजान माह के रोजे को एक फर्ज करार दिया गया है, ताकि इंसानों को भूख-प्यास का महत्व पता चले। भौतिक वासनाएं और लालच इंसान के वजूद से जुदा हो जाए और इंसान कुरआन के अनुसार अपने को ढाल लें। इसलिए रमजान का महीना इंसान को अशरफ और आला बनाने का मौसम है। पर अगर कोई सिर्फ अल्लाह की ही इबादत करे और उसके बंदों से मोहब्बत करने व उनकी मदद करने से हाथ खींचे तो ऐसी इबादत को इस्लाम ने खारिज किया है। क्योंकि असल में इस्लाम का पैगाम है- अगर अल्लाह की सच्ची इबादत करनी है तो उसके सभी बंदों से प्यार करो और हमेशा सबके मददगार बनो। यह इबादत ही सही इबादत है।

# भाईचारे का संदेश देता है ईद का त्योहार

**रमजान का पाक महीना अपने अंतिम चरणों में है। रमजान के बाद ही ईद-उल-फितर का त्योहार आता है, जो इस्लाम धर्म का एक पावन पर्व है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, रमजान के बाद 10वें शव्वाल की पहली तारीख को ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाता है। ईद कब मनायी जाएगी यह चांद के दीदार से तय होती है।**

ईद का त्योहार चांद को देखकर निश्चित होता है। चांद के दीदार के बाद ईद-उल-फितर पर्व 21 मार्च को है। ईद-उल-फितर को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। इसमें मीठे पकवान (खासतौर पर सेंवईं) बनते हैं। लोग आपस में गले मिलकर अपने गिले-शिकवों को दूर करते हैं। घर आए मेहमानों की विदाई कुछ उपहार देकर की जाती है। इस्लामिक धर्म का यह त्योहार भाईचारे का संदेश देता है। ईद उल फितर के दिन लोग सुबह नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हुए अमन और चैन की दुआ मांगते हैं। ईद उल फितर के मौके पर लोग खुदा का शुक्रिया इसलिए करते हैं क्योंकि अल्लाह उन्हें महीने भर उपवास पर रहने की ताकत देते हैं। कुछ लोगों का मानना है कि रमजान के पवित्र महीने में दान करने से उसका फल दोगुना मिलता है। ऐसे में लोग गरीब और जरूरतमंदों के लिए कुछ रकम दान कर देते हैं। रमजान महीने में रोजा रखने का मतलब होता है कि लोगों को भूख प्यास का एहसास हो सके। इस दिन कई तरह के पकवान घर में बनाएं जाते हैं।

## चांद के दीदार के बाद मनाई जाती है भारत में ईद

पूरे देश में रमजान का पाक महीना मनाया जा रहा है। इसके खत्म होने के बाद ईद का त्योहार मनाया जाता है। इस ईद को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है। ईद को पूरी दुनिया में पूरे धूम से मनाया जाता है। लोग इस दिन घरों में मीठे पकवान बनाते हैं। खासकर सेंवईंयां जरूर बनती है। लोग एक-दूसरे से गले मिलकर शिकवें दूर करते हैं। इस्लाम धर्म में ये त्योहार भाईचाहे का संदेश देता है। इस दिन मुस्लिम समुदाय के लोग नए कपड़े पहनकर नमाज अदा करते हैं और अपने परिवार के अमन चैन की दुआ करते हैं। इस दिन पढ़ी जाने वाली नमाज को सलात अल फज्र कहा जाता है। वहीं ईद से पहले हर मुसलमान के लिए फितरा देना फर्ज बताया गया है।

### गरीब भी मना सकें खुशियां

ईद से पहले हर इंसान को लगभगव पौने दो किलो अनाज या उसकी कीमत गरीबों को दी जाती है। जिससे गरीब व्यक्ति भी ईद की खुशी मना सकें। बताया जाता है कि इसी दिन पैगम्बर हजरत मुहम्मद साहब ने बद्र के युद्ध में फतह हासिल की थी। इसी युद्ध में फतह पाने की खुशी में लोग ईद को मनाते हैं।

### दी जाती है बक्शीश

रमजान के महीने में रोजे रखने के बाद अल्लाह के इस दिन पर बक्शीश और ईनाम दिया जाता है। इसलिए इस दिन को ईद कहते हैं। मुसलमान ईद में खुदा का शुक्रिया अदा करते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि खुदा ने महीने भर के उपवास रखने की ताकत दी।

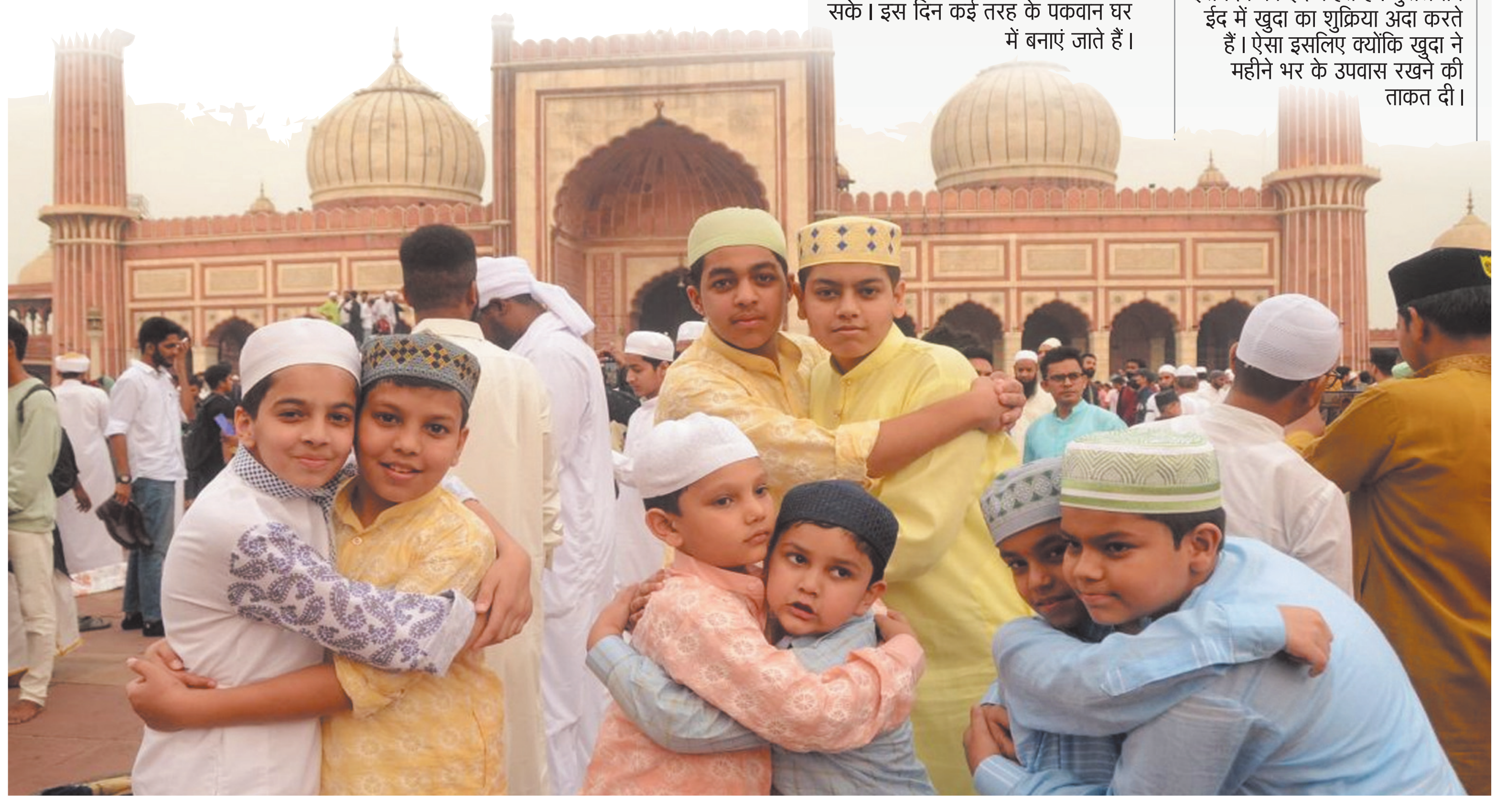

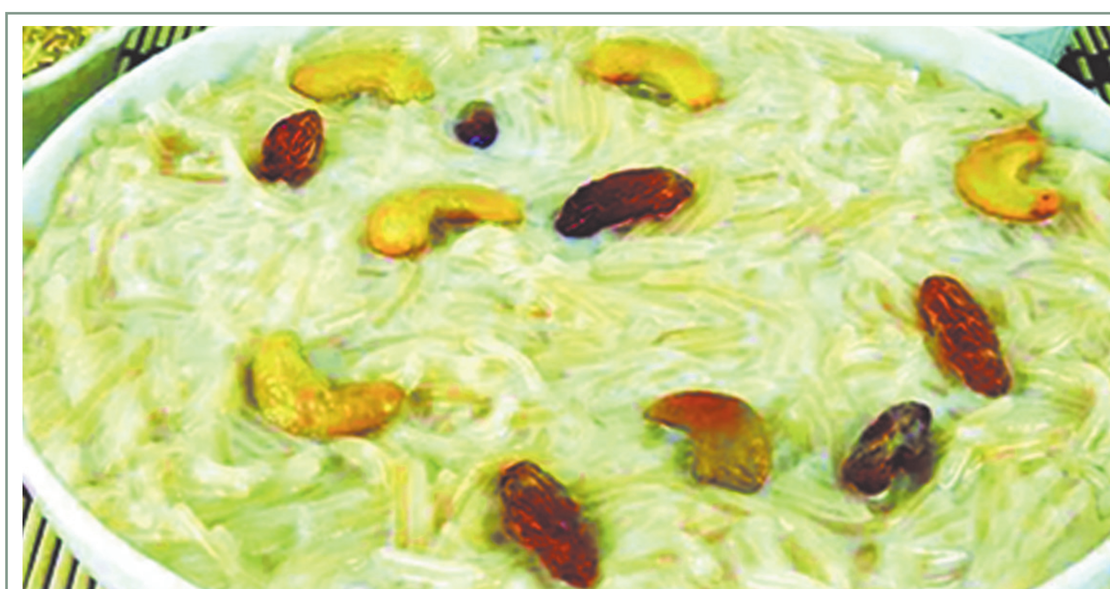

जैसे-जैसे रमज़ान के आखिरी दिन नज़दीक आ रहे हैं, मुस्लिम समुदाय इस्लाम के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक, ईद-उल-फितर के उत्सव का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. ईद-उल-फितर, जिसे रोजा खोलने के त्योहार के रूप में भी जाना जाता है, एक खुशी का अवसर है जो रोजे के महीने रमजान के खत्म होने पर मनाया जाता है. ईद-उल-फितर को दक्षिण एशियाई देशों में इस त्योहार को मीठी ईद के नाम से भी जाना जाता है. ईद-उल-फितर पर बनाएं ये 5 पारंपरिक व्यंजन -

# ईद पर जरूर बनाएं ये स्पेशल व्यंजन

## इनके बिना अधूरा है जश्न

### शीर खुरमा

शीर खुरमा, जिसका फ़ारसी में अर्थ है दूध और खजूर, एक समृद्ध सेंवई का हलवा है जिसे खजूर, सूखे मेवे और केसर से सजाया जाता है. यह मलाईदार डिश ईद के दौरान मुस्लिम घरों में जरूर बनाया जाता है.

### सेवइया

सेवइयां, एक सर्वोत्कृष्ट ईद की मिठाई है, जिसमें दूध, खोया और सूखे मेवों में पकाई गई घी में भुनी हुई सेवइयां शामिल हैं. यह खाने में बेहद स्वादिष्ट लगती है.

### गुलाब शरबत

फ्रेश और सुगंधित, गुलाब शरबत एक लोकप्रिय ईद का ड्रिंक है जो उत्सव की दावत के लिए तैयार किया जाता है. गुलाब की पंखुड़ियों और घर का बना गुलाब सिरप इस ड्रिंक को और स्वादिष्ट बना देता है.

### मटन शामी कबाब

कोई भी ईद की दावत रसीले कबाब के बिना पूरी नहीं होती है और मटन शामी कबाब इसमें बिल्कुल फिट बैठता है. कीमा मटन और सुगंधित मसालों के साथ तैयार किया जाता है.

### बिरयानी

बिरयानी बनाने के लिए खिले चावलों में मीट और कई मसालों को मिलाकर तैयार किया जाता है. ये खाने में स्वादिष्ट और इस त्योहार का खास डिश में से एक होती है.

# प्रदेश में 1 अप्रैल से शहरों में बिजली सस्ती, 125 यूनिट से ऊपर मीटर जाने पर कितना आएगा बिल

**पटना, एजेंसी।** बिहार के 27 लाख बिजली उपभोक्ताओं के लिए एक बड़ी खबर है. विनियामक आयोग ने बिजली कंपनियों के बिजली दर बढ़ाने का प्रस्ताव खारिज करते हुए शहरी घरेलू, शहरी गैर घरेलू और ग्रामीण गैर घरेलू की दर को एक स्लैब में कर दिया है. इससे ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मिलेगी. 27 लाख उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी.

**बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव खारिज:** 1 अप्रैल से नई दर लागू होगी, जो 31 मार्च 2027 तक प्रभावी रहेगा. 100 यूनिट से अधिक खर्च करने वाले शहरी घरेलू उपभोक्ताओं को 1.53 रुपए प्रति यूनिट की दर से राहत मिलेगी. विनायक आयोग ने सरकार को प्रस्ताव भेज दिया है.

'125 यूनिट पहले की तरह ही घरेलू उपभोक्ताओं को फ्री मिलती रहेगी और 100 से अधिक यूनिट को सस्ता करने का जो फैसला हुआ है, उसकी घोषणा सरकार जल्द करेगी.'

**– बिजेंद्र प्रसाद यादव, ऊर्जा मंत्री, बिहार**

**किनको मिलेगा फायदा:** शहरी घरेलू उपभोक्ताओं को अभी 100 यूनिट तक 7.42 रुपए प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली बिल का भुगतान करना होता है और 100 यूनिट से अधिक खपत करने पर 8.95 रुपए प्रति यूनिट के दर से भुगतान करना होता है. लेकिन अब घरेलू शहरी उपभोक्ताओं को 7.42 रुपए प्रति यूनिट ही बिजली का भुगतान करना होगा.

**ग्रामीण उपभोक्ताओं के लिए एक स्लैब :** वहीं ग्रामीण गैर घरेलू उपयोगिताओं को पहले 100 यूनिट तक 7.79 रुपए प्रति यूनिट और 100 यूनिट से अधिक 8.02 प्रति यूनिट का भुगतान करना होता था, लेकिन अब एक स्लैब में 7.79 रुपए प्रति यूनिट ही भुगतान करना होगा.

शहरी गैर घरेलू उपभोक्ताओं को 100 यूनिट तक अभी 7.73 रुपए प्रति यूनिट के दर से भुगतान करना होता था और 100 यूनिट से अधिक 8. 93 प्रति यूनिट के हिसाब से भुगतान करना पड़ता था. अब दोनों स्लैब को मिला दिया गया है और 7.73 रुपए प्रति यूनिट ही भुगतान करना होगा.

**35 पैसा बढ़ाने का दिया गया था प्रस्ताव:** बिजली कंपनियों की ओर से 35 पैसा प्रति यूनिट बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया था, जिसे विद्युत विनियामक आयोग ने खारिज करते हुए उपभोक्ताओं को यह राहत दी है. इसके कारण 100 यूनिट से अधिक खपत करने पर भी शहरी घरेलू भुगतानों को 1.53 रुपए प्रति यूनिट और ग्रामीण गैर घरेलू भुगतानों को 0.42 रुपए प्रति यूनिट के साथ शहरी गैर घरेलू भुगतान को 1.20 रुपए प्रति यूनिट बिजली सस्ती मिलेगी.

**खेती के लिए बिजली दर में कोई बदलाव नहीं:** खेती के लिए 6.74 प्रति यूनिट की दर से अभी बिजली दर है. उसमें किसी तरह का कोई बदलाव नहीं किया गया है. हालांकि इसमें भी सरकार के तरफ से जो अनुदान दी जाती है वह जारी रहेगा.

**शहरी गैर घरेलू उपभोक्ताओं के लिए कनेक्शन चार्ज:** इसके अलावा शहरी गैर घरेलू उपभोक्ताओं को 0.5 किलो वाट में पहले 200 कनेक्शन चार्ज किया जाता था, जिसे घटाकर डेढ़ सौ रुपए कर दिया गया है. कृषि को छोड़कर 10 किलो वाट से अधिक लोड पर दिन में सस्ती और शाम में महंगी बिजली देने का फैसला भी हुआ है.

**बिहार में 125 यूनिट फ्री बिजली:** विद्युत विनियामक आयोग के फैसले के बाद अब सरकार इसे कैबिनेट में पेश करेगी. हालांकि ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा है कि सरकार जल्द ही इसकी घोषणा करेगी और बिजली उपभोक्ताओं को जो पहले से 125 यूनिट फ्री बिजली दी जा रही है वह भी मिलता रहेगा.

**लगातार 2 वर्ष से बिजली घर में वृद्धि नहीं:** पिछले वित्तीय वर्ष में भी बिजली दर में कोई वृद्धि नहीं की गई थी. लगातार दूसरा साल है जब विनियामक आयोग ने बिजली दर में वृद्धि नहीं की है. 2023- 24 में 24.10 फ़ीसदी की वृद्धि की गई थी. हालांकि सरकार की तरफ से अनुदान देकर इस वृद्धि का असर उपभोक्ता पर ना पड़े, इसकी व्यवस्था की गई थी. वहीं 2024- 25 में भी दो फीसदी से भी कम की वृद्धि की गई थी. अभी बिहार सरकार की तरफ से 125 यूनिट फ्री बिजली दी जा रही है. साथ ही उपभोक्ताओं को 125 यूनिट से अधिक बिजली की खपत करने पर अनुदान दिया जा रहा है और अब उसमें और राहत मिलेगी.

## संक्षिप्त समाचार

### बिहार में सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में बड़ी प्रगति, 2.25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से आए बाहर

**पटना, एजेंसी।** योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डा. एन विजयलक्ष्मी ने कहा कि राज्य की विकास योजनाओं का सतत विकास लक्ष्य के साथ समन्वय अत्यंत आवश्यक है, जिससे समावेशी, सतत एवं संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके। वे गुरुवार को सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) पर आयोजित राष्ट्रीय स्तरीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

उन्होंने बताया कि बिहार सरकार ने वर्ष 2017 में एसडीजी विजन दस्तावेज तैयार कर सभी विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों को सतत विकास के लक्ष्यों से जोड़ा है। राज्य स्तर पर 334 संकेतकों का एक व्यापक ढांचा विकसित किया गया है, जिससे योजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी एवं मूल्यांकन किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि बिहार ने एसडीजी संकेतकों के आधार पर उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। 162 प्रमुख संकेतकों के विश्लेषण में लगभग 72 प्रतिशत संकेतकों में सुधार हुआ है, जो राज्य की मजबूत नीतिगत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि 15 में से आठ लक्ष्यों पर राज्य संतोषजनक प्रगति कर रहा है, जबकि अन्य लक्ष्यों पर भी निरंतर प्रयास जारी हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार का एसडीजी स्कोर वर्ष 2018 के 48 से बढ़कर 2023-24 में 57 हो गया है। स्वच्छ जल एवं स्वच्छता के क्षेत्र में बिहार ने 98 अंक प्राप्त कर देश में तीसरा स्थान हासिल किया है। राज्य ने बहुआयामी गरीबी में उल्लेखनीय कमी लाते हुए लगभग 2.25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

### पटना में मांस-मछली की 1420 दुकानों में से सिर्फ 12 के पास लाइसेंस, निगम की कार्रवाई अब भी सुस्त?

**पटना, एजेंसी।** शहर में मांस-मछली की अवैध दुकानों पर कार्रवाई को लेकर नगर निगम का अभियान अब तक असरदार साबित नहीं हो सका है। नगर विकास एवं आवास विभाग के निर्देश के करीब एक माह बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है।

नगर निगम क्षेत्र में संचालित 1,420 मांस-मछली दुकानों में से महज 12 दुकानों के पास ही वैध अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) है, जबकि बाकी दुकानें नियमों के विपरीत संचालित हो रही हैं।

हालांकि निगम की ओर से 686 दुकानों को खुले में मांस-मछली की बिक्री पर प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा 1,135 दुकानों को अनुज्ञप्ति निर्गत कराने के लिए नोटिस भी जारी किया गया है। बावजूद इसके, जमीनी स्तर पर अवैध दुकानों का संचालन जारी है।

नगर आयुक्त यशपाल मीणा द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट कहा गया है कि बिना अनुज्ञप्ति संचालित दुकानें बिहार नगरपालिका अधिनियम, 2007 की धारा 345 के प्रविधानों का उल्लंघन कर रही हैं।

विभाग के संज्ञान में यह भी आया है कि कई दुकानों में अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में मांस की बिक्री की जा रही है और मृत पशुओं को खुले में प्रदर्शित किया जा रहा है। साथ ही कई दुकानें धार्मिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों एवं भीड़-भाड़ वाले इलाकों के समीप संचालित हो रही हैं।

सभी कार्यपालक पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया था कि वे मांस-मछली दुकानों का सर्वे कर नई अनुज्ञप्ति जारी करें और बिना लाइसेंस संचालित दुकानों को धारा 345(4) के तहत बंद करें। इसके साथ ही ऑनलाइन डिजिटल रिकॉर्ड, जियो टैग फोटो और दैनिक प्रतिवेदन भी उपलब्ध कराने को कहा गया था। इसके बावजूद अब तक कार्रवाई की रफ्तार धीमी बनी हुई है, जिससे निगम की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। नूतन राजधानी अंचल में 10 मार्च को जांच के बाद आठ आवेदनों को निरस्त कर दिया गया। वहीं कंकड़बाग अंचल में 13 मार्च को तीन आवेदन खारिज किए गए, क्योंकि इनमें आवश्यक दस्तावेज संलग्न नहीं थे। संबंधित आवेदकों को अब नए सिरे से आवेदन करना होगा।

## आरा में विवाहिता की हत्या मामले में सास-पति गिरफ्तार

**आरा(भोजपुर), एजेंसी।** आरा के मुसहर टोली में महिला की संदिग्ध मौत मामले में पुलिस ने फरार पति और सास को गिरफ्तार कर लिया है। दहेज के लिए प्रताड़ित करने और जहर देकर हत्या करने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपियों में मो. शाहिद और उसकी मां मुनिया खातून उर्फ नन्हकी खातून शामिल हैं। मामला टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा इलाके का है।

मंगलवार(17 मार्च 2026) दोपहर को नाजिया खातून की मौत हो गई थी। प्रारंभिक जानकारी में इसे आत्महत्या बताया जा रहा था, लेकिन परिजनों के आरोप के बाद मामला हत्या में बदल गया। मृतका के पिता औरंगाबाद जिले के अमझरशरीफ गांव निवासी मो. मुस्तकीम कलंदर के बयान पर टाउन थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है, जिसमें पति और सास को नामजद किया गया है।

परिजनों के अनुसार, नाजिया की शादी 2024 में मो. शाहिद के साथ पूरे रीति-रिवाज और लेनदेन के साथ हुई थी। शादी के कुछ ही महीनों बाद से उसे दहेज को लेकर प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि पति और सास अक्सर उसके साथ मारपीट करते थे और मानसिक रूप से भी परेशान करते थे। घटना के दिन भी पति-पत्नी के बीच विवाद हुआ था। आरोप है कि उसे जहर देकर मार दिया गया और मामले को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आरा सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया गया।

साक्ष्य और परिजनों के बयान के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की गहन जांच में जुटी है। घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है।

## डीएमसीएच में यूजी छात्रों और डेटा ऑपरेटर के बीच मारपीट

**दरभंगा, एजेंसी।** दरभंगा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में गुरुवार को लगातार दूसरे दिन हंगामे की स्थिति बनी रही। यूजी छात्रों और रजिस्ट्रेशन काउंटर पर तैनात डेटा ऑपरेटर के बीच फिर से मारपीट हो गई, जिसके बाद केंद्रीय पैथोलॉजी लैब में काम बंद हो गया। जिससे जांच के लिए इंतजार कर रहे मरीजों की परेशानी बढ़ गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गुरुवार सुबह अस्पताल खुलते ही बड़ी संख्या में यूजी छात्र सेंट्रल पैथोलॉजी लैब पहुंच गए और किसी बात को लेकर डेटा ऑपरेटर से विवाद शुरू हो गया। इस दौरान उग्र छात्रों ने लैब में तोड़फोड़ भी की, जिससे खिड़की के शीशे टूट गए। मारपीट की सूचना मिलते ही अस्पताल अधीक्षक, प्रिंसिपल और वरीय डॉक्टर मौके पर पहुंचे। नियंत्रण के लिए बेंता पुलिस को भी बुलाया गया। इस घटना के बाद डेटा ऑपरेटर और लैब टेक्निशियन ने काम बंद कर दिया है, जिससे लगातार दूसरे दिन जांच सेवाएं ठप रही। बताया जा रहा है कि बुधवार को रजिस्ट्रेशन काउंटर पर किसी बात को लेकर छात्रों और कर्मियों के बीच विवाद हुआ था, जो मारपीट में बदल गया था। उस समय अस्पताल प्रशासन ने मामले को सुलझाने का दावा किया था, लेकिन गुरुवार को फिर से हिंसक घटना सामने आ गई। पैथोलॉजी लैब के टेक्निशियन उदयशंकर सिंह ने बताया कि बुधवार की घटना के बाद कर्मियों की ओर से छात्रों से माफी भी मांगी गई थी। प्रशासन के समझाने के बावजूद छात्र नहीं माने। दूसरे दिन फिर से छात्रों ने हंगामा कर काम बंद करा दिया। आरोपियों की पहचान कर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। लगातार दो दिनों से चल रहे विवाद और जांच सेवाओं के ठप रहने से मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति को देखते हुए जूनियर डॉक्टर संगठन के प्रतिनिधियों और डीएमसीएच के अधीक्षक डॉ जगदीश चंद्र के बीच वार्ता हुई। एजेंसियों को तीन डाटा ऑपरेटर को हटाने पर सहमति बनी। इसके बाद माहौल शांत हुआ।

## नवरात्र में पटना जंक्शन और ट्रेनों में मिलेगा शुद्ध सात्विक भोजन, बिना लहसुन-प्याज के तैयार होंगी फलाहारी थालियां

**पटना, एजेंसी।** नवरात्र पर्व के मद्देनजर रेलवे ने यात्रियों, विशेषकर व्रत रखने वालों के लिए विशेष खानपान व्यवस्था शुरू की है। गुरुवार से लागू इस व्यवस्था के तहत 19 मार्च से 27 मार्च तक पटना जंक्शन समेत विभिन्न ट्रेनों में शुद्ध और सात्विक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

यात्रियों के लिए फल, जूस, दूध और विभिन्न प्रकार के फलाहार की भी व्यवस्था की गई है। व्रतधारियों के लिए विशेष थाली में सेंधा नमक से बने व्यंजन जैसे आलू-जीरा, साबूदाना खिचड़ी और साबूदाने की खीर शामिल हैं। नाश्ते में केला, सेब समेत अन्य फल उपलब्ध कराए जाएंगे।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेनों के पेंट्रीकार में बिना लहसुन और प्याज का भोजन तैयार किया जा रहा है, ताकि व्रतधारी यात्री अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भोजन कर सकें। यात्रियों को उनकी पसंद के अनुसार यह भोजन आसानी से उपलब्ध होगा।

सिर्फ ट्रेनों में ही नहीं, बल्कि स्टेशन परिसर के खानपान स्टालों पर भी सात्विक मेन्यू लागू किया गया है। कैटरिंग स्टाफ को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि भोजन पूरी तरह शुद्ध और निर्धारित मानकों के अनुरूप ही तैयार किया जाए। नवरात्र के दौरान यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।

यात्रियों की सुविधा के लिए स्टेशन परिसर में सूचना पट्टिकाएं और दिशा-सूचक बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे जनाहार केंद्र तक पहुंचना आसान हो सके। फलाहार में कुट्टू की पकौड़ी, दही, साबूदाना खिचड़ी, खीर, सिंघाड़ा और व्रत मसालों से बने अन्य व्यंजन भी शामिल किए गए हैं। रेलवे की इस पहल से नवरात्र के दौरान यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को काफी राहत मिलेगी।

## भोजपुर में कुएं में डूबने से बुजुर्ग की मौत, घर के पास बैठे हुए थे, बैलेंस बिगडने से नीचे गिरे

**आरा(भोजपुर), एजेंसी।** भोजपुर में कुएं में डूबने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया। मृतक की पहचान अवधेश सिंह(70) के तौर पर हुई है। घटना पवना थाना क्षेत्र के नरौनी गांव की है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में उनके घर के पास ही एक कुआं है। गुरुवार को वहीं पर बैठे हुए थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से कुएं में गिर पड़े। कुछ समय तक किसी को इसकी जानकारी नहीं हो सकी। बाद में कुछ लोगों की नजर कुएं पर पड़ी तो अंदर शव को तैरता देखा। तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी गई।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कुएं से बाहर निकलवाया और अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। अवधेश सिंह चार भाइयों और तीन बहनों में सबसे बड़े थे। उन्होंने शादी नहीं की थी। छोटे भाई के साथ रहते थे। मौत की खबर से पूरे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

## मुजफ्फरपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, खिड़की का शीशा टूटा

**मुजफ्फरपुर, एजेंसी।** मुजफ्फरपुर जिले में वंदे भारत एक्सप्रेस पर एक बार फिर पथराव हुआ है। गुरुवार शाम पाटलिपुत्र से गोरखपुर जा रही गाड़ी संख्या 22531 (वंदे भारत एक्सप्रेस) पर असामाजिक तत्वों ने पत्थर फेंके। जिससे ट्रेन के अंदर यात्रियों में दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वंदे भारत एक्सप्रेस शाम करीब 5:00 बजे मुजफ्फरपुर जंक्शन से मोतिहारी की ओर निकली थी। सवा पांच बजे के आसपास जब ट्रेन कपरपूरा और कांटी के बीच सुनसान इलाके से गुजर रही थी, तभी बाहर से पथराव कर दिया गया। एक बड़ा पत्थर सीधे कोच नंबर सी–5 की सीट नंबर 31 की खिड़की पर लगा। खिड़की का मजबूत सुरक्षा कवच वाला कांच चकनाचूर हो गया।

सीट नंबर 31 पर एक महिला अपने छोटे बच्चे के साथ यात्रा कर रही थी। कांच टूटने की तेज आवाज और पत्थर के प्रहार से वह इतनी डर गई कि जान बचाने के लिए तुरंत सीट के नीचे छिप गई। कोच में मौजूद अन्य यात्री भी अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हो गए और सीटों से उठकर सुरक्षित कोनों की तलाश करने लगे। यात्रियों के अनुसार, कुछ पल के लिए ऐसा लगा मानो कोई बड़ा हमला हुआ हो। घटना की सूचना मिलते ही ट्रेन में तैनात टीटीई, आरपीएफ के जवान और अन्य ऑन–बोर्ड रेल कर्मी तुरंत प्रभावित कोच ष्ट–5 में पहुंचे। सुरक्षा बलों ने डरे हुए यात्रियों, विशेषकर उस महिला यात्री को ढांढस बंधाया और स्थिति को नियंत्रण में लिया। आरपीएफ इंस्पेक्टर भरत प्रसाद ने बताया कि ट्रेन के बापूधाम मोतिहारी जंक्शन पहुंचते ही तकनीकी और सुरक्षा टीम ने कोच का मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। रेलवे सुरक्षा बल ने अज्ञात शरारती तत्वों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरपीएफ ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से कपरपूरा और कांटी के बीच के इलाकों में सर्च

ऑपरेशन शुरू करने की बात कही है। अधिकारियों का कहना है कि दोषियों को चिन्हित कर जल्द ही सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। वंदे भारत जैसी हाई–स्पीड और आधुनिक ट्रेन पर पथराव की यह पहली घटना नहीं है, लेकिन मुजफ्फरपुर के इस संवेदनशील खंड पर हुई वारदात ने यात्रियों के मन में असुरक्षा का भाव पैदा कर दिया है। जांच और शुरुआती कागजी कार्रवाई के बाद यात्री फिर से अपनी सीटों पर लौटे, जिसके बाद ट्रेन अपने गंतव्य गोरखपुर के लिए रवाना हुई।

## समस्तीपुर में जवान का अंतिम संस्कार, 14 साल का दिव्यांग बेटा शहीद पिता को मुखअग्नि दी

**समस्तीपुर, एजेंसी।** जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से मुठभेड़ में शहीद हुए समस्तीपुर के जवान सीताराम राय (40) का पार्थिव शरीर शुक्रवार सुबह उनके पैतृक गांव मोरवा के लोदीपुर पहुंचा। शहीद के अंतिम दर्शन के लिए पूरा गांव उमड़ पड़ा। पार्थिव शरीर को देखकर पत्नी बार-बार बेहोश हो रही थी। वो कह रही थी, उठ जाओ ना14 साल का दिव्यांग बेटा शहीद पिता को मुखअग्नि दी। शहीद की पत्नी डीएम रोशन कुशवाहा को पकड़कर रोने लगी। शहीद की पत्नी ने कहा कि, वो तो चले गए अब हम लोगों का क्या होगा। इस दुनिया में अब हमारा कोई सहारा नहीं रहा। मेरे बच्चों का क्या होगा। वो कहां चले गए। उनकी कमी कैसे पूरी होगी। अंतिम यात्रा के साथ-साथ करीब एक किलोमीटर तक लोगों की भीड़ है। कईयों के हाथ में शहीद सीताराम राय की तस्वीर है। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से इलाका गूंज रहा है। स्थानीय विधायक रणविजय साहु भी श्रद्धांजलि देने पहुंचे हैं। साल 2002 में उनकी बहाली इंडियन आर्मी में सिपाही के पद पर हुई थी। तब से कई सर्च ऑपरेशन में शामिल हुए थे।

सीताराम राय
शहीद

### पत्नी से वीडियो कॉल पर हुई थी बात

बुधवार की सुबह पत्नी सुमन राय से ड्यूटी पर जाने के दौरान वीडियो कॉल पर बात हुई थी। शहीद जवान के दोस्त सर्वेंदु ने कहा कि पत्नी से उन्होंने बताया था कि वो ड्यूटी पर जा रहे हैं। उसके बाद सुबह 11 बजे के करीब पत्नी को आर्मी यूनिट से फोन आया कि उन्हें गोली लग गई है। कुछ देर बाद मोबाइल पर शहीद हो जाने की सूचना आई। सीताराम राय के पिता कोलकाता में ठेला चलाने का काम करते थे। उन्होंने कहा कि, बेटे को ठेला चलाकर सेना में भेजा था। उसी की कमाई से घर चलता था।

शहीद के पिता सूरज राय ने बताया, 'हमने बहुत गरीबी में बच्चों को पढ़ाया था। मैं कोलकाता में ठेला चलाने का काम करता था। नहीं चाहता था कि बच्चे कभी वो दुख देखें जो मैंने देखा। इसलिए उन्हें हमेशा पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मैं क्या करता हूं। कैसे पैसे कमाता हूं ये नहीं बताया। सीताराम का गांव के ही सरकारी स्कूल में एडमिशन कराया था। गांव के ही प्राइमरी और हाई स्कूल की पढ़ाई करने के बाद पटौदी कॉलेज से उसने इंटर की पढ़ाई की। इसके बाद उसका सिलेक्शन सेना में हो गया। बाद के दिनों में डिस्टेंस से उसने ग्रेजुएशन की पढ़ाई की। जिसके बाद उसे प्रमोशन मिला था और इन दिनों वह हवलदार बन गया था।' शहीद जवान के छोटे भाई शिवानंद राय ने बताया कि मुझे फोन से बुधवार रात 11 बजे जानकारी मिली कि भाई शहीद हो गए हैं। वो साढ़ू के बेटे के शादी में आए थे। 15 दिन पहले ही यहां से गए थे। अप्रैल में घर आने वाले थे। उनके आने पर बहुत सारे काम करने थे। भतीजा दोनों पैर से दिव्यांग है। घर भी बनवाना था। पिता भी बीमार रहते हैं। वो बहुत मदद करते थे। अब आगे कैसे करेंगे पता नहीं।

## बिहार के रोड सेक्टर में आईटी कंपनियों का बढ़ता दखल, तकनीक से बदल रहा निर्माण और रखरखाव

**पटना, एजेंसी।** अब वो दृश्य बीते दिनों का हो गया जब बिहार में सड़कों का एलाइनमेंट तय करने को इंजीनियर कई दिनों तक संबंधित इलाके का मुआयना करते रहते थे। हाल के दिनों में बड़ी संख्या में आईटी कंपनियां अपने सॉल्यूशंस के साथ बिहार में काम कर रही। एआई और मशीन लर्निंग तो बड़े स्तर पर आ ही गया है साथ में कई इनोवेटिव सॉल्यूशंस के साथ कंपनियां बिहार में काम करने की तैयारी में हैं। सड़कों के एलाइनमेंट को ले इस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा। इस टेक्नोलाजी के साथ कई आईटी कंपनियां बिहार में काम कर रहीं। आमस-दरभंगा सड़क के एलाइनमेंट के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। इस सड़क के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल कर एलआईडीएआर (लाइट डिटेक्शन एंज रेंजिंग) सर्वे किया गया।

सड़कों की स्थिति परखने के लिए भी इस तकनीक का इस्तेमाल हो रहा। इसके तहत सेंसर सड़क की सतह के छोटे गड्ढे और दरार को चिह्नित करता है।

# विचार-मंथन

## संपादकीय

### अस्पतालों में लग रही है आग, लापरवाही की कीमत चुका रहे हैं मरीज

छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक अमूमन हर जगह निजी और छोटे अस्पताल बिना वैध लाइसेंस और सुरक्षा प्रमाणपत्र के चलते पाए जाते हैं। किसी भी सरकारी या निजी अस्पताल में मरीज प्राय- अपने जीवन की रक्षा के लिए जाते हैं, लेकिन जब वहीं उनकी जान जोखिम में पड़ जाए, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी है? चिकित्सा को व्यवसाय बना कर देश में हर जगह खुल रहे अस्पतालों में जिस तरह सुरक्षा नियमों की अनदेखी की जाती है, उस पर सवाल उठना स्वाभाविक है। दिल्ली से लेकर कोलकाता, झांसी, अहमदाबाद और जयपुर तक सभी जगहों पर आग लगने की घटनाओं में मरीजों की मौत की वजह अग्निशमन संबंधी सुरक्षा मानकों में घोर लापरवाही पाई गई।ओडिशा के कटक में रविवार देर रात राज्य सरकार द्वारा संचालित एससीबी मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में भीषण आग मरीजों के लिए सबसे सुरक्षित सघन चिकित्सा कक्ष में लग गई और उसमें कम से कम दस मरीजों की मौत हो गई और ग्यारह चिकित्सा कर्मचारी झुलस गए। यह तब है जबकि मुख्यमंत्री ने कुछ महीने पहले ही राज्य के सभी चिकित्सा संस्थानों को आग से बचाव के उपाय करने की हिदायत दी थी।सवाल है कि क्या वहां अग्नि सुरक्षा के बुनियादी मानकों का भी पालन नहीं किया जा रहा था? इस लापरवाही की जवाबदेही किसकी है? यह दुखद है कि अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं से कभी सबक नहीं लिया गया। कई जगहों पर तो आग से बचाव के साधन नहीं थे, तो कहीं आपातकालीन निकास की उचित व्यवस्था नहीं थी। यहां तक कि अग्निशमन सुरक्षा प्रमाणपत्र की मियाद निकल जाने पर भी न तो अस्पतालों को चेतावनी दी जाती है और न ही उन पर कोई कड़ी कार्रवाई होती है।छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक अमूमन हर जगह निजी और छोटे अस्पताल बिना वैध लाइसेंस और सुरक्षा प्रमाणपत्र के चलते पाए जाते हैं। क्या ऐसा संबंधित महकमे की लापरवाही और अधिकारियों की सांठगांठ के बिना संभव हो सकता है?कायदे से सभी चिकित्सा संस्थानों में अग्नि से बचाव के साधनों की नियमित और सख्ती से जांच की जानी चाहिए। ऐसा न होने का ही नतीजा है कि ओडिशा में अति सुरक्षित सघन चिकित्सा कक्ष में भर्ती कई मरीजों की जान चली गई।

### ताक पर मानवता-स्कूल और मासूमों को बनाया जा रहा निशाना

दुनिया भर में बढ़ते युद्धों के बीच मानवीय मूल्यों और अंतरराष्ट्रीय नियमों की अनदेखी हो रही है। काबुल, लेबनान, यूक्रेन और ईरान में अस्पतालों, स्कूलों और चिकित्सा सुविधाओं पर हमलों से बड़ी संख्या में नागरिक मारे गए। जिनेवा कन्वेंशन के बावजूद ऐसे हमले जारी हैं।युद्ध के मौजूदा दौर में मानवीय मूल्यों को ताक पर रखा जा रहा है। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक एडिक्शन ट्रीटमेंट हॉस्पिटल पर पाकिस्तान की एयर स्ट्राइक में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों घायल हैं। हाल में यह इस तरह की अकेली घटना नहीं है।इस मामले में पाकिस्तान की दलील है कि उसने सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया था। हालांकि यह उसकी अपनी करतूतों पर पर्दा डालने की एक नाकाम कोशिश है। भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे सैन्य कार्रवाई के नाम पर किया गया नरसंहार बताया है। पिछले साल भी जब पाकिस्तान-अफगानिस्तान में टकराव हुआ था, तो पाकिस्तानी सेना ने अफगानी क्रिकेटर्स को निशाना बनाया था।यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान तक, जैसे-जैसे संघर्ष का दायरा बढ़ रहा है, मानवता को आघात पहुंच रहा है। पिछले शुक्रवार को दक्षिण लेबनान में एक मेडिकल सेंटर पर इस्राइल ने हमला किया था, जिसमें 12 स्वास्थ्यकर्मियों की जान चली गई। लेबनान का दावा है कि मौजूदा संघर्ष शुरू होने के बाद से चिकित्सा सुविधाओं पर कम से कम 37 हमले हुए हैं और 31 हेल्थकेयर स्टाफ की मौतें हुई हैं। इसी तरह, ईरान पर हमले के पहले ही दिन अमेरिका-इस्राइल की मिसाइल एक स्कूल पर जा गिरी थी, जिसमें लगभग 170 लोगों की मौत हो गई और इसमें ज्यादातर बच्चे थे।अंतरराष्ट्रीय कानून, खासकर जिनेवा कन्वेंशन कहता है कि जीवन के लिए जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला नहीं किया जा सकता। मेडिकल स्टाफ को हर हाल में सुरक्षित रखा जाना चाहिए।

*निश्चित तसौर पर यह कहा जा सकता है कि चुनाव केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच नहीं हैं, बल्कि वे लोकतंत्र के मूल्यों की परीक्षा भी हैं। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले चुनाव इस दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि इन चुनावों में राजनीतिक दल संयम और जिम्मेदारी का परिचय दें, चुनाव आयोग अपनी निष्पक्षता और दृढ़ता बनाए रखे तथा मतदाता जागरूकता के साथ मतदान करें।*

## राजनीतिक जंग के आगाज में लोकतांत्रिक मूल्य फिर दांव पर

(ललित गर्ग)

इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। भारत जैसे विशाल लोकतांत्रिक देश में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन की प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे लोकतंत्र की परिपक्वता, जनविश्वास और राजनीतिक संस्कृति की परीक्षा भी होते हैं। जब किसी राज्य या क्षेत्र में चुनाव की घोषणा होती है तो स्वाभाविक रूप से राजनीतिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं, आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलता है और दल अपने-अपने एजेंडे को लेकर जनता के बीच पहुंचते हैं। किंतु इस पूरी प्रक्रिया के केंद्र में एक संस्था की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है-भारत का चुनाव आयोग। यही संस्था सुनिश्चित करती है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और हिंसा-मुक्त वातावरण में संपन्न हों। इस बार असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल जैसे चार बड़े राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही देश की राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। इन पांचों स्थानों की कुल 824 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है और देश के 17.4 करोड मतदाताओं के मन एवं मानसिकता की जानकारी भी मिलेगी। पिछली बार की तुलना में इस बार मतदान कम चरणों में संपन्न कराया जा रहा है, जो प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा सकता है। असम, केरल और पुडुचेरी में जहां 9 अप्रैल को मतदान प्रस्तावित है, वहीं तमिलनाडु की सभी 234 सीटों पर 23 अप्रैल को मतदान होना है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में आयोजित किए जा रहे हैं-पहले चरण में 23 अप्रैल को 152 सीटों पर और दूसरे चरण में 29 अप्रैल को 142 सीटों पर मतदान होगा। इन चुनावों की ओर पूरे देश की निगाहें लगी हुई हैं, क्योंकि इनके परिणाम केवल इन राज्यों की राजनीति ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय राजनीतिक परिदृश्य को भी प्रभावित कर सकते हैं। इन चुनावों का महत्व केवल राजनीतिक सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य की भी परीक्षा है। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल में लंबे समय से राजनीतिक संघर्ष और टकराव की स्थिति देखने को मिलती रही है। वहां सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी के बीच तीखी राजनीतिक प्रतिस्पर्धा है। इस प्रतिस्पर्धा के कारण कई बार चुनावी हिंसा और राजनीतिक तनाव की घटनाएं भी सामने आती रही हैं। इसलिए यह चुनाव केवल सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि यह भी एक कसौटी है कि क्या लोकतांत्रिक प्रक्रिया हिंसा और भय से मुक्त रहकर संपन्न हो सकती है। लोकतंत्र का मूल आधार यह है कि प्रत्येक मतदाता बिना किसी दबाव, भय या प्रलोभन के अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में इस आदर्श को बनाए रखना आसान नहीं है। चुनाव आयोग के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होती है कि चुनाव प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहे। इसके लिए आयोग को सुरक्षा बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों की व्यवस्था, इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों की सुरक्षा और मतदाता सूची की शुद्धता जैसे अनेक पहलुओं पर लगातार निगरानी रखनी पड़ती है। इसके अतिरिक्त राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्ताओं के आचरण पर भी नजर रखना जरूरी होता है ताकि चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न हो। इन चुनावों के संदर्भ में पश्चिम बंगाल विशेष चर्चा का विषय बना हुआ है। लंबे समय से वहां राजनीतिक हिंसा और टकराव की घटनाएं सामने आती रही हैं। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस बार वहां सत्ता परिवर्तन की संभावना के कारण राजनीतिक संघर्ष और तीखा हो सकता है। सत्तारूढ़ नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करने वाली ममता बनर्जी की सरकार के सामने सत्ता बनाए रखने की चुनौती है, वहीं विपक्ष अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। इस परिस्थिति में चुनाव आयोग की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वह मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण बनाए रखे। दूसरी ओर केरल और तमिलनाडु की राजनीति भी अपने विशिष्ट स्वरूप के कारण चर्चा में रहती है। केरल में आमतौर पर सत्ता दो प्रमुख राजनीतिक मोर्चों के बीच बदलती रही है, जबकि तमिलनाडु की राजनीति क्षेत्रीय दलों के प्रभाव के लिए जानी जाती है। इन राज्यों में चुनावी प्रतिस्पर्धा तीव्र होती है, किंतु अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण वातावरण में मतदान की परंपरा भी देखने को मिलती है। असम की स्थिति भी अलग है, जहां पूर्वोत्तर भारत की राजनीति के संदर्भ में चुनाव के परिणाम महत्वपूर्ण माने जाते हैं। यदि वहां सत्तारूढ़ दल फिर से सत्ता में लौटता है तो यह क्षेत्रीय राजनीति के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत माना जाएगा। हालांकि इन सभी चुनावों के संदर्भ में एक प्रश्न लगातार उठता है कि क्या राजनीतिक दल लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करने के लिए पर्याप्त गंभीर हैं। चुनावी राजनीति में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, किंतु जब यह प्रतिस्पर्धा हिंसा, घृणा और असहिष्णुता में बदल जाती है तो लोकतंत्र की मूल भावना को चोट पहुंचती है। दुर्भाग्य से कई बार राजनीतिक दल चुनाव जीतने की होड़ में लोकतांत्रिक शालीनता को नजरअंदाज कर देते हैं। आरोप-प्रत्यारोप, व्यक्तिगत हमले और हिंसक घटनाएं इस प्रवृत्ति के उदाहरण हैं। इस स्थिति में यह केवल चुनाव आयोग की जिम्मेदारी नहीं रह जाती कि वह चुनाव को निष्पक्ष बनाए। राजनीतिक दलों और उनके नेताओं की भी उतनी ही जिम्मेदारी है कि वे लोकतंत्र की गरिमा को बनाए रखें। यदि दल स्वयं ही आचार संहिता का सम्मान करें और अपने कार्यकर्ताओं को संयमित आचरण के लिए प्रेरित करें तो चुनावी प्रक्रिया कहीं अधिक स्वस्थ और सकारात्मक बन सकती है। लोकतंत्र की सफलता केवल संस्थाओं पर निर्भर नहीं करती, बल्कि राजनीतिक संस्कृति और सामाजिक चेतना पर भी निर्भर करती है। इसके साथ ही मतदाताओं की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता के हाथ में होता है। यदि मतदाता जागरूक और सजग हों तो वे ऐसे नेताओं और दलों को प्रोत्साहित करेंगे जो लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करते हैं। मतदाताओं को यह समझना होगा कि उनका वोट केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की दिशा तय करने वाला निर्णय भी है। इन पांच क्षेत्रों में होने वाले चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे यह संदेश देंगे कि भारत का लोकतंत्र किस दिशा में आगे बढ़ रहा है। यदि ये चुनाव शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं तो यह न केवल देश के लिए बल्कि दुनिया के लिए भी एक सकारात्मक उदाहरण होगा।

## हिमालय में बढ़ते संकट पर समाधान की तलाश

(दिलीप लाल)

हिमालय पूरे दक्षिण एशिया के पर्यावरणीय संतुलन की आधारशिला है। भारत की प्रमुख नदियां सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र यहीं से निकलती हैं। करोड़ों लोगों की जल-सुरक्षा इसी पर निर्भर है और असंख्य वनस्पतियों व जीव-जंतुओं का जीवन भी इसी पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ा हुआ है। लेकिन पिछले कुछ दशकों में हिमालय का यह नाजुक संतुलन तेजी से बिगड़ता दिखाई दे रहा है। भूस्खलन, अचानक आने वाली बाढ़, बादल फटना, पहाड़ी शहरों में जल-संकट और पर्यावरणीय क्षरण जैसी घटनाएं अब सामान्य होती जा रही हैं। इस संकट के पीछे कई कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे बड़ा कारण है अनियंत्रित और असंतुलित विकास। पहाड़ी क्षेत्रों में बिना पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन के बड़े पैमाने पर सड़कें, होटल, बहुमंजिला इमारतें और अन्य ढांचागत परियोजनाएं खड़ी की जा रही हैं। पहाड़ों की ढलानों की वहन क्षमता और भूगर्भीय संवेदनशीलता को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप थोड़ी सी बारिश या भूकंपीय गतिविधि भी भूस्खलन और भू-धंसाव जैसी घटनाओं को जन्म देती है। दूसरा बड़ा कारण तेजी से बढ़ता पर्यटन है। हिमालयी राज्यों के अनेक प्रसिद्ध स्थलों पर छुट्टियों और लंबे सप्ताहांत के दौरान पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ जाती है। इससे वाहनों की संख्या बढ़ती है, प्रदूषण में इजाफा होता है और सीमित संसाधनों वाले पहाड़ी कस्बों पर भारी दबाव पड़ता है। जल, बिजली, कचरा प्रबंधन और यातायात जैसी बुनियादी व्यवस्थाएं इस दबाव को संभालने में अक्सर असमर्थ दिखाई देती हैं। वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन भी हिमालय की समस्याओं को और जटिल बना रहे हैं। तापमान में बदलाव, अनियमित वर्षा और चरम मौसम की घटनाओं में वृद्धि से हिमालय की पारिस्थितिकी पर गहरा असर पड़ रहा है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने और वर्षा के पैटर्न में बदलाव से नदियों के प्रवाह और जल उपलब्धता पर भी दीर्घकालिक प्रभाव पड़ सकता है। इन चुनौतियों का समाधान केवल चेतावनियों से नहीं, बल्कि ठोस नीति और दूरदर्शी योजना से संभव है। इसी दिशा में हाल ही में नई दिल्ली के इंडिया इंटरनैशनल सेंटर में हिमालयन राउंडटेबल का आयोजन किया गया, जिसमें नीति-निर्माताओं, जलवायु वैज्ञानिकों, वास्तुकारों, पर्यावरण विशेषज्ञों और प्रशासन से जुड़े विशेषज्ञों ने हिमालयी विकास की चुनौतियों पर गहन विचार-विमर्श किया। इस चर्चा में विशेषज्ञों ने इस बात पर जोर दिया कि हिमालय के लिए विकास का दृष्टिकोण सामान्य मैदानी क्षेत्रों से अलग होना चाहिए। वास्तुकला और अवसंरचना निर्माण को स्थानीय भूगोल, जलवायु और पारिस्थितिकी के अनुरूप तैयार करना होगा। साथ ही जिम्मेदार पर्यटन, मजबूत पर्यावरणीय नियम, वैज्ञानिक आधार पर भूमि उपयोग योजना और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी को भी प्राथमिकता देनी होगी।यह पहल सीपी कुकरेजा फाउंडेशन फॉर डिजाइन एक्सिलेंस की ओर से की गई है, जो वास्तुकला, शहरी नियोजन और स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर शोध और संवाद को प्रोत्साहित करती है। सीपी कुकरेजा आर्किटेक्ट्स के एमडी दिक्षु सी. कुकरेजा ने निर्माण के पारंपरिक तरीकों को अमल में लाने और हिमालय की सुरक्षा पर बेहतर योजना बनाने की जरूरत है। TERI के वरिष्ठ निदेशक दीपांकर सहारिया ने हिमालय में अनियमित वर्षा, भूस्खलन और अचानक आने वाली बाढ़ को रोकने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया।

## आज का राशिफल

### मेष
आज का दिन मेहनत और प्रगति से भरा रहेगा। सकारात्मक सोच आपको आगे बढ़ने में मदद करेगी, हालांकि दिनचर्या थोड़ी बिगड़ सकती है। काम में मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी, जिससे आपको नतीजे अच्छे मिलेंगे। दोस्तों के जरिए कमाई के नए मौके मिल सकते हैं। इसमें आपको आपकी माता का सहयोग मिलेगा। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

### वृष
आज मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है। आज आपको परिवार की कुछ बातें भी परेशान कर सकती हैं। नौकरी या फिर इंटरव्यू से जुड़े मामलों में आपको सफलता मिल सकती है, लेकिन आपके खर्च बढ़ सकते हैं। इसलिए आप आपका बजट संभालकर चलें। वहीं आज आपको पुराने दोस्तों से मिलना खुशी देगा। माता-पिता के आशीर्वाद से आपका कोई रोक हुआ काम पूरा होगा।

### मिथुन
आज का दिन मिला-जुला रहेगा। गुस्से और बेवजह के विवाद से थोड़ा दूर रहें। दोस्तों के सहयोग से आय के नए रास्ते खुल सकते हैं, लेकिन आपके खर्च भी बढ़ेंगे। रिश्तों में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। मानसिक तनाव और चिड़चिड़ापन महसूस हो सकता है।

### तुला
आज आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। काम में आपको सफलता मिलेगी। इतना ही नहीं आज आपको अधिकारियों का भी सहयोग मिलेगा। नौकरी में बदलाव के योग बन सकते हैं। आय में बढ़ोतरी के संकेत हैं, ऑफिस के किसी काम से आपको बाहर जाना पड़ सकता है। किसी से कोई जरूरी जानकारी शेयर नहीं करनी है। सेहत का ध्यान रखें।

### वृश्चिक
आज गुस्से पर काबू रखना जरूरी होगा। साथ ही आज आपको काम में मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी, लेकिन दोस्तों के सहयोग से बिजनेस में बदलाव संभव है। आपकी आय बढ़ेगी, हालांकि खर्च भी साथ-साथ बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी का साथ मिलेगा और सेहत सामान्य रहेगी।आज अपने काम करने के तरीकों में बदलाव लाएंगे। अच्छा ऑफर मिल सकता है।

### धनु
आज मन शांत रहेगा और परिवार में अच्छा माहौल बना रहेगा। साथ ही आज आपको काम में दोस्तों का सहयोग मिलेगा। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन आमदनी भी बनी रहेगी। जीवनसाथी के साथ हल्का मतभेद हो सकता है। पेट से जुड़ी समस्या से बचने के लिए खानपान का ध्यान रखें।आज किसी बुजुर्ग की मदद करने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

### कर्क
आज धैर्य और संयम से काम लेना होगा। सफलता के लिए मेहनत बढ़ानी पड़ेगी। नौकरी या फिर कार्यक्षेत्र में बदलाव के संकेत मिल सकते हैं। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन जीवनसाथी का साथ मिलेगा। मानसिक तनाव से बचने की कोशिश करें।आज आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। फौरन से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है।

### सिंह
आज का दिन आपके लिए शुभ संकेत लेकर आया है। पढ़ाई और करियर में सफलता मिलने के योग हैं। धन लाभ के अवसर मिल सकते हैं। जीवनसाथी के साथ नोकझोंक हो सकती है। आंखों से संबंधित कोई समस्या आ सकती है समय समय पर चेकअप करवाते रहें। जल्दबाजी में आप करियर को लेकर कोई निर्णय न लें। जो लोग नौकरी की तलाश में है।

### कन्या
आज मन खुश रहेगा, लेकिन आज कुछ चुनौतियां सामने आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। साथ ही आप उन्हें अच्छे से निभा पाएंगे। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। तनाव से दूर रहकर धैर्य बनाए रखें।

### मकर
आज दिन उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है, लेकिन अंत में अच्छे परिणाम मिलेंगे। नए काम या फिर बिजनेस के अवसर सामने आ सकते हैं। आय में बढ़ोतरी और निवेश के मौके मिलेंगे। रिश्तों में मिठास आएगी और सेहत भी अच्छी रहेगी। आज आपकी नए कार्यों में रुचि बढ़ेगी। जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आप फिजूल के खर्च को कम करने का प्रयास करेंगे।

### कुंभ
आज आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन काम में चुनौतियां आ सकती हैं। मेहनत ज्यादा करनी पड़ेगी। सफलता थोड़ी देर से मिलेगी। खर्च बढ़ सकते हैं, लेकिन लाभ भी संभव है। परिवार का सहयोग मिलेगा और स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। रिश्तो में आपको तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता है। आप किसी के कहने में आकर कोई बड़ा निवेश न करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

### मीन
आज रुझान धर्म और कला की ओर बढ़ेगा। साथ ही परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। दोस्तों के सहयोग से लाभ मिल सकता है। धन लाभ के संकेत हैं। जीवनसाथी की सेहत का ध्यान रखें और मानसिक तनाव से बचें।आज आपको पहले किए किसी सामाजिक कार्य के लिए सम्मान मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ टाइम स्पेंड करेंगे। जिससे उनके रिश्ते मजबूत होंगे।

## सुडोकू पहेली — क्रमांक- 6037

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 2 | | 8 | | 5 | | 7 | |
| | | 7 | | | | | | 3 |
| | 1 | 5 | 7 | | | | | |
| | | 2 | | | | | 3 | 1 |
| | 4 | | 3 | 9 | 1 | | 5 | |
| 1 | 5 | | | | | 8 | | |
| | | | | | 7 | 3 | 4 | |
| 8 | | | | | | 9 | | |
| | 3 | | 1 | | 4 | | 6 | 7 |

**नियम :** प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 6036

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 3 | 2 | 5 | 6 | 1 | 8 | 4 | 9 |
| 8 | 1 | 5 | 4 | 2 | 9 | 3 | 7 | 6 |
| 6 | 9 | 4 | 7 | 8 | 3 | 5 | 2 | 1 |
| 1 | 8 | 3 | 6 | 5 | 2 | 7 | 9 | 4 |
| 4 | 2 | 9 | 8 | 1 | 7 | 6 | 3 | 5 |
| 5 | 7 | 6 | 9 | 3 | 4 | 2 | 1 | 8 |
| 9 | 4 | 8 | 3 | 7 | 5 | 1 | 6 | 2 |
| 3 | 6 | 1 | 2 | 9 | 8 | 4 | 5 | 7 |
| 2 | 5 | 7 | 1 | 4 | 6 | 9 | 8 | 3 |

## वर्ग पहेली 6037

**संकेतः बाएं से दाएं**

1. दुनिया की सबसे लंबी गुफा इस देश में है इसकी लंबाई का अंदाजा इसी बात से लगया जा सकता है किस इसमें एक नदी और जंगल भी है (5)
5. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने पर प्राप्त होने वाला गुणनफल (2)
6. लुब्ध करना, चुग्गा डालना या दाना डालना (5)
8. एक प्रशंसा सूचक संबंधी उद्गार (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी)(2)
11. सनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
13. आसान, सरल, सामान्य (3)
17. रस्म, प्रथा, दस्तूर, रीति (3)
18. दौड़ने वाला, दौड़ाक (3)
21. दोष, मनोविकार, तकलीफ (2)
22. हीन होने का भाव, अभाव (3)
24. एक स्त्री से प्रेम करने वाले आपस में दो व्यक्ति (2)
25. निशाना, अनुमेय (2)

**ऊपर से नीचे**

1. पंजाब की व्यास नदी का नाम, जिसका अर्थ होता है पाशमुक्तकारिणी (3)
2. खोजना, चाहना (4)
3. कमल, कुमुद आदि की लंबी और खोखली डंडी, लोहे का अर्धचंद्राकार टुकडा (2)
4. मचलने का भाव, लालसा, हठ (3)
5. यह देश पश्चिमी अफ्रीका में है जिसकी राजधानी अकरा है (2)
7. गंगा नदी को यह भी कहा गया है (5)
9. नाट्य वेश , परिधान, वर्णधर्म (2)
12. असम की पहाड़ियों में बसने वाली एक जंगली जाति, अनुपस्थिति, गैर हाजिरी (2)
14. विविध भारती से नाटकों पर आधारित एक दैनिक कार्यक्रम (5)
15. न्यायाधी, फैसला करने वाला (2)
16. अवरोधहीन, अबाधित (4)
19. जंगल, अरण्य, कानन (2)
20. पंक्ति, श्रेणी, क्रम, सिलसिला (3)
23. समस्त, एक प्रसिद्ध टीवी चेनल (2)

### वर्ग पहेली 6036 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | मे | रि | का | | स | | रो |
| मी | न | | म | क | र | ध्व | ज |
| न | का | र | ना | | प | स्त | |
| स | | सि | | ना | र | | मा |
| या | च | क | | म | स्त | मौ | ला |
| नी | ल | | ना | ज | | ल | |
| | ता | ना | | द | | वी | र |
| ता | ऊ | | जा | गी | र | | क्षा |

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

# गोलमाल 5 में अक्षय कुमार की एंट्री

निर्माता-निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपने फैंस को एक बड़ा तोहफा दिया है। निर्देशक ने अपनी सबसे सफल फ्रेंचाइज 'गोलमाल 5' की घोषणा कर दी है। इसकी घोषणा करते हुए रोहित ने एक लंबा नोट लिखा है, साथ ही एक मजेदार वीडियो भी साझा किया है। सबसे खास बात ये है कि इस वीडियो में मेकर्स ने फैंस को एक बड़ा सरप्राइज भी दिया है।

## अक्षय कुमार की हुई फिल्म में नई एंट्री

'गोलमाल 5' में असल सरप्राइज शरमन जोशी नहीं बल्कि अक्षय कुमार हैं। जी हां, गोलमाल फ्रेंचाइज में अब अक्षय कुमार की भी एंट्री हो गई है। रोहित द्वारा शेयर किए गए वीडियो में अंत में अक्षय कुमार की एंट्री होती है। अक्षय फिल्म में बिल्कुल अलग लुक में नजर आएंगे। वीडियो में अक्षय काले रंग का तहमद और कुर्ता पहने बाल्ड लुक में नजर आए। बिना बालों के अक्षय को देखकर अजय देवगन और रोहित शेट्टी भी हंसते दिखाई दिए। अक्षय कुमार की एंट्री और शरमन जोशी की वापसी के बाद अब गोलमाल 5 के और भी रोचक होने की उम्मीद है।

## शरमन जोशी की हुई वापसी

रोहित शेट्टी ने फिल्म की घोषणा करते हुए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उन्होंने एक लंबा नोट लिखते हुए एक मजेदार वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में फिल्म की प्रमुख कास्ट नजर आ रही है, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े और कुणाल खेमू नजर आ रहे हैं। वीडियो में फिल्म की शूटिंग के कुछ सीन शामिल है। वीडियो के अंत में जब पूरी कास्ट एक साथ होती है, तो अजय देवगन एक सरप्राइज की बात करते हैं, तभी पहली गोलमाल 'गोलमाल फन अनलिमिटेड' का हिस्सा रहे शरमन जोशी की एंट्री होती है। सभी को लगता है कि वो ही इस बार का सरप्राइज हैं। लेकिन ऐसा नहीं है।

# शादी के बाद काम पर लौटीं रश्मिका मंदाना, शुरू की अगली फिल्म की शूटिंग

**विजय देवकरोंडा से शादी के बाद रश्मिका मंदाना अब काम पर लौट आई हैं। उन्हें हाल ही में फिल्म के सेट पर देखा गया। रश्मिका ने फिल्म 'मैसा' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म के निर्देशक रविन्द्र पुले ने यह जानकारी एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साझा की है।**

रश्मिका मंदाना कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में नजर आने वाली हैं। इनमें फिल्म 'मैसा' भी शामिल है। रश्मिका मंदाना ने शादी के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। डायरेक्टर रविंद्र पुले ने आज मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरी से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने सेट से फोटो शेयर करते हुए रश्मिका को टैग किया है। साथ ही कैप्शन लिखा है, 'मैसा'। शुरुआत हो गई है'।

## उदयपुर में हुई रश्मिका विजय की शादी

निर्देशक रविंद्र पुले ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें जंगलनुमा एरिया नजर आ रहा है। कास्ट और क्रू के सदस्य दिख रहे हैं। हालांकि, रश्मिका मंदाना नजर नहीं आ रही हैं। रविंद्र ने एक अन्य फोटो भी साझा की है, जिसमें वे खुद सेट पर दिख रहे हैं। बता दें कि रश्मिका मंदाना ने 26 फरवरी 2026 को विजय देवरकोंडा से उदयपुर में शादी रचाई।

## रश्मिका की आगामी फिल्में

रश्मिका मंदाना आने वाले वक्त में कई फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें 'कॉकटेल 2', 'रणबाली', 'एनिमल पार्क', 'पुष्पा 3' और 'मैसा' के नाम शामिल हैं। फिल्म 'रणबाली' में रश्मिका को उनके एक्टर पति विजय देवरकोंडा के साथ देखा जाएगा। बात करें फिल्म 'मैसा' की तो इसमें रश्मिका बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आएंगी। 27 जून 2025 को इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज किया गया था, जिसमें रश्मिका को दमदार अंदाज में देखा गया था।

# भूमि पेडनेकर ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर की बात

करियर के शुरुआती दिनों में अपने अभिनय से प्रशंसा बटोरने वाली अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पिछले काफी वक्त से बड़े पर्दे से दूर हैं। हालांकि, ओटीटी पर उनकी सीरीज 'दलदल' इसी साल रिलीज हुई है। इसे क्रिटिक्स और दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई। अब अभिनेत्री ने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने 'द रॉयल्स' के बाद लिए अपने ब्रेक के बारे में भी बताया। 'दलदल' को मिली प्रतिक्रिया और ईश्वर के साथ अपने जुड़ाव पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जैसा रिस्पॉन्स मिलना था, वैसा ही मिला।

## युवाओं को दी ईश्वर से संबंध खोजने की सलाह

भूमि ने कहा कि आप जिस भी आस्था में विश्वास करते हैं, जिस भी ऊर्जा में आप विश्वास करते हैं, वह आपको बहुत स्थिर रखता है। युवाओं को सलाह देते हुए उन्होंने कहा कि मेरी सबसे बड़ी सलाह युवाओं को यही है कि ईश्वर के साथ, ब्रह्मांड के साथ अपना संबंध खोजें। जो कुछ भी है उसके साथ बहुत जरूरी है।

इमरान खान के साथ

इमरान खान के साथ अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म के बारे में बात करते हुए भूमि ने कहा कि सौभाग्य से मैंने इस ब्रेक से ठीक पहले एक बहुत ही प्यारी फिल्म की शूटिंग की थी। यह आखिरी दिन था जब मैंने तय किया कि ठीक है, अब मैं आगे बढ़ रही हूं।

## कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहीं भूमि

खुद को इमरान खान की फैन बताते हुए भूमि ने कहा कि इमरान के साथ काम करना मेरी ख्वाहिशों में से एक था। मैं उनकी बहुत सारी फिल्मों की फैन रह चुकी हूं। बचपन से ही 'जाने तू या जाने ना', और वह सबके चहेते थे। इसके अलावा भी मैं कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रही हूं।

## लीड एक्टर के तौर पर एक दशक बाद वापसी करेंगे इमरान

खबरों के मुताबिक, भूमि और इमरान खान की आने वाली फिल्म का नाम 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म का निर्देशन 'ब्रेक के बाद' के निर्देशक दानिश असलम करेंगे। इसके साथ ही इमरान खान एक दशक बाद बड़े पर्दे पर लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे। हालांकि, वो इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में नजर आए थे। लेकिन इसमें उनका कैमियो ही था।

# क्या 'सरकार 4' में नजर आएंगे अमिताभ और अभिषेक बच्चन?

## निर्देशक राम गोपाल वर्मा ने किया बड़ा खुलासा

हाल ही में फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार 4' का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि वो इस पर काम कर रहे हैं। निर्देशक ने बताया था कि इस फिल्म की शूटिंग अगले महीने से शुरू होने वाली है। अब उन्होंने इसकी कास्ट को लेकर बड़ा खुलासा किया है। फिल्म की कास्ट पर क्या बोले राम गोपाल वर्मा? एक इंटरव्यू में राम गोपाल वर्मा ने बताया कि सरकार 4 की स्क्रिप्ट पर काम हो चुका है। उन्होंने कहा, 'मैं इस फिल्म की शूटिंग इस साल के बीच में करूंगा। जब निर्देशक से फिल्म की कास्ट के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, 'अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन दोनों इस फिल्म का हिस्सा होंगे। हालांकि उन्होंने फिल्म के बाकी कलाकारों के बारे में कोई खुलासा नहीं किया। राम गोपाल वर्मा ने आगे कहा कि वो इस फिल्म को एक साल में ही खत्म करना चाहते हैं। इसके बाद वो 'सिंडिकेट' मूवी पर काम करना चाहते हैं, जिसका ऐलान उन्होंने पहले किया था।

## 'सरकार' फ्रेंचाइजी के बारे में

'सरकार' सीरीज की शुरुआत साल 2005 में हुई थी, जिसमें अमिताभ बच्चन ने सुभाष नागरे का दमदार किरदार निभाया था। फिल्म में उनके साथ अभिषेक बच्चन भी नजर आए थे, जिन्होंने इस फिल्म में अमिताभ के बेटे 'शंकर' के किरदार निभाया था। इसके बाद इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म 'सरकार राज' 2008 में रिलीज हुई, जिसमें ऐश्वर्या राय बच्चन भी अहम भूमिका में थीं। फिर 2017 में 'सरकार 3' आई, जिसमें अमिताभ और अभिषेक के अलावा यामी गौतम, मनोज बाजपेयी और अमित साध जैसे कलाकार दिखाई दिए थे। अब 'सरकार 4' की घोषणा के बाद फैंस में एक्साइटमेंट बढ़ गई है।

# नवाजुद्दीन ने बॉलीवुड में 'फेक मूवीज' पर कसा तंज

एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी, जिन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स की क्राइम थ्रिलर 'रात अकेली है: बंसल मर्डर्स' में देखा गया था, उन्होंने एक इवेंट में बॉलीवुड पर 'फेक फिल्में' बनाने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सच्चाई जानते हुए, उसके बारे में कोई बोलता नहीं है। लेकिन उस पर फिल्में बनाई जा रही हैं। इस पर लोगों को लग रहा है कि एक्टर ने 'धुरंधर' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्मों को निशाना बनाया है। नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने एक इवेंट में हिस्सा लिया और वहां पर उनसे ईरान-इजराइल युद्ध के बारे में पूछा गया कि मौजूदा हालात को देखते हुए और जिस तरह से फिल्में ऐसे विषयों को स्क्रीन पर ला रही हैं, तो क्या फिल्ममेकर्स के पास भी समाज को गाइड करने की जिम्मेदारी होती है तो एक्टर ने जवाब दिया, 'समाज को गलत दिखा में ले जाने की जरूरत नहीं है। सच्चाई बहुत इम्पॉर्टेंट है और सच्चाई हर इंसान आज की डेट में जानता है। जिस तरह की फिल्में बन रही हैं, उनके पीछे की सच्चाई क्या है, आप जानते हैं लेकिन आप बोलेंगे नहीं।' जब उनसे नैरेटिव-बेस्ड फिल्मों के बारे में पूछा गया तो वह बोले, 'झूठी फिल्में बन रही हैं हमारे यहां। फेक फिल्में बन रही हैं। ये सब जानते हैं। दुनिया में क्या हो रहा है। सब जानते हैं।

# मैं एक्टर्स से फिल्म के लिए भीख नहीं मांगता

**वेटरन फिल्ममेकर प्रियदर्शन ने अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि एक समय उन्होंने अपनी फिल्म हंगामा-2 के लिए कार्तिक आर्यन को अप्रोच किया था, लेकिन एक्टर ने फिल्म करने से मना कर दिया था। इस पर प्रियदर्शन ने कहा कि उन्हें किसी भी अभिनेता से काम के लिए भीख मांगना पसंद नहीं है।**

इंटरव्यू में प्रियदर्शन ने कहा कि कई बार अभिनेता सीधे मना नहीं करते, बल्कि सम्मानपूर्वक बात करके प्रोजेक्ट से दूरी बना लेते हैं। उनके मुताबिक, अगर किसी कलाकार को निर्देशक या स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं है तो वह जबरदस्ती उसे मनाने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने साफ कहा, 'मैं किसी भी अभिनेता से फिल्म करने के लिए भीख नहीं मांगता। जो मेरे काम पर भरोसा करता है, मैं उसी के साथ काम करता हूं।

## कार्तिक समेत इन स्टार्स ने ठुकराई थी फिल्म

प्रियदर्शन ने खुलासा किया कि हंगामा-2 का कॉन्सेप्ट सिर्फ कार्तिक आर्यन को ही नहीं, बल्कि आयुष्मान खुराना और सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी सुनाया गया था। हालांकि तीनों कलाकारों ने यह फिल्म करने से मना कर दिया। इसके बाद प्रियदर्शन ने फिल्म में मिजान जाफरी को लीड रोल में लेकर प्रोजेक्ट पूरा किया। देंशक का मानना है कि कई बार कलाकार स्क्रिप्ट या निर्देशक पर भरोसा नहीं कर पाते, इसलिए प्रोजेक्ट से दूर हो जाते हैं। लेकिन वह इस बात को व्यक्तिगत रूप से नहीं लेते और नए कलाकारों के साथ काम करने को तैयार रहते हैं।

## स्क्रिप्ट के बाद तय करते हैं कास्ट

प्रियदर्शन ने कहा कि वह कभी भी किसी खास अभिनेता को ध्यान में रखकर फिल्म नहीं लिखते। पहले पूरी कहानी और किरदार तैयार करते हैं, उसके बाद तय करते हैं कि कौन-सा कलाकार उस रोल के लिए सबसे फिट रहेगा। उनके मुताबिक, अगर कोई स्टार फिल्म करने से मना कर देता है तो यह इंडस्ट्री का सामान्य हिस्सा है। निर्देशक के तौर पर उनका काम अच्छी कहानी बनाना है, न कि कलाकारों के पीछे भागना।

## जल्द रिलीज होगी 'भूत बंगला'

वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रियदर्शन इन दिनों अपनी नई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आएंगे और यह फिल्म 10 अप्रैल 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। करीब 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी एक साथ लौट रही है। फिल्म में कॉमेडी के साथ हॉरर का तड़का देखने को मिलेगा और दर्शकों को इससे काफी उम्मीदें हैं। प्रियदर्शन हिंदी सिनेमा के सबसे सफल कॉमेडी डायरेक्टर्स में गिने जाते हैं। उन्होंने हेरा फेरी, हंगामा, चुप चुप के और भूल भुलैया जैसी कई लोकप्रिय फिल्में बनाई हैं।

संक्षिप्त समाचार

## आरजी कर मेडिकल कॉलेज में लिफ्ट में फंसने से व्यक्ति की मौत

**कोलकाता, एजेंसी।** कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में शुक्रवार तड़के ट्रामा केयर सेंटर की लिफ्ट में फंसने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस घटना के बाद अस्पताल परिसर में सुरक्षा व्यवस्था और प्रबंधन की लापरवाही को लेकर तनाव व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार तड़के करीब तीन बजे की है। मृतक अस्पताल में भर्ती मरीज का परिजन बताया जा रहा है, जो पांचवीं मंजिल पर जाने के लिए लिफ्ट में सवार हुआ था। अचानक तकनीकी खराबी के कारण लिफ्ट बीच में ही अटक गई। आरोप है कि उस समय लिफ्ट का संचालन करने के लिए कोई ऑपरेटर वहां मौजूद नहीं था, जिसके कारण समय रहते उसे बाहर नहीं निकाला जा सका और लिफ्ट के भीतर ही उसने दम तोड़ दिया। सुबह घटना की खबर फैलते ही मृतक के परिजनों और अन्य मरीजों के रिश्तेदारों ने अस्पताल प्रशासन के खिलाफ आक्रोशित भीड़ ने अस्पताल परिसर में जमकर विरोध प्रदर्शन किया और सुरक्षा पर सवाल उठाए। स्थिति बिगड़ती देख टाला थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि लिफ्ट में ऑपरेटर की अनुपस्थिति और तकनीकी खराबी के सही कारणों का पता लगाया जा रहा है।

## गैंगस्टर रवि काना की अग्रिम जमानत याचिका पर होगी सुनवाई

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** नोएडा की सेक्टर-39 कोतवाली में दर्ज जान से मारने की धमकी देने और पांच करोड़ रंगदारी मांगने के मामले में गैंगस्टर रवि काना की ओर से अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। इस मामले और सेक्टर-63 कोतवाली में दर्ज एक अन्य प्रकरण में जिला अदालत में 25 मार्च को सुनवाई होगी। रवि काना के अधिवक्ता ललित मोहन गुप्ता के मुताबिक, सेक्टर-62 निवासी वादी ने सेक्टर-39 में दर्ज कराए मामले में बताया था कि 21 फरवरी की रात एक शादी में शामिल होकर कार से घर लौटते समय रास्ते में बाइक सवार युवकों ने उन्हें मदद मांगने के बहाने रोका था। कार से उतरने पर आरोपियों ने खुद को रवि काना गिरोह का सदस्य बताते हुए जान से मारने की धमकी देते हुए पांच करोड़ की रंगदारी मांगी थी। मांग पूरी नहीं होने पर जान से मारने की धमकी दी थी। पुलिस ने घटना का विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया था। पुलिस विवेचना में सामने आया कि रवि काना गिरोह पहले भी धमकी देकर वसूली कर चुका है। इसके अलावा सेक्टर-63 कोतवाली में दर्ज रंगदारी के एक अन्य मामले में भी रवि काना की अग्रिम जमानत को लेकर सुनवाई होनी है।

## गाजियाबाद में नगर निगम ने संभाली हरनंदी नदी की कमान

**साहिबाबाद (गाजियाबाद), एजेंसी।** नगर निगम द्वारा हरनंदी नदी में जलकुंभी हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत सिटी फारेस्ट से लेकर इंदिरापुरम एनएच नौ तक करीब नौ किलोमीटर तक हरनंदी नदी में जलकुंभी हटाई जाएगी। नगर निगम जलकल विभाग द्वारा हरनंदी नदी को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए खरपतवार को हटाया जा रहा है। सफाई डीविडर मशीन से सफाई की जा रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि हरनंदी नदी की सफाई का अभियान पहली बार गाजियाबाद नगर निगम द्वारा चलाए जा रहा है, जिसमें जलकुंभी हटाने का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। नदी के किनारे भी सफाई अभियान चलाते हुए कार्य किया जा रहा है। करीब नौ किलोमीटर निगम सीमा में आने वाली हरनंदी नदी के क्षेत्र को पूर्ण रूप से जलकुंभी मुक्त किया जाएगा। जलकुंभी हटाकर हरनंदी नदी कि आक्सीजन को भी बचाने का प्रयास किया जा रहा है।

# हिमाचल में ऑरेंज अलर्ट के बीच बारिश और बर्फबारी, मार्च में दिसंबर जैसी ठंड

**शिमला, एजेंसी।** राजधानी शिमला सहित निचले इलाकों में सुबह से ठंडी हवाओं के साथ बारिश का क्रम जारी है। शिमला शहर व इसके आसपास के क्षेत्रों में गत रात्रि से रूक-रूक कर वर्षा हो रही है। जबकि मनाली, केलंग और लाहुल-स्पीति के ऊंचे क्षेत्रों में बर्फबारी हो रही है। दर्रों में पिछ्ले चार दिनों से हिमपात होने का क्रम बना हुआ है और तीन फीट से अधिक हिमपात हो चुका है। मनाली व इसके आसपास सोलंगनाला में सुबह से हिमपात हो रहा है, जबकि मनाली के निचले हिस्सों में गत रोज से वर्षा हो रही है। अटल टनल और उसके आसपास के इलाकों में भी बर्फ गिरने का सिलसिला जारी है, जिसके चलते सोलंगनाला से आगे वाहनों की आवाजाही रोक दी गई है। वर्षा व हिमपात से कई जगहों पर जनजीवन प्रभावित हुआ है। चंबा जिले में लगातार बारिश और ऊंची पहाड़ियों पर बर्फबारी के कारण पठानकोट-चंबा-भरमौर राष्ट्रीय राजमार्ग और पांगी वाया साच-पास समेत कई सड़कें बंद हो गई हैं। करीब 30 बिजली ट्रांसफार्मर भी ठप पड़े हैं। किन्नौर में मालिंग नाला के पास भूस्खलन के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग-5 अवरुद्ध हो गया है।

किन्नौर, लाहुल-स्पीति व शिमला, कुल्लू, चंबा, कांगड़ा जिलों के ऊंचाई वाले स्थानों में एक-दो स्थानों पर भारी हिमपात होने और इन जिलों के साथ मंडी जिला के निचले क्षेत्रों में भारी वर्षा होने की संभावना है। प्रदेश में मौसम ने मार्च के महीने में दिसंबर जैसी सर्दी का अहसास करा दिया है।

राज्य के कई हिस्सों में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बर्फबारी हो रही है, जबकि बीती रात कई स्थानों पर तेज आंधी भी चली। मौसम विभाग ने आज और कल के लिए भारी वर्षा, बर्फबारी, ओलावृष्टि व तूफान चलने का आरेंज अलर्ट जारी किया है और लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

बर्फबारी के आंकड़ों पर नजर डालें तो बीती रात लाहुल-स्पीति जिला के गोंदला में 13 सेंटीमीटर, केलंग में 12 सेंटीमीटर, कुकुमसेरी में 11.4 सेंटीमीटर, हंसा में 10 सेंटीमीटर, किन्नौर के सांगला में 1.4 सेंटीमीटर और कल्पा में 0.4 सेंटीमीटर बर्फ दर्ज की गई है। वहीं, बारिश की बात करें तो मनाली में 57 मिमी, सराहन में 32.5 मिमी, सियोबाग में 32.4 मिमी, जोगिंदरनगर में 10 मिमी, धर्मशाला में 15.3 मिमी, शिमला में 16 मिमी, ऊना में 8.4 मिमी, सुंदरनगर में 8.0 मिमी व हमीरपुर के नेरी में 16.5 मिमी वर्षा रिकार्ड हुई है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। शिमला में न्यूनतम तापमान 3 डिग्री की गिरावट के साथ 7 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। राज्य का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे चला गया है। मौसम विभाग के अनुसार आज और कल येलो अलर्ट के साथ खराब मौसम बना रहेगा। 21 और

## पंजाब में बारिश से बदला मौसम, मार्च में फिर लौटी ठंड; ऑरेंज अलर्ट जारी

**चंडीगढ़, एजेंसी।** शहर में पिछले दो दिनों से रुक-रुक कर हो रही बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल दिया है। वीरवार सुबह से लगातार हुई बारिश के चलते ट्राईसिटी में ठंडक बढ़ गई और लोगों को मार्च के महीने में एक बार फिर हल्की सर्दी का अहसास हुआ। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे और ठंडी हवाओं ने मौसम को सुहावना बना दिया। मौसम विभाग के अनुसार, बारिश और ठंडी हवाओं के कारण शहर के अधिकतम तापमान में करीब 8 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। वीरवार को अधिकतम तापमान 20.8 डिग्री और न्यूनतम 14.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। खास बात यह रही कि दिन और रात के तापमान में केवल 6 डिग्री का अंतर रहा, जो सामान्य से कम है। पिछले 24 घंटों में शहर में 4.8 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए चंडीगढ़ में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि आज भी शहर में बारिश का दौर जारी रह सकता है। इसके साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। प्रशासन और मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने और जरूरी होने पर ही बाहर निकलने की सलाह दी है।

22 मार्च को भी मौसम खराब रहेगा, लेकिन कोई अलर्ट नहीं है। 23 मार्च को फिर येलो अलर्ट जारी किया गया है। इसके बाद 24 और 25 मार्च को भी मौसम खराब रहने का अनुमान है, हालांकि इन दिनों के लिए कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

## भूखंड बेचने के नाम पर युवक से 91 लाख रुपये की ठगी

### ग्रेटर नोएडा में मां-बेटे के खिलाफ केस दर्ज

**ग्रेटर नोएडा, एजेंसी।** कोर्ट के आदेश पर बीटा दो कोतवाली पुलिस ने भूखंड बेचने के नाम

पर युवक से धोखाधड़ी कर 91 लाख रुपये ठगने वाले आरोपी मां-बेटे के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पीड़ित का आरोप है कि रुपये लेने के बाद आरोपियों ने बैनामा नहीं किया, धनराशि वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। गाजियाबाद के ग्राम हरौला निवासी संजीव की भूखंड की खरीदारी के संबंध में वर्ष 2015 में बीटा दो स्थित दानबीर के कार्यालय पर थानसिंह और उनकी मां रामकली से मुलाकात हुई थी। मां-बेटे ने बताया कि ग्राम अटौर में सड़क के किनारे की जमीन बेचना चाहते हैं। कार्यालय में ही 2.61 लाख रुपये में भूखंड का सौदा तय हुआ। अलग-अलग तारीखों में विभिन्न माध्यमों से पीड़ित ने आरोपियों को 91 लाख रुपये भुगतान कर दिए। इसके बाद भूखंड के इकरारनामा का निस्तारण कराने की बात कही। इसके बाद आरोपी लगातार टाल मटोल करते रहे। पीड़ित ने बीच में पंचायत के माध्यम से समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया। बैनामा नहीं होने पर परेशान होकर पीड़ित ने जून 2025 में रुपए वापस मांगे तो आरोपितों ने जानमाल की धमकी दी। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने थान सिंह और उनकी मां रामकली के खिलाफ धोखाधड़ी और धमकी देने का मामला दर्ज किया है। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया जांच में मिले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## ट्रैफिक का 'ब्लैकआउट': प्रीपेड मीटर का बैलेंस निगेटिव होते ही चौराहों के सिग्नल- कैमरे हुए ठप

**गाजियाबाद, एजेंसी।** शहर के अधिकांश ट्रैफिक सिग्नल और आइटीएमएस कैमरों की बिजली की लाइन कट गई है। इससे ट्रैफिक सिग्नल बंद हो गए और कैमरों की लाइव फीड भी बंद हो गई। शहर में

सिर्फ तीन-चार स्थानों पर ही सिग्नल चालू रहे। यातायात पुलिस का कहना है कि प्रीपेड बिजली मीटर होने के कारण निगेटिव बैलेंस होने पर धीरे-धीरे अधिकांश चौराहे-तिराहों पर ट्रैफिक सिग्नल और कैमरों की बिजली कटनी शुरू हो गई। बुधवार को भी कुछ स्थानों पर बिजली गुल हुई इसके बाद बृहस्पतिवार दोपहर तक अधिकांश स्थानों पर सिग्नल बंद हो गए। यातायातकर्मियों ने प्रमुख स्थानों पर ट्रैफिक संचालित किया। इंटीग्रेटिड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम के तहत नगर निगम ने शहर के 57 प्रमुख चौराहों और मार्गो पर 870 कैमरे लगवाए हैं। इनमें से 377 कैमरों को चालान प्रणाली से जोड़ा गया है। एक फरवरी से इन कैमरों के जरिए चालान करने शुरू भी कर दिए गए। बृहस्पतिवार को अधिकांश स्थानों पर लगे कैमरे और सिग्नल बंद हो गए। सिर्फ चौधरी मोड़ और चिरंजीव विहार समेत सिर्फ तीन-चार अन्य जगह लगे सिग्नल ही चले। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर होने की वजह से बिजली कट गई है। नगर निगम अधिकारियों से बात कर शीघ्र बिजली बहाल कराई जा रही है। हालांकि बृहस्पतिवार शाम तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो पाई। यातायातकर्मियों ने हापुड़ चुंगी चौराहा, मोहन नगर, बुद्ध चौक, डाबर तिराहा, हापपुड़ तिराहा समेत अन्य तिराहे-चौराहों पर यातायात संचालित किया।

## पंजाब में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए कटे 3,495 पेड़, हाई कोर्ट ने एनएचएआई से मांगा स्पष्ट रोडमैप

**चंडीगढ़, एजेंसी।** पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए हजारों पेड़ों की कटाई के मामले में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से विस्तृत जानकारी मांगी है। अदालत ने कहा कि पंजाब जैसे राज्य में, जहां हरित क्षेत्र पहले से ही सीमित है, 3,495 पेड़ों की कटाई को हल्के में नहीं लिया जा सकता। सुनवाई के दौरान एनएचएआई के वकील ने बताया कि पटियाला बाईपास को फोरलेन और जीरकपुर बाईपास को छह लेन बनाने के लिए पेड़ काटे जाने प्रस्तावित हैं। उन्होंने अदालत को सूचित किया कि इन परियोजनाओं के लिए आवश्यक भूमि और पेड़ों का पूरा विवरण अतिरिक्त हलफनामे के साथ प्रस्तुत किया गया है, जिसमें साइट की तस्वीरें और गूगल इमेज भी शामिल हैं। एनएचएआइ ने दावा किया कि जिन 3,495 पेड़ों को काटा जाना है, उनके बदले में 20,667 पेड़ राज्य सरकार को सौंपे जा चुके हैं। इसके अलावा, लगभग 3.25 हेक्टेयर और 17.57 हेक्टेयर भूमि भी प्रतिपूरक वनीकरण के लिए दी गई है। परियोजनाओं के लिए करीब सात करोड़ रुपये का मुआवजा भी राज्य को जमा कराया गया है। हालांकि, अदालत ने इस दावे पर संतोष व्यक्त नहीं किया। कोर्ट ने विशेष रूप से उस गूगल इमेज पर सवाल उठाए जिसमें प्रतिपूरक

भूमि दिखाई गई थी। अदालत ने कहा कि इमेज में दो सड़कें और एक नहर नजर आ रही है, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा कि दी गई भूमि का उपयोग किस प्रकार किया जाएगा। कोर्ट ने यह भी पूछा कि जिस भूमि को प्रतिपूरक वनीकरण के लिए दिखाया जा रहा है, क्या वहां पहले भी पेड़ों की कटाई हो चुकी है। यदि ऐसा है, तो उसी भूमि को दोबारा प्रतिपूरक वनीकरण के रूप में कैसे स्वीकार किया जा सकता है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह टिप्पणी की कि 3,500 पेड़ कोई छोटी संख्या नहीं है, और पंजाब में केवल 3-4 प्रतिशत हरित क्षेत्र होने के कारण पर्यावरणीय संतुलन को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। याचिकाकर्ता की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर अदालत ने एनएचएआई को निर्देश दिया कि वह अगली सुनवाई में अधिक स्पष्ट और विस्तृत गूगल इमेज तथा भूमि संबंधी पूरी जानकारी प्रस्तुत करे। अब इस मामले की अगली सुनवाई में यह तय होगा कि परियोजनाओं को पेड़ों की कटाई की अनुमति दी जाए या पर्यावरणीय पहलुओं को देखते हुए कोई सख्त शर्तें लागू की जाएं।

## गुरुग्राम में पति ने नर्स को दिया जहर का इंजेक्शन; 4 महीने पहले हुई थी लव मैरिज

**गुरुग्राम, एजेंसी।** चार महीने पहले प्रेम विवाह करने वाली एक महिला की बुधवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायकेवालों ने पति पर दहेज के कारण प्रताड़ित करने और जहरीला इंजेक्शन लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया। शिकायत के आधार पर सेक्टर 93 चौकी पुलिस ने आरोपित के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। आरोपित फिलहाल फरार है। उसकी तलाश की जा रही है। मृत महिला की पहचान गुरुग्राम के साढ़राणा गांव की रहने वाली 23 वर्षीय काजल के रूप में की गई। बताया जाता है कि चार महीने पहले काजल गुरुग्राम के निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम करती थीं। उसी अस्पताल में गाजियाबाद का युवक अरुण शर्मा एक्सरे करता था। दोनों में प्रेम संबंध हो गए। नवंबर 2025 में परिवारवालों की रजामंदी के बाद शादी हो गई। होली तक दोनों बसई गांव में किराये से रहते थे। इसके बाद काजल पति के साथ मायके में रहने चली गईं। काजल के भाई गुरदीप ने अरुण पर बार-बार पैसे मांगने और प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। यह भी कहा कि अरुण नशा करने का आदी था। उसने कुछ समय पहले नौकरी भी छोड़ दी थी। बुधवार सुबह अरुण और काजल में झगड़ा हुआ। शाम को अचानक काजल की तबीयत बिगड़ गई। नाक से खून आ रहा था। परिवार के लोग काजल को निजी अस्पताल ले गए। वहां से उन्हें नागरिक अस्पताल रेफर कर दिया गया। यहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में काजल को मृत अवस्था में छोड़कर अरुण वहां से फरार हो गया। गुरदीप ने बताया कि काजल के कमरे के बाथरूम से इंजेक्शन और सिरिंज बरामद किया गया। अरुण पर जहरीला इंजेक्शन देकर हत्या करने आरोप लगाया गया। सेक्टर 93 चौकी पुलिस को मामले में शिकायत दी गई।

# कांग्रेस उम्मीदवार प्रतीक बोरदोलोई ने उम्मीदवारी वापस ली

**गुवाहाटी, एजेंसी।** असम विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी को एक बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। मार्गेरिटा विधानसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार प्रतीक बोरदोलोई ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली है। उन्होंने यह कदम अपने पिता और कांग्रेस के पूर्व सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बाद उठाया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को लिखे पत्र में प्रतीक बोरदोलोई ने अपनी स्थिति स्पष्ट की है। उनका कहना है कि पिता के कांग्रेस छोड़ने के बाद, उनका मैदान में डटे रहना जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच उनकी निष्ठा को लेकर असमंजस पैदा करेगा।

प्रतीक ने अपने पत्र में उम्मीदवारी वापस लेने का कारण बताते हुए लिखा, 'पार्टी के प्रति अत्यंत सम्मान और गहरी जिम्मेदारी की भावना के साथ, मैं मार्गेरिटा विधानसभा क्षेत्र से अपनी उम्मीदवारी वापस लेने के फैसले से अवगत कराना चाहता हूं। मेरे पिता के अन्य राजनीतिक दल में शामिल होने के बाद मेरा उम्मीदवार बने रहना उचित नहीं होगा।' उन्होंने आगे लिखा कि मार्गेरिटा की जनता और अनगिनत समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पार्टी उम्मीदवार के प्रति पूर्ण स्पष्टता और विश्वास होना चाहिए। अगर मेरी प्रतिबद्धता को लेकर कोई भी भ्रम पैदा होता है, तो यह उनके साथ अन्याय होगा।

### पार्टी के प्रति वफादारी जारी रहेगी

प्रतीक ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस के आदर्शों में उनका विश्वास अभी भी अडिग है। उन्होंने कहा कि उनका यह फैसला पार्टी संगठन के प्रति सम्मान और उसके अनुशासन को बनाए रखने की इच्छा से प्रेरित है। पार्टी नेतृत्व जो भी जिम्मेदारी सौंपेगा, वे उस हैसियत से काम करते रहेंगे।

### पिता प्रद्युत बोरदोलोई का कांग्रेस से मोहभंग

प्रतीक का यह फैसला उनके पिता प्रद्युत बोरदोलोई के लोकसभा सीट और कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में जाने के बाद आया है। प्रद्युत ने पार्टी छोड़ने के कई कारण बताए। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के भीतर उन्हें लगातार अपमान का सामना करना पड़ रहा था और नेतृत्व की ओर से उन्हें कोई समर्थन नहीं मिल रहा था। प्रद्युत ने असम केंद्रीय चुनाव समिति की एक बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि इमरान मसूद ने एक उम्मीदवार (जिस पर प्रद्युत ने आपराधिक साठगांठ का आरोप लगाया था) के खिलाफ उनके आरोपों को मनगढ़ंत बताकर खारिज कर दिया था। इस घटना से उन्हें गहरी ठेस पहुंची। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि उनका इस्तीफा सिर्फ 'टिकट बंटवारे' से जुड़ा नहीं है, बल्कि इसके पीछे 'कई अन्य मुद्दे' हैं। उन्होंने कहा कि मेरे लिए टिकट जीवन-मरण का प्रश्न नहीं था... महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं सिर ऊंचा रखकर चल सकूं।

### कांग्रेस के लिए लगातार झटके

प्रद्युत बोरदोलोई का यह कदम असम कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भूपेन कुमार बोराह के भाजपा में शामिल होने के ठीक एक महीने बाद सामने आया है। भूपेन बोरा ने भी तीन दशक तक कांग्रेस की सेवा करने के बाद पार्टी का साथ छोड़ दिया था। चुनाव आयोग की रविवार को की गई घोषणा के अनुसार, असम की सभी 126 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव 9 अप्रैल को एक ही चरण में होगा और मतगणना यानी नतीजे 4 मई को आएंगे।

# गुरुग्राम के वीआइपी सेक्टर-56 में बदहाल सुविधाएं, सीवर ओवरफ्लो से लोग परेशान

**नया गुरुग्राम, एजेंसी।** गुरुग्राम के सबसे महंगे और वीआइपी माने जाने वाले सेक्टरों में शामिल सेक्टर-56 के निवासी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। इलाके में सीवर ओवरफ्लो, टूटी सड़कों, खराब सफाई व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति की समस्या ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। कई स्थानों पर सीवर का पानी सड़कों पर भरा रहता है, जिससे बदबू फैल रही है और लोगों का घरों से निकलना भी मुश्किल हो गया है। सेक्टर-56 में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) के प्लाट के साथ-साथ कई बड़ी और आलीशान सोसायटियां भी स्थित हैं, लेकिन सुविधाओं के नाम पर स्थिति बदहाल है। सीवर लाइन की नियमित सफाई नहीं होने के कारण कई जगह सीवर ओवरफ्लो हो रहा है और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। निवासियों का कहना है कि कई वर्षों से नगर निगम को शिकायतें दी जा रही हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया। सड़कों की हालत भी बेहद खराब है। सेक्टर की कई सड़कें

जर्जर हो चुकी हैं, जिससे धूल उड़ती रहती है और प्रदूषण बढ़ता है। कई जगह पानी की पाइपलाइन भी टूटी हुई है, जिससे पेयजल सड़कों पर बहता रहता है। नियमित सफाई नहीं होने से भी सेक्टर की स्थिति और खराब होती जा रही है। सीवर लाइन की सफाई के लिए कई बार कनिष्ठ अभियंता से लेकर कार्यकारी अभियंता तक शिकायत कर चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं होती। जर्जर सड़कों से उड़ने वाली धूल भी प्रदूषण बढ़ा रही है, लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा। सेक्टर में कई जगह सड़कों पर सीवर का पानी भरा रहता है। इससे बदबू फैलती है और बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। लोगों के लिए सड़कों पर चलना भी मुश्किल हो गया है। पूरे सेक्टर की सीवर लाइन की डी-सिल्टिंग कराना ही समस्या का स्थायी समाधान है। कई वर्ष से सीवर लाइन की सफाई नहीं हुई है। जब तक पूरी लाइन की डी-सिल्टिंग नहीं होगी।

ऑस्ट्रेलिया में पहले राउंड के बाद

# दीक्षा संयुक्त आठवें स्थान पर

**गोल्ड कोस्ट (ऑस्ट्रेलिया) (एजेंसी)।** पार-71 सैंक्चुअरी कोव गोल्फ एंड कंट्री क्लब में हो रही ऑस्ट्रेलियन डब्ल्यूपीजीए चैंपियनशिप के पहले राउंड के बाद भारतीय खिलाड़ियों में दीक्षा डागर सबसे आगे रहीं। उन्होंने 4-अंडर 67 का मजबूत शुरुआती राउंड खेला और लीडरबोर्ड पर संयुक्त रूप से 8वें स्थान पर रहीं। वह लीडर केल्सी मैकडॉनल्ड (64) से चार शॉट पीछे हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती राउंड के साथ एक नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया है। हिताशी बख्शी का शुरुआती राउंड भी काफी अच्छा रहा; उन्होंने 2-अंडर 69 का स्कोर बनाकर अपने हफ़्ते की शुरुआत की। इस प्रतियोगिता में शामिल अन्य भारतीय खिलाड़ी प्रणवी उर्स (72) और वाणी कपूर (73) हैं, जिनके लिए हफ़्ते की शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही। उन्होंने क्रमशः 1-ओवर 72 और 2-ओवर 73 का स्कोर किया। वे अभी संयुक्त-68 और संयुक्त -81 स्थान पर हैं। दीक्षा का दिन बोगी-मुक्त रहा। उन्होंने अपने राउंड की शुरुआत नौवें होल से की, जहाँ से'बैक नाइन( अंतिम नौ होल) शुरू होते हैं। उन्होंने दसवें होल पर बर्डी बनाई, और फिर 'फ्रंट नाइन (शुरुआती नौ होल) पर तीन और बर्डी बनाकर दिन का समापन 4-अंडर पार स्कोर के साथ किया। दो बार की एलईटी विजेता दीक्षा अब संयुक्त रूप से 8वें स्थान पर हैं। हिताशी बख्शी (69), जो एलईटी पर तीन मुश्किल हफ़्तों के बाद अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाह रही हैं, ने 'फ्रंट नाइन' से शुरुआत की। चौथे, छठे और नौवें होल पर बर्डी बनाने के बावजूद, उन्होंने 'फ्रंट नाइन' पर 'इवन पार' (बराबर का स्कोर) खेला। उन्होंने पांचवें होल पर एक बोगी और आठवें होल पर एक 'डबल बोगी' बनाकर तीन शॉट गंवा दिए।

21 वर्षीय हिताशी ने 12वें और 18वें होल पर दो और बर्डी बनाईं और दिन का समापन 2-अंडर पार स्कोर के साथ करते हुए खुद को संयुक्त रूप से 23वें स्थान पर पहुंचा दिया। केल्सी मैकडॉनल्ड ने शुरुआती राउंड में 7-अंडर 64 का नया कोर्स रिकॉर्ड बनाया और एक स्ट्रोक की बढ़त के साथ सबसे आगे चल रही हैं। स्थानीय स्टार हन्ना ग्रीन दूसरे स्थान पर हैं और इंग्लैंड की शार्लेट हीथ के साथ मिलकर लीडर से सिर्फ एक स्ट्रोक पीछे हैं। ग्रीन बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही हैं; उन्होंने पिछले हफ्ते ही एडिलेड में जीत हासिल की थी, और उससे ठीक दो हफ्ते पहले सिंगापुर में अपना सातवां एलपीजी खिताब जीता था।

# तेंदुलकर और लारा जैसे दिग्गज क्रिकेटर दिखेंगे मैदान में

## इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 24 अक्टूबर से 14 नवंबर तक खेले जाएंगे

**मुंबई (एजेंसी)।** सचिन तेंदुलकर, ब्रायन लारा, युवराज सिंह, शेन वाटसन, क्रिस गेल और कुमार संगकारा जैसे धुरंधर पूर्व क्रिकेटर 24 अक्टूबर से 14 नवंबर तक होने वाले इंटरनेशनल मास्टर्स लीग के दूसरे सत्र में भाग लेंगे। ये मैच मुंबई, वडोदरा और विशाखापत्तनम में खेले जाएंगे। लीग के कमिश्नर सुनील गावस्कर ने कहा, आईएमएल के पहले सत्र ने साबित कर दिया कि दिग्गज क्रिकेटरों का जादू अभी भी प्रशंसकों के सिर चढ़कर बोलता है। दूसरे सत्र में फोकस उस अनुभव को बेहतरीन प्रतिस्पर्धा, यादगार पलों और खेल के लिए उसी जुनून से जोड़ने पर रहेगा। दूसरे सत्र में छह फ्रेंचाइजी टीमें भारत, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और श्रीलंका की होंगी।

# अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति चयनकर्ता

## आईपीएल के जरिए वनडे विश्व कप संभावितों को तलाशेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वनडे विश्व कप में अभी एक साल का समय है लेकिन भारत के 20 संभावित खिलाड़ियों का अनुमान लगाया जा चुका है और पांचों राष्ट्रीय चयनकर्ता 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में इन खिलाड़ियों पर नजर रखेंगे। बीसीसीआई के एक सूत्र ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

अजित अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति में एस एस दास, आर पी सिंह, अजय रात्रा और प्रज्ञान ओझा हैं। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में 2027 अक्टूबर नवंबर में होगा। चयन समिति के सदस्य अपने अपने बेस में मैचों के दौरान मौजूद रहेंगे जबकि बाकी मैच टीवी पर देखेंगे। आईपीएल के पहले मैच में गत चैम्पियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। सीनियर अधिकारियों ने इन अटकलों को भी खारिज किया कि टी20 विश्व कप जीतने के बाद अगरकर ने अपना कार्यकाल 50 ओवरों के विश्व कप तक बढ़ाने की मांग की है। बीसीसीआई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा, चयन समिति बीसीसीआई की एक उप समिति है और चयनकर्ताओं का अनुबंध इस साल सितंबर तक है। अजित का करार सितंबर में खत्म हो रहा है जिसके बाद बीसीसीआई सचिव और अजित तय करेंगे कि वह अगले साल वनडे विश्व कप तक रहेंगे या नहीं। एक सीनियर चयनकर्ता चार साल तक पद पर रह सकता है और उसे करार बढाने का अनुरोध करने की जरूरत नहीं है।

अगरकर जुलाई 2023 में चयन समिति के अध्यक्ष बने थे और उन्होंने विराट कोहली तथा रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद टेस्ट और टी20 में बदलाव का दौर देखा है। अगरकर मुंबई में रहते हैं जबकि दास कोलकाता के रहने वाले हैं। आर पी और रात्रा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में रहते हैं जबकि ओझा अपने हिस्से के आईपीएल मैच बेंगलुरू और हैदराबाद में देखेंगे। अधिकारी ने कहा, बीसीसीआई चाहता है कि हर चयनकर्ता कम से कम हर सप्ताह एक मैच देखे जिससे पांच मैच प्रति सप्ताह हो जाएंगे। इसके अलावा टीवी पर मैच देख सकते हैं। टी20 विश्व कप 2028 और उसी साल ओलंपिक को देखते हुए इस साल आईपीएल में उन 20 खिलाड़ियों को तलाशने पर नजर होगी जो 50 ओवरों का विश्व कप खेलेंगे।

# आईपीएल से चुनी जाएगी वन-डे वर्ल्ड कप 2027 की टीम

## 20 इंडियन प्लेयर्स शॉर्टलिस्ट, सिलेक्टर्स उनकी परफार्मेंस और फिटनेस पर नजर रखेंगे

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** 28 मार्च से शुरू हो रहा आईपीएल भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी।

मीडिया सूत्र और बीसीसीआई सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस आईपीएल के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

इतना ही नहीं, पंजाब मुल्लांपुर में 6 से 10 जून तक अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले टेस्ट मैच में भी टीम इंडिया अपनी फुल-स्ट्रेंथ के साथ उतरेगा। सारे सीनियर खिलाड़ी इसमें खेलेंगे।

### स्टेडियम जाकर मैच देखेंगे सिलेक्टर्स

बीसीसीआई ने सिलेक्टर्स को मैच देखने की जिम्मेदारी बांट दी गई है। हर चयनकर्ता हफ्ते में कम से कम एक आईपीएल मैच स्टेडियम में जाकर देखेगा, ताकि हर सप्ताह शॉर्टलिस्ट प्लेयर्स की पांच मैचों की ग्राउंड रिपोर्ट तैयार हो सके। इसके अलावा बाकी मैचों को टीवी के जरिए ट्रैक किया जाएगा। इस बार चयनकर्ता नए उभरते खिलाड़ियों के बजाय पहले से तय वनडे कोर ग्रुप के प्लेयर्स पर ही ध्यान देंगे।

**स्लिेक्टर्स के जोन बांटे, अगरकर मुंबई में रहेंगे-** चयनकर्ताओं की जिम्मेदारी तय कर दी गई है। चीफ सिलेक्टर अजित अगरकर मुंबई में रहेंगे, जबकि एसएस दास कोलकाता से मैच देखेंगे। वहीं आरपी सिंह और अजय रात्रा एनसीआर क्षेत्र में मौजूद रहेंगे, जबकि प्रज्ञान ओझा बेंगलुरु और हैदराबाद में मुकाबलों पर नजर रखेंगे।

### अफगान टीम के खिलाफ टेस्ट में सीनियर टीम उतारेगा भारत

अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट में भारत अपनी फुल-स्ट्रेंथ टीम उतारेगा। हालांकि इस मैच में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अंक नहीं मिलेंगे, फिर भी टीम मैनेजमेंट इसे हल्के में नहीं ले रहा है। अगस्त से मार्च के बीच भारत को 9 टेस्ट खेलने हैं, ऐसे में सभी रेड-बॉल खिलाड़ी इस मुकाबले में उपलब्ध रहेंगे। यह भी तय माना जा रहा है कि बुमराह और सिराज, अगर आईपीएल के दौरान फिट रहते हैं, तो अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।

# वह 25 साल का है, 20 का नहीं

## डिविलियर्स ने आईपीएल 2026 से पहले अभिषेक को दी सलाह

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी डिविलियर्स का मानना ??है कि भारत के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अपने करियर के ऐसे मोड़ पर पहुंच गए हैं, जहाँ उन्हें अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी चाहिए और दबाव को बेहतर तरीके से संभालना चाहिए, खासकर टी20 विश्व कप में उनके उतार-चढ़ाव भरे प्रदर्शन के बाद। अभिषेक को भारत के वर्ल्ड कप जीतने के अभियान के दौरान रन बनाने में मुश्किल हो रही थी, उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19वें सीजन से पहले सनराइज हैदराबाद का उप-कप्तान बनाया गया है। यह सीज़न 28 मार्च से शुरू होगा। डिविलियर्स ने जियो हॉटस्टार पर कहा, वह अब 25 साल का है, 20 का नहीं। इसलिए, यह निश्चित रूप से वह दौर है जब उसे ज्यादा जिम्मेदारी लेना शुरू कर देना चाहिए। मीडिया का दबाव होगा और लोग उससे और ज्यादा लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की उम्मीद करेंगे। हम जानते हैं कि टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान उसका प्रदर्शन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रहा था, जो निराशाजनक था। फाइनल में उसने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उसके अलावा उसके लिए यह टूर्नामेंट काफी शांत रहा। वह कभी-कभी थोड़ा अनिश्चित सा लग रहा था। डिविलियर्स ने आगे बताया कि हालांकि अभिषेक ने अपनी प्रतिभा पहले ही दिखा दी है, लेकिन अगला कदम परिपक्वता और निरंतरता का है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उम्मीदें तो बढ़ेंगी ही और आईपीएल 2026 में सफलता पाने के लिए मानसिक रूप से इन उम्मीदों को संभालना ही सबसे अहम होगा। उन्होंने कहा, उनका आईपीएल 2025 शानदार रहा, उन्होंने लगभग 200 के स्ट्राइक-रेट से रन बनाए और उनका औसत 30 के आस-पास रहा। टूर्नामेंट में 400 से ज्यादा रन बनाने वाले एक ओपनिंग बल्लेबाज के लिए यह अच्छा प्रदर्शन है, लेकिन यह और भी बेहतर हो सकता था। एक बार फिर, वही शब्द लगातार अच्छा प्रदर्शन मेरे जहन में आता है। यह एक निजी चुनौती है जिसे उन्हें मानसिक रूप से पार पाना होगा।

डिविलियर्स ने आगे कहा, दुनिया का नंबर एक इंटरनेशनल टी-20 बल्लेबाज होने के साथ-साथ उम्मीदें भी जुड़ी होती हैं, और क्रिकेट की दुनिया में 'उम्मीद' सबसे खतरनाक शब्द है। जब आपको ऐसा महसूस होता है कि पूरी दुनिया की नजरें आप पर ही टिकी हैं, तो आने वाले इस पूरे सीजन में उन मानसिक चुनौतियों से लड़ना उन्हीं के हाथ में है। डिविलियर्स ने अभिषेक को यह भी सलाह दी कि वे हर समय आक्रामक रवैया अपनाने के बजाय मैच की परिस्थितियों को समझने में ज्यादा समझदारी दिखाएं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के इस पूर्व दिग्गज खिलाड़ी ने मुश्किल गेंदबाजों के हिसाब से खुद को ढालने और अपनी बनाई हुई रणनीति पर भरोसा रखने के महत्व पर जोर दिया, जिससे उन्हें अपने प्रदर्शन में और ज्यादा निरंतरता लाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कहा, उनकी सफलता, उनके करियर की लंबी उम्र और उनके प्रदर्शन में निरंतरता का राज इसी बात में छिपा है कि वे अलग-अलग तरह के मैच-अप्स (गेंदबाज और बल्लेबाज के बीच की टक्कर) को कितनी अच्छी तरह समझते हैं और उनका कितना सम्मान करते हैं। मान लीजिए,

# भारत की अंडर 20 महिला टीम एशियाई कप खेलने थाईलैंड पहुंची

## दो दशक बाद किया क्वालीफाई

**बैंकॉक (एजेंसी)।** भारत की 24 सदस्यीय अंडर 20 महिला फुटबॉल टीम थाईलैंड में अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप से पहले पंद्रह दिन के अनुकूलन शिविर में भाग लेने शुक्रवार को यहां पहुंच गई। भारतीय टीम ने दो दशक बाद इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है। यह टीम दो अप्रैल को जापान के खिलाफ ग्रुप सी के पहले मुकाबले से पूर्व13 दिन अनुकूलन शिविर में भाग लेगी। भारत को पांच अप्रैल को आस्ट्रेलिया से और आठ अप्रैल को चीनी ताइपै से खेलना है। ग्रुप की शीर्ष दो टीमें और तीसरे स्थान की दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल खेलेंगी। क्वार्टर फाइनल जीतने वाली टीमें पोलैंड में इस साल होने वाले फीफा अंडर 20 विश्व कप में जगह बनाएंगी। भारतीय टीम ने इंडियन वुमेंस लीग के पहले चरण के बाद बेंगलुरू में स्वीडिश कोच जोकिम अलेक्जेंडरसन के मार्गदर्शन में अभ्यास किया है। इसके अलावा स्वीडन में एक महीने का अभ्यास शिविर भी लगा था। भारत ने स्वीडन की सीनियर टीम के खिलाफ पांच दोस्ताना मैच भी खेले। यूरोप से आने के बाद टीम ने कोलकाता में अभ्यास शिविर में भी भाग लिया।

### भारतीय टीम

**गोलकीपर** - मोनालिसा देवी एम, नंदिनी, रिबांसी जामू

**डिफेंडर** - अलका इंदवार, सिंडी आर कोलनी, निशिमा कुमारी, रेमी थोकचोम, रूचि यादव, सहीना टीएच, शुभांगी सिंह, टी चानू तोइजाम

**मिडफील्डर** - अंजू चानू कायेनपेइबाम, अरिना देवी एन, भूमिका देवी, मोनिशा सिंघा, नेहा, पूजा, श्रुति कुमारी

# अगले साल 29 अक्टूबर से शुरू होंगे राष्ट्रमंडल युवा खेल

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** राष्ट्रमंडल युवा खेलों का आठवां चरण अगले साल 29 अक्टूबर से चार नवंबर तक माल्टा और गोजो में आयोजित किया जाएगा। उद्घाटन समारोह 29 अक्टूबर को होगा जिसके बाद 30 अक्टूबर से चार नवंबर तक स्पर्धायें होंगी।

इन खेलों में आठ स्पर्धाएं तैराकी और पैरा तैराकी, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, नेटबॉल, सेलिंग, स्क्वाश, ट्रायथलॉन, वॉटर पोलो और भारोत्तोलन शामिल हें। राष्ट्रमंडल खेलों की मुख्य कार्यकारी केटी सैडलियर ने बृहस्पतिवार को एक विज्ञप्ति में कहा, माल्टा 2027 एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी माहौल का वादा करता है।

विश्व स्तर की सुविधाएं हमारे युवा खिलाड़ियों को अच्छा अनुभव देंगी जिससे कल के सितारों को प्रेरित करने और उन्हें विकसित करने में मदद मिलेगी।

# पीएसएल में बांग्लादेशी खिलाड़ियों के खेलने पर सस्पेंस

## बीसीबी बोला-सरकार से मंजूरी मिलने के बाद ही पाकिस्तान जाएंगे प्लेयर्स, सुरक्षा कारणों से फैसला

**ढाका (एजेंसी)।** पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में बांग्लादेशी खिलाड़ियों की भागीदारी अब सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने क्षेत्रीय तनाव को देखते हुए यह फैसला लिया है। पहले बोर्ड ने 6 खिलाड़ियों को एनओसी दिया था। इनमें मुस्तफिजुर रहमान, परवेज हुसैन एमोन (लाहौर कलंदर्स), शोरीफुल इस्लाम, नाहिद राणा, तंजीद हसन तमीम और रिशाद हुसैन (पेशावर जाल्मी) शामिल हैं। पीएसएल 26 मार्च से 3 मई तक खेला जाना है, लेकिन अब खिलाड़ियों के पाकिस्तान जाने से पहले सरकार से अनुमति ली जाएगी।

**अफगानिस्तान-पाकिस्तान सीमा पर तनाव बनी वजह-** बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के क्रिकेट ऑपरेशंस चेयरमैन नजमुल आबेदीन ने कहा कि मौजूदा हालात सामान्य नहीं हैं। अफगानिस्तान और पाकिस्तान सीमा पर बढ़ते तनाव की वजह से खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर रिस्क है।

- **सरकार तय करेगी कि पाकिस्तान जाना सुरक्षित है या नहीं-** नजमुल आबेदीन ने आगे कहा कि बोर्ड के लिए वहां की जमीनी हकीकत को समझना मुमकिन नहीं है। यह काम सरकार का है। उन्होंने कहा, सरकार को वहां की सुरक्षा स्थिति के बारे में बेहतर जानकारी होगी। अगर सरकार हमें हरी झंडी देती है और कहती है कि यात्रा करना सुरक्षित है, तभी खिलाड़ी वहां जाएंगे। सैद्धांतिक रूप से हमने एनओसी देने का फैसला किया है, लेकिन सब कुछ उस समय के हालात पर निर्भर करेगा। बांग्लादेश ने पाकिस्तान को घरेलू तीन वनडे मैचों की सीरीज में 2-1 से हराया।

- **न्यूजीलैंड सीरीज के लिए कैंप मिस करेंगे खिलाड़ी-** अगर सरकार से मंजूरी मिल जाती है, तो पीएसएल खेलने वाले 6 खिलाड़ी न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली घरेलू सीरीज के तैयारी कैंप में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। न्यूजीलैंड की टीम 13 अप्रैल को बांग्लादेश दौरे पर आ रही है, जहां उसे 3 वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। वनडे सीरीज 17 अप्रैल से शुरू होगी, जबकि टी-20 सीरीज 27 अप्रैल से 2 मई के बीच खेली जाएगी।
- **वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन को देखते हुए आंशिक एनओसी-** बीसीबी ने खिलाड़ियों को आंशिक एनओसी जारी किया है ताकि वे न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए उपलब्ध रहें। बांग्लादेश इस समय आईसीसी वनडे रैंकिंग में नौवें नंबर पर है और अगले साल होने वाले वनडे वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने की कोशिश में है। पाकिस्तान को 2-1 से हराने के बाद बांग्लादेश की नजरें अब न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज कर अपनी रैंकिंग सुधारने पर हैं।

# जेएसएस का दो-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न, डिजिटल सशक्तिकरण और स्वरोजगार पर फोकस

सोन वर्षा वाणी

**दुमका**। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में संचालित जन शिक्षण संस्थान दुमका परिसर में आयोजित दो-दिवसीय 'प्रशिक्षक क्षमता वर्धन' प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। 19 और 20 मार्च तक चले इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशिक्षकों को आधुनिक तकनीकों, सरकारी योजनाओं और डिजिटल डेटा प्रबंधन से जोड़कर उन्हें और अधिक प्रभावी बनाना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रभारी निदेशक मोती उपाध्याय एवं बीओएम सदस्य रूबी केसरी द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उद्घाटन के बाद प्रभारी निदेशक ने प्रशिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षक केवल हुनर नहीं सिखाते, बल्कि वे आत्मनिर्भर समाज की नींव रखते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि "प्रशिक्षण की गुणवत्ता ही हमारी असली पहचान है" और प्रशिक्षकों को नई तकनीकों को अपनाने के साथ प्रशिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। रूबी केसरी ने 'प्रशिक्षण की कला' पर अपने विचार रखते हुए कहा कि एक सफल प्रशिक्षक वही होता है, जो छात्रों के भीतर सीखने की जिज्ञासा और लगन पैदा कर सके। आईटीआई कॉलेज के प्रोफेसर फुलचंद मांझी ने प्रशिक्षार्थियों के फॉलो-अप के महत्व को रेखांकित किया। पहले दिन के तकनीकी सत्र में प्रोग्राम ऑफिसर दीपक कुमार सिंह ने डेटा मैनेजमेंट और रजिस्टर संधारण की बारीकियों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि सटीक डेटा और व्यवस्थित रिकॉर्ड ही एक सफल प्रशिक्षण की नींव है, जिससे संस्थान और मंत्रालय के बीच पारदर्शिता बनी रहती है। दूसरे दिन का सत्र उद्यमिता और स्वरोजगार की संभावनाओं पर केंद्रित रहा। एपीओ लिवलीहुड दर्शन हेंब्रम ने सखी मंडलों के माध्यम से महिलाओं की सफलता की कहानियां साझा करते हुए बताया कि सही प्रशिक्षण और बाजार से जुड़ाव से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। उद्यमिता विशेषज्ञ मौसमी गुप्ता ने युवाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी श्रीराम कुशवाहा ने प्रतिवेदन तैयारी और पंजी संधारण की प्रक्रियाओं को सरल तरीके से समझाया। वहीं, जिला नियोजनालय से आए अशोक कुमार और पंकज कुमार ने रोजगार से जुड़ी योजनाओं और पंजीकरण की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि प्रशिक्षित युवा कैसे निजी और सरकारी क्षेत्रों में अवसरों का लाभ उठा सकते हैं। बैंकिंग सत्र में एसबीआई के प्रतिनिधि पीयूष कुमार ने मुद्रा ऋण सहित विभिन्न वित्तीय योजनाओं की जानकारी दी, जिससे प्रशिक्षक अपने छात्रों को स्वरोजगार के लिए बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ सकें। तकनीकी सत्र में एमआईएस विशेषज्ञ मृत्युंजय कुमार ने सर्वेक्षण रिपोर्ट और उसकी सटीक रिपोर्टिंग के महत्व को समझाया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में प्रशिक्षकों का मूल्यांकन किया गया और उन्हें प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समापन सत्र में प्रभारी निदेशक ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षकों को नई ऊर्जा और तकनीक से लैस करेगा और संस्थान का उद्देश्य दुमका के युवाओं एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर मुख्यधारा से जोड़ना है। इस अवसर पर संस्थान के कर्मचारी, विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ और जिले के अनुभवी प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

## भारत विकास परिषद का चुनाव संपन्न, प्रीति भालोटिया दोबारा अध्यक्ष चुनी गईं, नववर्ष पर भव्य यज्ञ का आयोजन

सोन वर्षा वाणी

**दुमका**। भारत विकास परिषद, दुमका शाखा (उत्तर प्रांत), झारखंड के सत्र 2026-27 के लिए पदाधिकारियों के चुनाव की प्रक्रिया गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रांतीय स्तर से नियुक्त चुनाव प्रभारी इंजीनियर प्रकाश चंद्र सिंह की देखरेख में यह चयन प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और सर्वसम्मति के साथ संपन्न कराई गई।

इस दौरान शाखा के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों की उपस्थिति में गहन विचार-विमर्श के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। उत्कृष्ट कार्यों को देखते हुए प्रीति भालोटिया को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष, जितेंद्र कुमार साह को सचिव तथाप्रदीप कुमार को कोषाध्यक्ष पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया। परिषद की परंपरा के अनुसार पदाधिकारियों को तीन कार्यकाल तक नामित किया जा सकता है, जिसके तहत वर्तमान टीम को यथावत बनाए रखने का निर्णय लिया गया।

चुनाव प्रक्रिया के दौरान प्रांतीय महासचिव प्रकाश चंद्र सिंह (देवघर), क्षेत्रीय संस्कार संयोजक भारती शर्मा, प्रांतीय सेवा प्रकल्प के डॉ मधुर कुमार सिंह सहित कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इसके अलावा संगीता सिन्हा, डॉ मुकेश कुमार, सतीश कुमार, किशोर प्रसाद साह, ज्योति हिम्मतसिंहका, दिलीप शर्मा, सरोज साह, सत्येंद्र कुमार मुन्ना, सरिता अग्रवाल, कृतिका, इंजीनियर अशोक कुमार, पंकज लाल सहित अन्य सदस्य भी मौजूद रहे। चुनाव के पश्चात भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2083 के शुभ अवसर पर दुमका में भव्य "सामूहिक नववर्ष मंगल यज्ञ" का आयोजन किया गया। यह आयोजन जिला स्कूल रोड स्थित "शर्मा आवास" में दिलीप शर्मा के निवास पर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य जजमान के रूप में जितेंद्र कुमार साह सपत्नी, सतीश कुमार सपत्नी एवं आशुतोष बिहारी लाल सपत्नी शामिल हुए।

इस पावन अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने यज्ञ की अग्नि में आहुति देकर नववर्ष में सुख, शांति और राष्ट्र कल्याण की कामना की। साथ ही परिषद के सदस्यों ने यह संकल्प लिया कि वे समाज के निर्धन एवं कमजोर वर्गों की हर संभव सहायता कर उन्हें आगे बढ़ाने का कार्य निरंतर करते रहेंगे। यही संस्था का मूल उद्देश्य और संकल्प है।

## दुमका और बासुकीनाथ नगर निकायों में नई सरकार का आगाजः अध्यक्षों और पार्षदों ने ली सेवा की शपथ

सोन वर्षा वाणी

**दुमका**। जिले के शहरी निकायों में नए कार्यकाल की विधिवत शुरुआत हो गई है। शुक्रवार को समाहरणालय और डीआरडीए सभागार में आयोजित गरिमामय समारोह के दौरान नगर परिषद दुमका और नगर पंचायत बासुकीनाथ के नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने सभी को कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। नगर परिषद दुमका के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया और सभी 21 वार्ड पार्षदों ने उत्साहपूर्ण वातावरण में अपनी जिम्मेदारी संभाली। वहीं, बासुकीनाथ नगर पंचायत की नई अध्यक्ष वीणा देवी और सभी 12 वार्ड पार्षदों का शपथ ग्रहण समारोह भी भव्य तरीके से संपन्न हुआ। शपथ दिलाने के बाद उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने नवनियुक्त प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्हें नई जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि शहर के सर्वांगीण विकास, स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना प्राथमिकता होनी चाहिए। उपायुक्त ने सभी पार्षदों से आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने की अपील की। शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्षों और वार्ड पार्षदों ने निष्पक्षता, पारदर्शिता और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। जनप्रतिनिधियों ने भरोसा दिलाया कि वे नगर निकाय क्षेत्रों को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तत्परता से कार्य करेंगे।

## कृषि यांत्रिकीकरण प्रोत्साहन योजनान्तर्गत भूमि संरक्षण विभाग द्वारा विशेष शिविर आयोजित

सोन वर्षा वाणी

**दुमका** : उपायुक्त अभिजीत सिन्हा के निर्देशानुसार समाहरणालय परिसर दुमका में कृषि यांत्रिकीकरण प्रोत्साहन योजनान्तर्गत भूमि संरक्षण विभाग द्वारा एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य कृषक समूहों को जागरूक करना एवं इच्छुक समूहों से अधिक से अधिक इन यंत्रों हेतु आवेदन प्राप्त करना ताकि ससमय लक्ष्य के अनुरूप वितरण किया जा सके। इस शिविर में विभिन्न प्रखंडों से लाभुक समूहों ने भाग लिया, जिसमें जेएसएलपीएस, दुमका द्वारा संचालित 02 (दो) सखी मंडल को बडा ट्रैक्टर एवं 02 (दो) सखी मंडल को मिनी ट्रैक्टर के साथ-साथ लाभुक समूहों को कृषि कार्य हेतु कृषि उपकरण भी वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त द्वारा कृषि यांत्रिकीकरण की महत्ता को समझाते हुए सखी मंडलों की सराहना की एवं इन उपकरणों के प्रयोग हेतु प्रोत्साहित किया गया। उपायुक्त ने कहा कि योजना का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों से जोड़ना है जिससे कृषि उत्पादकता बढ़े एवं वे स्वयं आत्मनिर्भर बन सके। भूमि संरक्षण पदाधिकारी द्वारा विस्तृत जानकारी देते हुए बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में कृषकों महिला स्वयं सहायता समूह / लैम्पस/ पैक्स/ एफपीओ/ जलछाजन समितियों एवं अन्य समूहों के बीच कृषि यंत्रों का वितरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजनान्तर्गत 34.0 40.0 मैक्स,पीटीओ, एचपी, पीएस श्रेणी के बड़े ट्रैक्टर एवं दो कृषि यंत्रों के खरीद पर कुल 10.00 लाख का पैकेज निर्धारित किया गया है, इस पर बड़े ट्रैक्टर हेतु 50 प्रतिशत एवं कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत अनुदान प्राप्त है। मिनी ट्रैक्टर एवं अन्य यंत्रों के लिए 80 प्रतिशत तक की सरकारी अनुदान निर्धारित है। इच्छुक समूह जिला कृषि पदाधिकारी, जेएसएलपीएस, नाबार्ड, मत्स्य पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी या जिला उद्यान पदाधिकारी, दुमका से सम्पर्क स्थापित कर जल्द से जल्द आवेदन जमा करें ताकि ससमय वितरण किया जा सके।

शिविर में उप विकास आयुक्त, डीपीएम जेएसएलपीएस, दुमका एवं अन्य कर्मी मौजूद थे।

## पारदर्शिता के साथ ससमय, सही मात्रा में अनाज वितरण सुनिश्चित करें: डीएसओ

- जरमुंडी में आपूर्ति विभाग की बैठक में डीएसओ ने डीलरों को दिया निर्देश
- डीएसओ ने कहा गड़बड़ी करने वाले डीलरों पर होगी नियमानुकूल कार्रवाई

सोन वर्षा वाणी

**जरमुंडी, प्रतिनिधि** : जरमुंडी प्रखंड कार्यालय के सभागार में आपूर्ति विभाग की एक बैठक आहूत की गई। जिसमें डीएसओ राजशेखर प्रसाद, बीडीओ कुंदन भगत, प्रखंड आपुर्ति पदाधिकारी प्रवीण यादव के द्वारा सभी पीडीएस डीलरों के साथ बैठक की गई। बैठक में कहा गया कि सभी योग्य लाभुकों को ससमय राशन उपलब्ध कराना प्राथमिक जिम्मेवारी है। सभी डीलरों को जिम्मेदारी का पालन करने की आवश्यकता है। बैठक में जन वितरण प्रणाली के डीलरों को निर्देश दिया गया कि अपने क्षेत्र के शत-प्रतिशत लाभार्थियों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण करें और राशन का ससमय उठाव करें।डीलरों को सख्त निर्देश देते हुए कहा गया कि पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय पर सही मात्रा में वितरण सुनिश्चित करें। वहीं एलपीजी गैस की सुचारू आपूर्ति, भंडारण और कालाबाजारी रोकने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। वितरण में गड़बड़ी करने वाले विक्रेताओं को बख्शा नहीं जाएगा। उनके ऊपर कड़ी से कड़ी कठोर कार्यवाही की जाएगी। बैठक में प्रखंड क्षेत्र के सभी पीडीएस डीलर उपस्थित थे।

### विकास के नए अध्याय की शुरुआतः दुमका और बासुकीनाथ में उपाध्यक्षों का शपथ ग्रहण

**दुमका**। शुक्रवार का दिन स्थानीय राजनीति और विकास की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण रहा। दुमका नगर परिषद और बासुकीनाथ नगर पंचायत में नई कमान संभालते हुए नवनिर्वाचित उपाध्यक्षों ने अपने पद की शपथ ली। इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ ही दोनों नगर निकायों में जनसेवा के एक नए संकल्प का संचार हुआ है। एक गरिमापूर्ण समारोह के दौरान दुमका नगर परिषद के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह को अध्यक्ष अभिषेक चौरसिया ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। वहीं, बासुकीनाथ नगर पंचायत में भी चुनावी हलचल के बाद नई ऊर्जा दिखी, जहाँ अध्यक्ष वीणा देवी ने नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष रोहित राउत को आधिकारिक तौर पर शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के तुरंत बाद दोनों ही उपाध्यक्षों ने अपनी भावी कार्ययोजना और प्राथमिकताओं को साझा किया। मनोज सिंह और रोहित राउत ने स्पष्ट किया कि उनकी पहली प्राथमिकता पारदर्शिता और निष्ठा के साथ जनता की समस्याओं का समाधान करना है। जनप्रतिनिधियों ने एकजुट होकर क्षेत्र के चहुंमुखी विकास का वादा किया, जिससे स्थानीय नागरिकों में बेहतर नागरिक सुविधाओं और क्षेत्र की प्रगति को लेकर एक नई उम्मीद जगी है। इस शपथ ग्रहण के साथ ही अब दोनों निकायों में विकास कार्यों को गति मिलने की संभावना प्रबल हो गई है।

## अंतरराज्यीय पशु तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, पिता-पुत्र समेत 3 गिरफ्तार

### चोरी के चार बैल और पिकअप बरामद

**दुमका**। पुलिस ने रानीश्वर और मसानजोर क्षेत्र में सक्रिय पशु चोरों के एक शातिर गिरोह को बेनकाब करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने रंगे हाथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो गोशाला का दरवाजा तोड़कर बैल चोरी की वारदात को अंजाम दे रहे थे। पकड़े गए आरोपियों में मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पिता-पुत्र भी शामिल हैं।

घटना शुक्रवार देर रात करीब सवा एक बजे की है, जब रानीश्वर के रंगालिया गांव निवासी श्यामसुंदर देहरी की गोशाला से अज्ञात चोरों ने चार बैल पार कर दिए। पीड़ित की तत्काल सूचना पर रानीश्वर थाना प्रभारी बलराम कुमार सिंह ने तत्परता दिखाते हुए नाकेबंदी कराई। सघन चेकिंग के दौरान मसानजोर पुलिस ने बागलान के पास एक संदिग्ध महिंद्रा पिकअप JH04Y 9371 को रोका। तलाशी के दौरान उसमें लदे चारों बैल बरामद किए गए, जिनकी पहचान चोरी के मवेशियों के रूप में हुई।

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपियों की पहचान नीरज कुमार साह, उसके पिता प्रभात साह निवासी सरुवा, दुमका और ललन कुमार यादव निवासी सोनारायठाड़ी, देवघर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। इस सफल ऑपरेशन में रानीश्वर और मसानजोर थाना प्रभारियों के साथ सशस्त्र बलों की अहम भूमिका रही। पुलिस ने चोरी में इस्तेमाल पिकअप वैन को जब्त कर लिया है और सभी आरोपियों को जेल भेजने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

## दुमका के डीआरडीए सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में उपायुक्त ने बासुकीनाथ नपं अध्यक्षा वीणा देवी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई

सोन वर्षा वाणी

**जरमुंडी, प्रतिनिधि** : बासुकीनाथ नगर पंचायत निर्वाचन 2026 में नव निर्वाचित अध्यक्ष वीणा देवी एवं वार्ड पार्षदों को दुमका के डीआरडीए सभागार में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में शुक्रवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर उपायुक्त ने अभिजीत सिन्हा ने बासुकीनाथ नपं की नवनिर्वाचित अध्यक्षा वीणा देवी को शपथ ग्रहण कराया और पुष्प गुच्छ भेंट देकर उन्हें शुभकामनाएं दी।

**रोहित कुमार बने बासुकीनाथ नगर पंचायत के उपाध्यक्ष** : इस अवसर पर बासुकीनाथ नगर पंचायत में उपाध्यक्ष पद के लिए हुए वोटिंग में शुक्रवार को रोहित कुमार राउत ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निकेश कुमार मंडल को 7:5 वोट के अंतर से पराजित कर जीत हासिल किया। उपाध्यक्ष पद के लिए वार्ड संख्या दो से निर्वाचित पार्षद रोहित कुमार राउत एवं वार्ड संख्या तीन के पार्षद निवेश कुमार मंडल के बीच दावेदारी थी। उपाध्यक्ष का चयन वोटिंग के माध्यम से किया गया। जिसमें वार्ड संख्या दो के पार्षद रोहित कुमार राउत को कुल सात वार्ड पार्षदों का समर्थन प्राप्त हुआ। जबकि उसके निकटतम प्रतिद्वंदी वार्ड संख्या तीन के वार्ड पार्षद निकेश कुमार मंडल को मात्र पांच वार्ड पार्षदों का ही समर्थन मिल सका। बता दें कि बासुकीनाथ नगर पंचायत में कुल 12 वार्ड पार्षद हैं, जिसमें उपाध्यक्ष पद हेतु बहुमत के लिए आधे से अधिक यानी न्यूनतम सात मत प्राप्त करना अनिवार्य था। रोहित कुमार राउत ने इसमें बाजी मार ली। यहां बता दें कि उपाध्यक्ष के चयन को लेकर बासुकीनाथ नगर पंचायत क्षेत्र में पिछले दो सप्ताह से काफी रणनीति बनाई जा रही थी। जिसमें क्षेत्र के बड़े दिग्गज लगे हुए थे। अंततः उपाध्यक्ष पद के लिए रोहित कुमार राउत ने बाजी मार लिया। रोहित के उपाध्यक्ष बनने पर स्थानीय जनप्रतिनिधि, शुभचिंतको और युवा समर्थकों सहित नगर पंचायत कर्मियों ने बधाई दी है।

## चुटोनाथ मंदिर में चड़क पूजा की धूम : 24 दिनों तक सजेगा आस्था का मेला

### मंदिर परिसर में गूंजेगी सिर्फ प्रार्थना; 23 दिनों तक बलि पूजा पूरी तरह बंद

सोन वर्षा वाणी

**दुमका**। जामा प्रखंड के प्रसिद्ध चुटोनाथ मंदिर में इस बार चड़क पूजा महोत्सव बेहद खास होने वाला है। नव युवक पूजा समिति ने आगामी 1 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026 तक चलने वाले इस भव्य आयोजन की रूपरेखा साझा की है।

श्रद्धालुओं के लिए विशेष सूचना है कि महोत्सव के दौरान 1 से 23 अप्रैल तक मंदिर में बलि पूजा पूरी तरह बंद रहेगी। उत्सव की शुरुआत के बाद 8 अप्रैल को 'डाक आगमन' का विशेष अनुष्ठान होगा, वहीं 10 अप्रैल को बाबा बेणेश्वर के आगमन के साथ भव्य नगर भ्रमण निकाला जाएगा। आयोजन का मुख्य आकर्षण 14 अप्रैल को देखने को मिलेगा, जब पूरी रात शिव अर्चना और भक्ति कार्यक्रमों से मंदिर परिसर गूंज उठेगा। इसी दिन भव्य चड़क मेले का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें भारी संख्या में भक्तों के जुटने की उम्मीद है। समिति ने महोत्सव को सफल बनाने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं।